राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण मंगलवार,25अगस्त2020 वर्ष–3, अंक –209 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कांग्रेस वर्किंग कमेटी

सीडब्ल्यूसी की बैठक खत्म, सोनिया गांधी बनीं रहेंगी अंतरिम अध्यक्ष

नई दिल्ली।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी में लंबी तनातनी के बाद आखिरकार सोनिया गांधी के अंतरिम अध्यक्ष बने रहने पर सहमति जताई है। सोनिया गांधी कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष बनी रहेंगी। सोनिया गांधी एक साल तक पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष बनीं रहेंगी। गौरतलब है कि कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सोमवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पद छोड़ने की पेशकश की थी और कहा कि सीडब्ल्यूसी नया अध्यक्ष चुनने के लिए प्रक्रिया आरंभ करे।

राहुल ने भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगाया

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोनिया को भेजी गई नेताओं की चिट्ठी की टाइमिंग पर सवाल उठाए। राहुल का आरोप था कि पार्टी नेताओं ने यह सब भाजपा की मिलीभगत से किया। राहुल के इस बयान को बमुश्किल 20-25 मिनट नहीं बीते होंगे कि उनका विरोध शुरू हो गया। विरोध करने वालों में सबसे आगे थे गुलाम नबी आजाद और कपिल सिब्बल। बाद में कांग्रेस ने कहा कि राहुल ने भाजपा के साथ मिलीभगत जैसा या इससे मिलता-जुलता एक शब्द भी नहीं बोला था।

गुलाम नबी आजाद ने दी सफाई

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को नेतृत्व परिवर्तन के बारे में लिखे गये पत्र के बाद भारतीय जनता पार्टी के साथ साठ गांठ के आरोपों का सामना कर रहे कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने सफाई दी है कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उन पर इस तरह का कभी कोई आरोप नहीं लगाया है। आजाद ने ट्वीट कर कहा, ''मीडिया का एक हिस्सा यह गलत खबर दे रहा है कि कार्य समिति की बैठक में मैने राहुल गांधी को कहा कि वह साबित करें कि हमने भाजपा के साथ सांठगांठ करके पत्र लिखा।

इस बारे में मुझे स्पष्ट करना है कि राहुल गांधी ने न तो कार्य समिति की बैठक में और ना ही इससे बाहर कभी कहा है कि यह पत्र भाजपा के साथ मिलीभगत करके लिखा गया है। आजाद ने कल दिए गए अपने एक बयान के बारे में भी स्पष्टीकरण देते हुए कहा ''कल जब कांग्रेस के कुछ लोगों ने कहा कि हमने यह पत्र भाजपा के साथ सांठगांठ करके लिखा है तो इस संदर्भ में मैंने कहा था --यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ सहयोगी (कार्य समिति के सदस्य नहीं) हम पर आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा के साथ मिलकर यह पत्र लिखा गया है और यदि वे इस आरोप को साबित कर देंगे तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। इससे पहले सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले

कांग्रेस नेताओं में शामिल कपिल सिब्बल ने भी कहा कि भाजपा के साथ सांठ गांठ कर पत्र लिखने वाले आरोप से वह बहुत व्यथित है लेकिन बाद में उन्होंने ट्वीट किया 'मुझे राहुल गांधी ने व्यक्तिगतरूप से सूचित किया है कि उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि पत्र मिलीभगत से लिखा गया है। इसके बाद मैंने अपना ट्वीट वापस ले लिया।

बादल परिवार को बड़ा झटका, पूर्व अकाली विधायक औलख समेत कई नेता ढींडसा ग्रुप में शामिल

मानसा। मानसा में शिरोमणि अकाली दल बादल से निराश होकर पूर्व अकाली विधायक और पनसीड पंजाब के पूर्व चेयरमैन सुखविन्दर सिंह औलख, शिरोमणी समिति मेंबर मा. मिट्ठू सिंह काहनेके, धर्म प्रचार समिति मेंबर जत्थेदार मनजीत सिंह, साबका ऐस.जी.पी.सी मैंबर कौर सिंह समेत बड़ी संख्या में अकाली वर्कर आज पूर्व वित्त मंत्री परमिन्दर सिंह ढींडसा के नेतृत्व में शिरोमणि अकाली दल डेमोक्रेटिक में शामिल हो गए। इस बारे पूर्व वित्त मंत्री और मौजूदा विधायक परमिन्दर सिंह ढींडसा ने कहा कि सुखबीर बादल ने अपने व्यापार और पत्नी की कुर्सी मोह में फंस कर पार्टी को माफिया राजनीति के हवाले कर पंजाब और अकाली दल का बड़ा नुक्सान किया है। पंजाबियों की तरफ से लगातार मिल रहे प्यार और ताकत के कारण ही हमने इस चुनौती को स्वीकार किया है। जिस के आगे सुखबीर की माफिया राजनीति भी पंजाबियों के आगे टिक नहीं सकेगी। पंजाब के पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू के पार्टी में आने बारे पूछे सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पंजाब की भलाई के लिए किसी के भी पार्टी में आने पर उसका स्वागत किया जायेगा। अब उनका एक ही निशाना है कि पंजाब को कैसे बचाया जाये। ढींडसा ने कहा कि अकाली दल में 40 -40 साल तक सखूत मेहनत करने वाले सीनियर नेताओं को सुखबीर ने माफिया राजनीति के द्वारा पार्टी की विरासत से एक तरफ़ करन की भद्दी साजिश रची परन्तु वह इस मामले में असफल साबित हुए है।

स्वावलम्बन केन्द्र के माध्यम से देखने को मिलेगी एक नई कार्य संस्कृतिः योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है राज्य में भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) का स्वावलम्बन केन्द्र स्थापित हो जाने से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) सेक्टर से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने तथा स्टार्ट-अप की स्थापना करने में सहूलियतें प्राप्त होंगी, जिससे प्रदेश के अन्दर एक नई कार्य संस्कृति देखने को मिलेगी। श्री योगी ने सोमवार को यहां अपने सरकारी आवास पर सिडबी के 'स्वावलम्बन केन्द्र का ऑनलाइन शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि सिडबी के नये भवन के निर्मित हो जाने से प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 सेक्टर से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने तथा स्टार्ट-अप की स्थापना करने में सहूलियतें प्राप्त होंगी, जिससे प्रदेश के अन्दर एक नई कार्य संस्कृति देखने को मिलेगी। उन्होंने 'स्वावलम्बन केन्द्र का डिस्प्ले मॉडल देखकर विश्वास व्यक्त किया कि यह बिल्डिंग ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित की जाएगी, जिसमें ऊर्जा, जल, वेस्ट प्रोडक्ट की बचत के साथ-साथ जल की रीसाइकिलिंग और रीचार्जिंग की व्यवस्थाएं होंगी। ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहित करने और जल संरक्षण के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए तथा एम0एस0एम0ई0 सेक्टर के प्रोत्साहन के लिए यहां जो व्यवस्थाएं की गयी हैं वह अत्यन्त महत्वपूर्ण और आज की आवश्यकता है। श्री योगी ने कहा कि सिडबी, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एम0एस0एम0ई0) क्षेत्र के संवर्धन, वित्त पोषण और विकास के लिए कार्य करने वाली प्रमुख वित्तीय संस्था है। सिडबी द्वारा भारत सरकार के स्टार्ट-अप फण्ड के निधि प्रबन्धन का कार्य किया जा रहा है।

अनलॉक-4: शुरू हो सकती है मेट्रो, बंद रहेंगे स्कूल-कॉलेज; जल्द जारी हो सकती हैं गाइडलाइंसः सूत्र

नई दिल्ली।

एक सितंबर से शुरू हो रहे लॉकडाउन में छूट के चौथे चरण 'अनलॉक 4% में सरकार द्वारा मेट्रो ट्रेन सेवाओं को परिचालन की अनुमति दिए जाने की संभावना है लेकिन स्कूलों और कॉलेजों के निकट भविष्य में खुलने की संभावना नहीं है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बार संचालकों को भी अपने काउंटर पर शराब बेचने की अनुमति दी जा सकती है लेकिन यह इजाजत ग्राहकों द्वारा उसे घर ले जाने के लिए होगी। अब तक बार खोलने की अनुमति नहीं दी गई है। एक अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस लॉकडाउन में क्रमिक छूट के चौथे चरण 'अनलॉक 4% की जब शुरुआत होगी तब एक सितंबर से मेट्रो रेल सेवाओं को परिचालन की अनुमति दी जा सकती है। हालांकि राज्यों में त्वरित परिवहन नेटवर्क के परिचालन की अनुमति के बारे में संबंधित राज्य सरकार वहां की कोरोना वायरस महामारी की स्थिति के आधार पर निर्णय लेंगी। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए मार्च में मेट्रो सेवाएं निलंबित कर दी गई थी। इस महामारी की वजह से देश में अब तक 31 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं। अधिकारी ने बताया कि तत्काल स्कूल और कॉलेज नहीं खोले जाएंगे लेकिन इस पर गहन विचार-विमर्श चल रहा है कि विश्वविद्यालय, आईआईटी और आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों को खुलने की अनुमति दी जाए या नहीं। एक अन्य अधिकारी का कहना था कि सिनेमाघरों को एक सितंबर से खुलने की अनुमति देने की संभावना करीब-करीब नहीं है क्योंकि फिल्मकारों या सिनेमाघर मालिकों के लिए एक दूसरे से दूरी बनाकर चलने के नियम का अनुपालन करते हुए अपना कारोबारी काम करना वाणिज्यिक रूप से व्यावहारिक नहीं होगा। अनलॉक 4 के दिशानिर्देशों में केंद्र सरकार केवल प्रतिबंधित गतिविधियों का जिक्र करेगी, बाकी बहाल हो सकते हैं। अधिकारी के अनुसार राज्य सरकारें उन अतिरिक्त गतिविधियों पर अंतिम निर्णय ले सकती हैं जिन पर अनलॉक 4 के दौरान भी पाबंदी जारी रहे। अनलॉक 4 के दिशानिर्देश इस सप्ताह के आखिर तक जारी किए जा सकते हैं। देशभर में निषिद्ध क्षेत्रों में लॉकडाउन सख्ती से बना रहेगा। फिलहाल मेट्रो रेल सेवाएं, सिनेमाघर, स्वीमिंग पूल, मनोरंज पार्क, थिएटर, बार , ऑडिटोरियम, अन्य सभागार औरऐसे अन्य स्थान प्रतिबंधित गतिविधियों के अंतर्गत हैं। ऐसे अन्य स्थान ऐसे अन्य स्थान प्रतिबंधित गतिविधियों के अंतर्गत हैं। अगले महीने सामाजिक, राजनीतिक गतिविधियां, खेलकूद, मनोरंजन,अकादमिक, सांस्कृतिक, धार्मिक कार्यक्रम एवं अन्य समागम पर पाबंदी बने रहने की संभावना है। एक जून से लॉकडाउन में छूट की 'अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्रः रायगढ़ में बहुमंजिला इमारत गिरी, मलबे में 47 लोगों के दबे होने की आशंका

मुंबई। रायगढ़ के महाड सालीवाड़ा नाका हापुस तलाब के पास पांच मंजिला इमारत गिर गई है। घटनास्थल पर पुलिस और दमकल की कई टीमें पहुंच गई हैं। हादसे के बाद मलबे में 47 लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। ये जानकारी शुरुवाती तौर पर दी गयी है, लेकिन स्थानीय लोगों की मानें तो मलबे में दबे लोगों का आंकड़ा इससे कहीं ज्यादा है। एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो गई है।

समाजवादी पार्टी में जाने की तैयारी में साक्षी मिश्रा, अखिलेश यादव से मांगा वक्त

बरेली। बीजेपी विधायक की बेटी साक्षी मिश्रा समाजवादी पार्टी में जाना चाहती हैं। इसके लिए साक्षी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से वक्त मांगा है। साक्षी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की कार्यशैली और युवाओं के लोकप्रिय नेता अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री काल में जो विकास की लहर को देखने को मिली। जिसके कारण सपा सरकार में उत्तर प्रदेश को अलग पहचान दी। उन्होंने बताया कि समाजवादी पार्टी ने जातिवाद का बढ़ावा ना देते हुए एक विकास की लहर चलाई और युवाओं को लिए अनेक प्रकार के रोजगार दिए। साक्षी मिश्रा ने कहा, इससे से प्रभावित होकर साक्षी समाजवादी पार्टी ज्वाइन करना चाहती हैं, इसके लिए उसने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मिलने का वक्त मांगा। जैसे ही वक्त मिलता है वो लखनऊ में आकर सपा की सदस्यता ले लेगी। बता दें कि बीजेपी विधायक राजेश मिश्रा की बेटी साक्षी मिश्रा ने परिवार से बगावत कर प्रेम विवाह किया है। विवाह के बाद साक्षी ने अपने परिवार से जान खतरा बताते हुए वीडियो वायरल की थी। जिसके बाद यह मामला काफी सुर्खियों में रहा। वहीं 9 अगस्त को साक्षी ने एक बेटे को जन्म दिया है।

हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंचा

नेशनल डेस्क। हरियाणा के यमुनानगर जिले में हथिनीकुंड बैराज से 5,800 क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के बाद दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ गया है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि यहां स्थित पुराने रेलवे पुल पर जलस्तर 204.38 मीटर दर्ज किया गया। एक अधिकारी ने कहा कि जलस्तर सुबह 8 बजे दर्ज किया गया और यह खतरे के निशान 205.33 मीटर से नीचे है। उन्होंने कहा कि हथिनीकुंड बैराज से 5,883 क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद जलस्तर में वृद्धि हुई। जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि सरकार इस स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि नियंत्रण कक्ष की योजना बनाई गई है और उसे जल्दी ही सक्रिय किया जाएगा। जैन ने कहा कि दिल्ली में यमुना नदी के पास के क्षेत्रों के लिए एक योजना तैयार की गई है।

गोरखपुरः पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहे जासूस को एटीएस ने पकड़ा

गोरखपुर। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ के लिए जासूसी कर रहे हनीफ उर्फ आरिफ नामक युवक को पकड़ा गया है। हनीफ गोरखपुर के कोतवाली इलाके का रहने वाला है जिसे लखनऊ एटीएस ने दो दिन पहले भी हिरासत में लिया था, लेकिन पूछताछ के बाद छोड़ दिया। पूछताछ में उसने एयरफोर्स स्टेशन, कूड़ाघाट स्थित गोरखा रेजीमेंट और रेलवे स्टेशन की फोटो भेजने की बात कबूल की है। बताते हैं कि हनीट्रैप के जरिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ने उसे अपने जाल में फंसाया था। वाट्सएप ग्रुप के जरिए वह खुफिया जानकारी पाकिस्तानी एजेंसी को भेजता था। हनीफ के बारे में शुरुआती जानकारी सेना से जुड़ी खुफिया एजेंसियों ने एकत्र की थी। बाद में एटीएस ने उस पर काम करना शुरू किया। हनीफ की रिश्तेदारी पाकिस्तान में है। वर्ष 2014 से 2018 के बीच वह पाकिस्तान आता जाता रहा है। बताते है कि इसी दौरान पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने उसे हनीट्रैप के जरिए उसे अपने जाल में फंसा लिया और ब्लैकमेल कर उसे अपने लिए जासूसी करने के काम में लगा दिया। खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर एटीएस, हनीफ पर पांच अगस्त को अयोध्या में राम जन्मभूमि पर हुए कार्यक्रम को लेकर लगातार नजर रख रही थी। दो दिन पहले उसे गोरखपुर रेलवे स्टेशन के पास से हिरासत में लेकर लखनऊ चली गई हनीफ पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के वाट्स एप ग्रुप पर सूचनाएं भेजता था। एटीएस के नजर में आ जाने की भनक उसे लग गई थी।

'पत्र वायरल' होने के बाद कांग्रेस में घमासान, पूर्व यूपी कांग्रेस अध्यक्ष निर्मल खत्री ने भी जारी किया खुला पत्र

अयोध्या। कांग्रेस पार्टी में पत्र वायरल होने के बाद कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री ने भी खुला पत्र जारी किया है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं द्वारा जारी वह पत्र जिसकी मीडिया में आज बहुत चर्चा है के संदर्भ में सबसे पहली बात मैं यह कहना चाहूँगा कि वह पत्र जो अखबारों में छपा उसे इन्ही नेताओं में से किसी ने लीक कर छपवाया अतः चूकि यह प्रकरण इन नेताओं द्वारा ही सार्वजनिक किया गया है व इसका खंडन भी किसी ने नही किया है अतः मैं भी अपनी राय सार्वजनिक तौर पर रखने के लिए स्वतंत्र हूँ। यह अच्छी बात है कि अ.भा.का. कमेटी का अध्यक्ष पूर्वकालिक होना चाहिए। लेकिन मेरी राय में गांधी परिवार के अतिरिक्त किसी भी नेता में पूरे देश के कार्यकर्ताओं और जनता को अपने साथ जोडने की शक्ति नही है। साथ ही यही परिवार भाजपा सरकार के विरोध में संघर्ष कर भी रहा है और क्षमता भी रखता है। मैंने अन्य किसी भी नेता में इस क्षमता का पूर्वरूपेण अभाव देखा है उसका कारण चाहे जो भी रहा हो। अकेले माननीय राहुल गांधी ही मोदी सरकार के खिलाफ बोलते दिखाई देते हैं। मेरी राय में आदरणीया सोनिया गांधी जी यदि इस दायित्व को संभालती रहें तो उत्तम है लेकिन यदि स्वास्थ्य सम्बन्धी कारणों से यह सम्भव न हो तो माननीय राहुल गांधी जी को इस पद को संभालना चाहिए।

बिपिन रावत का चीन को कड़ा संदेश- सीमा पर जवाब देने के लिए हमारी सेना तैयार

नेशनल डेस्क।

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर यथा स्थिति बहाल करने के लिये चल रही व्यापक बातचीत का कोई सकारात्मक नतीजा नहीं निकलता है तो भारतीय सशस्त्र सेनाएं सैन्य विकल्पों के लिये भी तैयार हैं। चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में सीमा पर काफी समय से चल रहे गतिरोध पर प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल विपिन रावत ने यह बात कही। चीन-भारत सीमा मुद्दे को लेकर सैन्य रणनीति बनाने वाले शीर्ष सैन्य अधिकारियों का हिस्सा जनरल रावत ने कहा कि शांति से गतिरोध के समाधान के लिये पूर्ण सरकारी÷ नजरिये का पालन किया जा रहा है। तीन महीनों से भी ज्यादा समय से सीमा पर चल रहे विवाद के बारे में पूछे जाने पर सीडीएस ने कहा कि नियंत्रण रेखा पर यथा स्थिति बहाल करने के लिये अगर सभी प्रयास ÷फलदायी÷ नहीं होते हैं तो सशस्त्र बल हमेशा सैन्य कार्रवाई के लिये तैयार हैं। दिसंबर 2016 से दिसंबर 2019 तक सेना प्रमुख रहे जनरल रावत ने कहा कि एलएसी को लेकर दोनों देशों की अलग धारणा के कारण अतिक्रमण हुआ। बीते ढाई महीनों में भारत और चीन के बीच कई दौर की सैन्य और कूटनीतिक वार्ता हो चुकी हैं लेकिन सीमा गतिरोध के समाधान की दिशा में कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई। दोनों पक्षों के बीच बृहस्पतिवार को कूटनीतिक वार्ता का एक और दौर हुआ जिसके बाद विदेश मंत्रालय ने कहा कि वे लंबित मुद्दों को ÷तेजी के साथ÷ मौजूदा समझौतों और व्यवस्थाओं के जरिये निपटाने पर सहमत हैं। पूर्वी लद्दाख में भारत की सैन्य तैयारियों की समीक्षा और क्षेत्र में बन रही स्थितियों के मद्देनजर उपाय करने के लिये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जनरल रावत और तीनों सेनाओं के प्रमुख नियमित रूप से बैठक कर रहे हैं।

ममता बनर्जी ने पीएम मोदी से एनईईटी और जेईई परीक्षाएं स्थगित करने के लिए कहा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोविड-19 के मौजूदा हालात के मद्देनजर सोमवार को केन्द्र सरकार से संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) स्थगित करने की अपील की। जेईई परीक्षा देश के प्रमुख इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है जबकि नीट का आयोजन मेडिकल में स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए किया जाता है। बनर्जी ने सोमवार को सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुख्यमंत्रियों के साथ हुई पिछली वीडियो कांफ्रेंस में खुलकर इस मुद्दे पर अपनी बात रखी थी। ममता ने ट्वीट किया, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ हुई हमारी पिछली वीडियो कांफ्रेंस में मैंने सितंबर के अंत तक विश्वविद्यालयों/कॉलेजों में अनिवार्य रूप से परीक्षाएं आयोजित कराने संबंधी यूजीसी के दिशा-निर्देशों पर खुलकर अपनी बात रखी थी। इन परीक्षाओं के चलते छात्रों की जान खतरे में पड़ने की बहुत अधिक संभावना है। बनर्जी ने सरकार से इस खतरे का आकलन करने और हालात सुधरने तक परीक्षाएं स्थगित करने की अपील की। उन्होंने एक और ट्वीट किया, सितंबर में नीट और जेईई परीक्षाएं आयोजित कराने के शिक्षा मंत्रालय के निर्देश के बाद मैं केन्द्र से खतरे का आकलन करने और हालात सुधरने तक परीक्षाएं टालने की दोबारा अपील करती हूं। सभी छात्रों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है। जेईई (मेन) परीक्षा 1 से 6 सितंबर जबकि जेईई (एडवांस) परीक्षा 27 सि तंबर को आयोजित की जानी है। नीट की परीक्षा 13 सितंबर को आयोजित की जाएगी।उन्होंने एक और ट्वीट किया, सितंबर में नीट और जेईई परीक्षाएं आयोजित कराने के शिक्षा मंत्रालय के निर्देश के बाद मैं केन्द्र से खतरे का आकलन करने और हालात सुधरने तक परीक्षाएं टालने की दोबारा अपील करती हूं। सभी छात्रों के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है। जेईई (मेन) परीक्षा 1 से 6 सितंबर जबकि जेईई (एडवांस) परीक्षा 27 सितंबर को आयोजित की जानी है। नीट की परीक्षा 13 सितंबर को आयोजित की जाएगी।

नहीं थम रहा जालंधर में कोरोना का कहर, अब तक कुल 202 नए पॉजिटिव केस, 4 की मौत

जालंधर । जिला जालंधर में कोरोना का कहर लगातार जारी है। सोमवार को कोरोना से अब तक कुल 4 लोगों की मौत तथा 202 नए पॉजिटिव मरीज सामने आए है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मरने वालों की पहचान पंजाबी बाग के प्रमोद कुमार (58) तथा नीला महल की हरबंस कौर (60) के रूप में हुई है। जिसके बाद जिले में अब तक कुल 5454 पॉजिटिव मरीज तथा मरने वालों की संख्या 139 तक पहुंच गई है। पंजाब में कोरोना वायरस का प्रकोप दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। आलम यह है कि पंजाब में कोरोना वायरस के पीड़ित मरीज़ों की संख्या 41 हज़ार से पार हो चुकी है। पंजाब में अब तक सामने आए आंकड़ों के मुताबिक अमृतसर में 3263 लुधियाना 8689, जालंधर 5454, मोहाली में 2701, पटियाला में 4901, होशियारपुर में 1049, तरनारन 670, पठानकोट में 912, मानसा में 393, कपूरथला 880, फरीदकोट 826, संगरूर में 1917, नवांशहर में 600, रूपनगर 670, फ़िरोज़पुर में 1565, बठिंडा 1703, गुरदासपुर 1380, फतेहगढ़ साहिब में 890, बरनाला 877, फाजिल्का 681।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मच्छरों से मुकाबला

यह सही है कि लोहा ही लोहे को काटता है और अमेरिका में अगर एक योजना सफल रही, तो मच्छर ही मच्छर को खत्म करेंगे। फ्लोरिडा के की-हेवन इलाके में साल 2020 से इस योजना को शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। एक निजी कंपनी विशेष प्रकार के जेनेटिकली मॉडिफायड अर्थात जैविक या आनुवंशिक रूप से संवर्द्धित मच्छर तैयार करेगी और ये मच्छर एक विशेष प्रजाति के खतरनाक मच्छरों को निशाना बनाएंगे। इसकी चर्चा तो काफी पहले से चल रही थी, लेकिन अब स्थानीय अधिकारियों ने इसे मंजूरी दे दी है। हमारे संसार में एडीज एजिप्टी नाम की एक मच्छर प्रजाति रहती है, जो मानव आबादी पर कहर ढाती रहती है। एडीज एजिप्टी प्रजाति के मच्छर डेंगू, जीका, चिकनगुनिया और येलो फीवर जैसी घातक बीमारियों के वाहक होते हैं। यदि प्रयोगशाला में मानव संवर्द्धित मच्छर अपने दुश्मन एडीज एजिप्टी को खत्म कर सके, तो यह एक बड़ी सफलता होगी। अमेरिका के फ्लोरिडा, टैक्सास इत्यादि प्रांतों में डेंगू का बड़ा प्रकोप रहा है। पिछले साल जनवरी से अक्तूबर के बीच अमेरिका में 27 लाख लोग डेंगू की चपेट में आए थे और 1,200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। दुनिया की बात करें, तो पिछले दो दशक में डेंगू मरीजों की संख्या में आठ गुना वृद्धि हुई है। अकेले 2019 में दुनिया में 42 लाख से अधिक लोग डेंगू पीड़ित हुए थे। कमोबेश यही स्थिति चिकनगुनिया और येलो फीवर की भी है। अमेरिका में ऐसे प्रकोप का बढ़ना जहां चिंता की बात है, वहीं 75 करोड़ संवर्द्धित मच्छर छोड़कर खतरनाक मच्छरों का अंत खोजने की कोशिश किसी खुशखबरी से कम नहीं है। फ्लोरिडा में आजमाया जा रहा यह पायलट प्रोजेक्ट अगर सफल रहा, तो इससे पूरी दुनिया फायदे में रहेगी। यदि यह प्रयोग कारगर रहा, तो ओएक्स 5034 नामक इन संवर्द्धित मच्छरों को कीटनाशक के विकल्प के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस पहल को अमेरिकी पर्यावरण संरक्षण एजेंसी से भी हरी झंडी मिल गई है। लेकिन इससे जुड़े अनेक सवाल हैं, जो खुद अमेरिका में पूछे जा रहे हैं। क्या इन संवर्द्धित मच्छरों को पूरी तरह से परख लिया गया है? क्या ये मच्छर काटने का अपना प्राकृतिक स्वभाव छोड़ चुके हैं? क्या ये मच्छर इंसानों को नहीं काटेंगे? इंसानों को काटेंगे, तो फिर उन पर क्या असर होगा? कोई नई बीमारी तो नहीं फैलने लगेगी? जिस कंपनी को यह प्रयोग करने दिया जाएगा, वह कंपनी भी अपने मच्छरों की कारगरता को परखेगी। यह भी संभव है कि बड़े क्षेत्र में यह प्रयोग उतना उत्पादक सिद्ध न हो, लेकिन वैज्ञानिक तजुर्बा तो होगा। हम उन मच्छरों को काबू करने की दिशा में बढ़ेंगे, जो पूरी दुनिया में अपनी संख्या बढ़ाकर अनेक प्रकार की बीमारियों के वाहक बन रहे हैं। हालांकि, पर्यावरण प्रेमी इसे प्रकृति से एक खिलवाड़ मान रहे हैं। किसी बीमारी की दवा या बचाव में नाकामी का अर्थ यह नहीं कि हम तरह-तरह के कीट-पतंगों के साथ प्रयोग करने लगें। अगर कई लोग इसे बीमारी से लड़ने का सही तरीका नहीं मान रहे, तो चकित होने की कोई बात नहीं। इससे उन वैज्ञानिकों को ऊर्जा मिलनी चाहिए, जो इस प्रयोग को मानवीय रूप में सफल बनाने में जुटे हैं। कोई भी ऐसा प्रयोग, जो इंसानों के हित में हो, साथ ही, प्रकृति को न्यूनतम नुकसान और अधिकतम फायदा पहुंचाता हो, उससे हमें उम्मीद रखनी चाहिए।

आज के ट्वीट

खराब

चुनाव हारो तो "EVM" खराब।
केस हारो तो 'जज' खराब।
डिबेट हारो तो 'एंकर' खराब।
मुद्दों पर हारो तो 'सोशल मीडिया' खराब...

-अर्णव गोस्वामी

युवाओं को अवसाद से उबारें सरकारें

क्षमा शर्मा

विश्व श्रम संगठन का हाल ही में एक सर्वे आया है। इसमें 112 देशों के बारह हजार युवाओं को शामिल किया गया। इनकी उम्र अठारह वर्ष से उनतीस वर्ष तक थी। ये युवा शिक्षित भी थे और इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले भी। इस सर्वेक्षण का विषय था—युवा और कोविड-19, नौकरियों, शिक्षा, अधिकार और मानसिक स्थिति पर प्रभाव। इन युवाओं में लगभग एक-तिहाई इस बात से परेशान थे कि आने वाले दिनों में उनका भविष्य और करिअर कैसा होगा। जिस तरह से दुनियाभर में आर्थिक गतिविधियां मंद पड़ी हैं, बड़ी संख्या में नौकरियां जा रही हैं, इस कारण वे अपने भविष्य को लेकर बहुत चिंतित और अनिश्चितता से भरे दिखे। सर्वे का कहना था कि अगर सरकारों ने युवाओं की इस अनिश्चितता को जल्दी ही दूर नहीं किया तो युवाओं की ये हालत सभी के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह भी है कि इन कारणों से बड़ी संख्या में युवा अवसाद के शिकार हो रहे हैं। बताया गया कि दो में से एक युवा अवसाद का शिकार हो रहा है। यानी कि युवाओं की कुल आबादी का पचास प्रतिशत अवसाद से जूझ रहा है। यह आबादी बहुत बड़ी है। इनमें से सत्रह प्रतिशत बेहद गम्भीर संकट में हैं। वे सीखने और रोजगार में पड़े व्यवधान से बेहद परेशान हैं। जिनके ये काम रुक गए हैं, उन्हें अवसाद और गहरी चिंता के कारण तरह-तरह की परेशानियों के बहुत खतरे हैं। उनका इस तरह की परेशानियों में चले जाने का खतरा उनसे दोगुना है, जिनकी शिक्षा कोरोना के कारण बाधित नहीं हुई या जिनके रोजगार खत्म नहीं हुए हैं क्योंकि शिक्षा, रोजगार मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी हैं। पता चला कि हर छह में से एक युवा की नौकरी इस दौर में चली गई है। जिन क्षेत्रों में इस महामारी के कारण रोजगार पर सबसे अधिक प्रभाव पड़ा है, वे हैं— सेवा और क्रय-विक्रय के तमाम क्षेत्र। तिहत्तर प्रतिशत जो युवा पढ़ रहे थे, उनमें से बहुत से साथ में नौकरी भी कर रहे थे। वे ऑनलाइन शिक्षा से ठीक से तालमेल नहीं बिठा पा रहे हैं। गरीब देश में ऐसे छात्रों का प्रतिशत ज्यादा है, जहां ऑनलाइन शिक्षा की ठीक से पहुंच नहीं है। जहां डिजिटल सुविधाएं अभी नहीं पहुंची हैं। इसीलिए बहुत से युवा ठीक से पढ़ भी नहीं पा रहे हैं। कुल 51 प्रतिशत मानते हैं कि इस महामारी के कारण उनकी शिक्षा पूरी करने में देरी होगी। नौ प्रतिशत को लगता था कि हो सकता है कि उनकी शिक्षा अधूरी ही रह जाए या वे असफल हो जाएं। पांच में से दो युवाओं ने कहा कि इस दौर में उनकी आय भी घट गई है। यह प्रभाव भी गरीब देशों में अधिक देखा गया। यह भी देखा गया कि इस दौर में अपनी तमाम परेशानियों के बावजूद, लगभग 25 प्रतिशत युवाओं ने किसी न किसी सामाजिक और सेवा के काम में भाग लिया। जरूरतमंदों की मदद की। इसके लिए इनकी तारीफ की जानी चाहिए। आईएलओ ने अपने निष्कर्ष में कहा कि जरूरी है कि कोरोना महामारी से निपटने और खत्म करने के प्रयास सरकारों को युद्धस्तर पर करने होंगे। युवाओं की आवाज को सरकारें सुनें और उनकी मदद करें। हमने देखा भी है कि हर देश की ताकत उसके युवा ही होते हैं। वे ही किसी देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में सहायक भी होते हैं। उन्हीं की श्रम शक्ति की बदौलत देश चलता है। तभी सरकारें इन दिनों युवा केंद्रित योजनाएं अधिक से अधिक बनाती हैं। भारत में भी युवाओं की संख्या पैंसठ प्रतिशत है। सभी राजनीतिक दल इन युवाओं को लुभाने की तरह-तरह की कोशिशों में लगे रहते हैं। उन्हें ही देश की असली शक्ति बताया जाता रहा है। अब उनमें से बहुत से अवसाद का शिकार हो रहे हैं। कई स्थानों से रोजगार न होने या रोजगार चले जाने के कारण युवाओं द्वारा आत्महत्या की खबरें भी आ रही हैं। विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि युवा ठीक से खाएं और भरपूर नींद लें तो अवसाद से दूर रह सकते हैं। मगर सवाल तो यही है कि अगर रोजगार चले गए हैं, शिक्षा पूरी नहीं हो पा रही तो इन्हें नींद ठीक से आएगी भी कैसे। भूख-प्यास, नींद, आराम, यहां तक कि खुशी भी तो हमारी शिक्षा और उससे मिलने वाले रोजगार से जुड़ी होती है। हाल ही में भारत के बारे में भी जीओक्यूआईआई ने भी एक अध्ययन किया था। उसमें जो आंकड़े आए, वे बेहद चौंकाने वाले थे। इसमें बताया गया था कि लॉकडाउन के दौरान भारत के 43 प्रतिशत लोग अवसाद के शिकार हुए हैं। उनकी जीवनशैली बिगड़ रही है। ये संख्या बेहद चिंतित करने वाली है। जिन दस हजार लोगों ने इस अध्ययन में भाग लिया था, उनमें से 57 प्रतिशत ने बताया कि वे हमेशा थकान महसूस करते हैं। अध्ययन में यह भी पाया गया कि युवक कम व्यायाम कर रहे हैं। आखिर करेंगे भी कैसे जब वे हमेशा थकान महसूस करते हैं। अवसाद का हमारे स्वास्थ्य पर खराब असर पड़ता है। इसके अलावा उनका रुझान बाहर के खाने की तरफ भी अधिक था। अवसाद के शिकार लोगों को सलाह दी जा रही है कि अगर वे दुखी हैं, अकेलापन महसूस कर रहे हैं तो वे अपने दोस्तों से बातें करें। परिवार के सदस्यों के साथ मिलजुलकर रहें। अवसाद और चिंताओं को व्यायाम और प्राणायाम से दूर करें। अपनी शक्ति को पहचानना भी जरूरी है। कौन से ऐसे कारण हैं जो आपको अवसाद और चिंता की ओर ले जाते हैं, उनकी पहचान करें। उनसे निकलने का प्रयास करें। अगर इन बातों से नहीं लड़ पा रहे हैं, तो डाक्टर की मदद जरूर लें। डाक्टर जो दवाएं दें, उन्हें बताए अनुसार समय पर लें। यदि दवाओं का ठीक असर न हो रहा हो, तो डाक्टर को बताएं, जिससे कि वे दवाएं बदल सकें। जिन माताओं ने हाल ही में शिशुओं को जन्म दिया है, उन्हें अवसाद से बचाना बेहद जरूरी है क्योंकि इसका असर न केवल उन पर बल्कि उनके नवजात शिशुओं पर भी पड़ सकता है।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

अहंकार

श्रीराम शर्मा आचार्य

साधन सम्पन्न का पतन होते ही समाज में उसकी असहनीय अप्रतिष्ठा होने लगती है। लोग पहले जितना उसका मान सम्मान और आदर सत्कार किया करते थे, उसी अनुपात से अवमानना करने लगते हैं। आदर पाकर अपमान मिलने पर कितनी पीड़ा कितना दुख और कितना आत्म संताप मिलता होगा, इसको तो कोई भुक्तभोगी ही जान सकता है। अहंकार भयानक शत्रु के समान होता है। इससे क्या रिक्त और क्या सम्पन्न सभी व्यक्तियों को सावधान रहना चाहिए। यह जिसको अपने वश में कर लेता है, उसे सदा के लिए नष्ट कर डालता है। प्रकट अहंकार की हानियां तो प्रकट ही है। गुप्त अहंकार भी कम भयानक नहीं होता। बहुत लोग चतुरता के बली पर समाज में अपने अहंकार को छिपाये रहते हैं। ऊपर से बड़े विनम्र और उदार बने रहते हैं, किन्तु अन्दर ही अन्दर उससे पीड़ित रहा करते हैं। ऐसे मिथ्या लोग उदारता दिखलाने के लिए कभी-कभी परोपकार और परमार्थ भी किया करते हैं। दान देते समय अथवा किसी की सहायता करते समय बड़ी निस्पृहता प्रदर्शित करते हैं, किन्तु अन्दर ही अन्दर लोकप्रियता, प्रशंसा और प्रकाशन के लिए लाभान्वित बने रहते हैं। कई बार तो जब उनकी यह कामना, आकांक्षा अपूर्ण रह जाती है, उतनी लोकप्रियता अथवा प्रशंसा नहीं पाते, जितनी कि वे चाहते हैं, तो वे अपने परोपकार परमार्थ अथवा दानपुण्य पर पश्चाताप भी करने लगते हैं और बहुधा आगे के लिए अपनी उदारता का द्वार ही बन्द कर देते हैं। ऐसे मानसिक चोर अहंकारियों को अपने परमार्थ का भी कोई फल नहीं मिलता। परमार्थ कार्यों में अहंकार का समावेश अमृत में विष और पुण्य में पाप का समावेश करने के समान होता है। वैसे तो अहंकारी कदाचित ही उदार अथवा पुण्य परमार्थी हुआ करते हैं। पाप का गट्ठर सिर पर रखे कोई पुण्य में प्रवृत्त हो सकेगा-यह सन्देहजनक है। स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए रोगी को पहले रोग से मुक्त होना होगा। रोग से छूटने से पहले ही यदि वह स्वास्थ्यवर्धक व्यायाम में प्रवृत्त हो जाता है तो उसका मन्तव्य पूरा न होगा। लोक-परलोक का कोई भी श्रेय प्राप्त करने में अहंकार मनुष्य का सबसे विरोधी तत्व है। लौकिक उन्नति अथवा आत्मिक प्रगति पाने के लिए किए जाने वाले प्रयत्नों में अहंकार का त्याग सबसे प्रमुख प्रयत्न है।

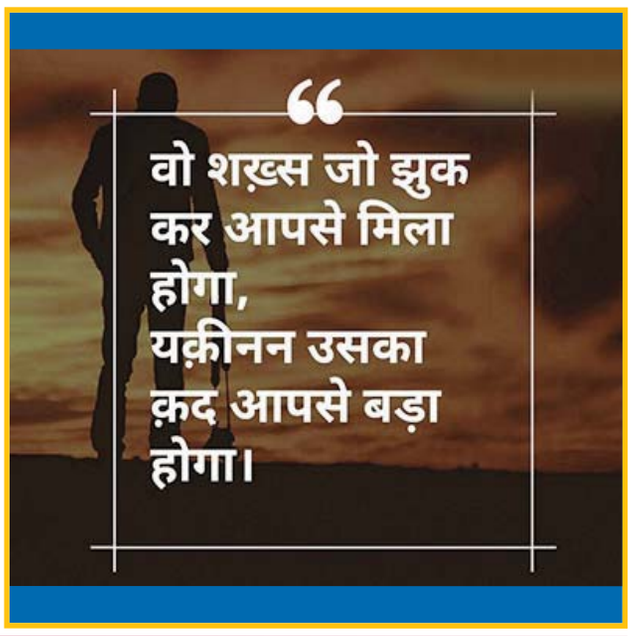

सज्जनों का सम्मान करें

- डॉ. दीपक आचार्य

जमाना अब बदल चुका है। सभी लोगों को खुश नहीं रखा जा सकता। किसी के लिए चाहे कुछ भी कर लो, कितना ही त्याग कर लो, मर मिटने को तैयार हो जाओ, लेकिन वह हमेशा हमसे खुश रहेगा ही इसकी कहीं कोई गारंटी नहीं। इसका मूल कारण यह है कि अब इंसान उतना असली नहीं रहा, जितना पहले हुआ करता था। आज का इंसान मिलावटी हो गया है और इस कारण से उसका आचार-विचार, व्यवहार सब कुछ इतना अधिक प्रदूषित हो चला है कि उसमें इंसान के गुणधर्म अब दिखते नहीं। जिस इंसान का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य औरों के खान-पान, विचारों और व्यवहारों से नियंत्रित होता है उसका अधिकांश हिस्सा विजातीय हो जाता है और यही कारण है कि वह इंसानियत से दूर होता चला जाता है। फिर उसमें मानवीय मूल्य, आदर्शों और संस्कारों की कल्पना करना व्यर्थ है। पहले इंसान दूसरे की सद्भावना, सहकार और उपकार के प्रति कृतज्ञ हुआ करता था। इस उपकार के प्रति आभार जताने के साथ ही यह भावना भी गहरे तक जमी हुई थी कि जिस किसी ने कुछ किया हो उसका अहसान जिन्दगी भर भूले नहीं और जब कभी कोई मौका मिले, हम अपनी ओर से सहयोग करें। उस जमाने में अपने प्रति की गई सेवा या उपकार बहुत बड़ा ऋण माना जाता था जिसके प्रति इंसान अपने को ऋणी महसूस करता था और ऋण चुकाने के लिए उद्यत रहता था। उसका कारण यह था कि उन लोगों में अपनी संस्कृति, वंश परंपरा और इतिहास का ज्ञान था जिससे प्रेरणा पाकर वे आगे बढ़ने और मानवीय मूल्यों की रक्षा में हमेशा आगे ही आगे रहा करते थे। अच्छे लोगों का प्रतिशत ज्यादा था इसलिए बुरे और नालायक लोग हाशिये पर हुआ करते थे। थोड़े-बहुत नुगरे हर कहीं हुआ करते थे लेकिन उन्हें समाज की ओर से न प्रश्रय मिलता था, न किसी प्रकार का कोई प्रोत्साहन या मदद। बल्कि ऐसे लोगों को जहाँ मौका मिलता था वहाँ सार्वजनिक तौर पर हतोत्साहित और प्रताड़ित किया जाता था। बुरे लोगों और बुरे कर्मों को हमेशा हेय दृष्टि से देखा जाता था। यह वह समय था जब सज्जनों को समाज का संरक्षण था और हर तरह से प्रोत्साहन, संबल और सहयोग भी प्राप्त होता रहता था। और वह भी पूरी उदारता के साथ। समाज को यह अच्छी तरह पता होता था कि कौन इंसान समाज और देश के लिए उपयोगी है और कौन घातक। इस सुस्पष्ट पहचान के साथ ही सभी सामाजिकों में यह साहस था कि वे अच्छे लोगों को सहयोग करने में कभी पीछे नहीं रहते। सज्जनों और उपयोगी लोगों के संरक्षण में पूरा समाज जुट जाया करता था। आज स्थितियां बिल्कुल उलट गई हैं। अब सज्जनों और अच्छे लोगों के लिए न कोई बोलने वाला है, न सुनने या संरक्षण देने वाला। अच्छे लोग अब हाशिये पर हैं और दुर्जनों का बोलबाला हो रहा है। हालात सब तरफ विपरीत, आत्मघाती, समाजघाती, राष्ट्रभक्षी और भयावह हैं। ईमानदार और सज्जन लोग अपने-अपने रास्ते अकेले चल रहे हैं और बुरे लोग ताकतवर संगठन के रूप में छापामार प्रणाली के साथ जी रहे हैं। किसी सज्जन या अच्छाई के पक्ष में कोई नहीं आता जबकि दुर्जनों के लिए इतने सारे लोग जुट जाते हैं कि सभी को आश्चर्य होता है। एक ईमानदार और नेक इंसान दूसरे ईमानदार के काम नहीं आ सकता लेकिन एक बुरा आदमी दूसरे सैकड़ों-हजारों बुरे लोगों के लिए काम आता है और इसके लिए गर्व भी महसूस करता है। इन तमाम स्थितियों के बीच सामाजिक दुरावस्था का दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि कोई खुश नहीं है किसी से। लोग किश्तों-किश्तों में खुश होते हैं और फिर जैसे थे वैसे ही। कोई काम सध जाता है तो आदमी खुश हो जाता है, न सध पाए तो अधमरा पड़ा रहेगा या कि किसी शराबी की तरह यहाँ-वहाँ भटकता रहकर चिल्पों मचाएगा, बकवास करता फिरेगा, औरों को गालियाँ बकता रहेगा और अपनी आवारगी से धमाल मचाता रहेगा। हर तरफ अच्छों और बुरों की भरमार है। हालांकि सज्जनों का प्रतिशत अब काफी कम रह गया है। अच्छे और संस्कारित लोगों की पूरी की पूरी नस्ल धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है, बावजूद इसके कहीं न कहीं नैष्ठिक और समर्पित कर्मयोगियों, संस्कारवान लोगों की मौजूदगी अभी न्यून संख्या में बरकरार जरूर है और सच कहा जाए तो इन्हीं चंद लोगों की वजह से काम-काज का प्रवाह बना हुआ है अन्यथा पूरा का पूरा कबाड़ा ही हो जाए। सब तरह के लोग अपने यहाँ हैं। कई सारे ऐसे बुरे और मनहूस लोग भी हैं जिनकी मौजूदगी ही किसी भी परिसर में नकारात्मकता का माहौल पैदा कर दिए जाने के लिए काफी है। फिर सवेरे-सवेरे इन लोगों के अनचाहे दर्शन हो जाएं तो उस दिन का भगवान ही मालिक होता है। जब ऐसे लोग परिसरों में नहीं होते हैं तब इस बात को पूरी शिद्दत के साथ महसूस किया जाता है कि सब कुछ सामान्य और सुकूनदायी ढंग से चलता रहता है, सारे लोग अपने-अपने कामों में लगे रहते हैं और वह भी पूरी प्रसन्नता के साथ। हालांकि सज्जनों की संख्या कम जरूर है लेकिन उनके आभामण्डल और विलक्षण गंध का प्रसार दूर-दूर तक बना रहता है। समाज में रहते हुए हम सभी लोग अपने-अपने फर्ज को अच्छी तरह पूरा करने के प्रयास करते हैं और यह भावना रखते हैं कि सभी लोग हमारे व्यवहार और कार्यों से खुश रहें और किसी को अपने कारण दुःख न पहुँचे। इसके बावजूद सभी लोगों को खुश नहीं रखा जा सकता। कम पढ़े-लिखे, व्यभिचारी, दुर्व्यसनी, औरों के टुकड़ों पर पलने और हर क्षण समर्पित रहने वाले, अज्ञानी, आधे और पूरे पागलों, वाचालों, छिद्रान्वेषियों, नकारात्मक सूंघने वालों और जिन्दगी भर बुरे कर्मों और बुरे लोगों का साथ देने और इनके साथ रहने वाले लोगों को कोई खुश नहीं रख सकता। ये सिर्फ अपने स्वार्थ पूरे होने से ही खुश होते हैं और स्वार्थ निकल जाने के बाद भूल जाते हैं। ऐसे लोगों को भगवान भी खुश नहीं रख सकता, हमारी तो औकात ही क्या है। इन लोगों को खुश करना अपने समय को बर्बाद करना और बार-बार पछताना ही है और ऐसा करने वाले जीवन के अंत तक भी इसी निष्कर्ष पर रहा करते हैं कि ये लोग सौ जन्मों में भी खुश नहीं हो सकते। फिर क्यों न हम अच्छे और श्रेष्ठ लोगों, सज्जनों को ही प्रसन्न रखने के प्रयत्न करें। ये लोग दिली भावनाओं से ही प्रसन्न होते हैं, पढ़े-लिखे और समझदार होने से अच्छे-बुरे कर्म और आदमियों को पहचानने की इन्हें पकड़ होती है तथा ज्ञान और विवेक का इस्तेमाल करते हुए निर्णय लेते हैं। ये सज्जन और शालीन लोग औरों की तरह कान के कच्चे भी नहीं होते और दूसरों के इशारों पर नाचने से भी दूर रहते हैं। सज्जनों की सेवा-सुश्रुषा, आदर-सम्मान और पूछ का फायदा हमें अनुभवों और आशीर्वाद दोनों के रूप में प्राप्त होता है और वस्तुतः हमारे समूचे जीवन निर्माण के लिए यही ठोस कारक होते हैं। इसे देखते हुए जीवन भर के लिए यह संकल्प लेना चाहिए कि बुरे कर्मों और दुष्ट लोगों की संगति, सामीप्य आदि से यथासंभव बचा जाए और सज्जनों का सान्निध्य पाने का सायास प्रयास किया जाए ताकि हमारा जीवन सकारात्मक ऊर्जाओं और उन्नतिकारी आभामण्डल से निरन्तर विकसित होता रहे। हमेशा ध्यान रखें कि बुरे लोग हमारी क्रूर निगाह से बचने न पाएं और अच्छे लोग हमसे दुःखी न होने पाएं। यही आज की सबसे बड़ी समाजसेवा और अनुकरणीय युग धर्म है जिसे अपना कर समाज में श्रेष्ठ मानदण्डों की रक्षा की जा सकती है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

धनु राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

मकर व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

कुम्भ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

मीन आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टोल संग्रह कोविड-19 के पूर्वस्तर के 85प्रतिशत तक पहुंचा, स्थिति में सुधार के संकेतः इक्रा

नई दिल्ली। राजमार्गों पर टोल संग्रह में जुलाई माह के दौरान काफी सुधार देखा गया। इस महीने में टोल संग्रह कोविड-19 से पहले की स्थिति के 85 प्रतिशत तक पहुंच गया। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि यह स्थिति यदि जारी रहती है तो 2020- 21 में टोल संग्रह में कमी 10 प्रतिशत से भी कम रह सकती है। इक्रा ने जारी एक वक्तव्य में कहा है, ''चालू वित्त वर्ष के शुरुआती चार माह के दौरान कुल मिलाकर यातायात की स्थिति में अच्छा सुधार देखा गया है, यह उत्साहवर्धक है। इस दौरान सृजित किए गए ई-वे बिलों से भी यह स्थिति देखी जा सकती है। यह रुझान यदि आगे भी जारी रहता है तो वित्त वर्ष 2020- 21 के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए टोल संग्रह राशि 10 प्रतिशत से भी कम रह सकती है। वक्तव्य में कहा गया है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर 20 अप्रैल से टोल वसूली शुरू होने के बाद से वाणिज्यिक वाहनों की आवाजाही तेजी से सुधार आया है। पिछले तीन माह के दौरान यह आवाजाही कोविड-19 से पहले की स्थिति के 90 प्रतिशत के करीब पहुंच गई है। हालांकि, यात्री वाहनों की यदि बात की जाए तो इसमें अभी पूरी तरह सुधार आना बाकी है। इसमें कहा गया है कि आनलॉक के चरण में कोरोना वायरस संक्रमण में लगातार वृद्धि जारी रहने, कई राज्यों में हिस्सों में लॉकडाउन को फिर से लगाए जाने और देश के कई हिस्सों में मानसून की भारी वर्षा से जुलाई के पहले पखवाड़े में सुधार की गति बाधित रही लेकिन इसके बाद माह के दूसरे पखवाड़े में टोल वसूली कोविड-19 से पहले के स्तर के 87 प्रतिशत तक पहुंच गई। इक्रा के कार्पोरेट रेटिंग उपाध्यक्ष, राजेश्वर बुरला ने कहा, ''प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों पर जो मुख्य मार्ग हैं उनमें वाणिज्यिक वाहनों से 70 से 75 प्रतिशत टोल संग्रह हो रहा है। यात्री वाहनों का हिस्सा टोल संग्रह में एक चौथाई से कम है। वाणिज्यिक वाहनों में जहां 90 प्रतिशत वाहन सड़कों पर आ चुके हैं वहीं यात्री कारों में कोविड-19 से पहले के स्तर के मुकाबले 60 प्रतिशत वाहन ही सड़कों पर आए है।

मोटर इंश्योरेंस रिन्यू करवाने के लिए जरूर है यह डॉक्यूमेंट, IRDAI ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली। अगर आप मोटर इंश्योरेंस रिन्यू करवाने जा रहे हैं तो पहले इस खबर को जरूर पढ़ लें। इंश्योरेंस रेग्युलेटर IRDAI की तरफ से हाल ही में एक निर्देश जारी किया गया है। इसके निर्देश को समझे बगैर इंश्योरेंस रिन्यू करवाने पर संभव है आपको परेशानियों का सामना करना पड़े। इंश्योरेंस कंपनियों से साफ-साफ कहा है कि वे मोटर इंश्योरेंस को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का सख्ती से पालन करें। इसके मुताबिक, दिल्ली-इ्ष्टक्र में अगर किसी वाहन मालिक के पास पलूशन सर्टिफिकेट नहीं है तो उसका इंश्योरेंस रिन्यू नहीं किया जाए। सेंट्रल पलूशन कंट्रोल बोर्ड ने पलूशन को लेकर चिंता जाहिर करते हुए सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन को पालन करने हेतु मामला उठाया था। जैसा कि हम सब जानते हैं दिल्ली में पलूशन का स्तर काफी बढ़ा हुआ है। कोरोना के कारण पिछले कई महीनों से औद्योगिक गतिविधियां बंद हैं। नहीं तो दिल्ली की हवा काफी जहरीली हो गई है। जुलाई 2018 में वाहनों से होनेवाले पलूशन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने इंश्योरेंस कंपनियों को निर्देश जारी किया था। कोर्ट ने बीमा कंपनियों को कहा था कि वे वाहन का बीमा तब तक न करें जब उसे मान्य पलूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट न मिला हो। प्रत्येक वाहन मालिक के लिए जरूरी है कि उसके पास मान्य पीयूसी सर्टिफिकेट हो। तभी वह निर्धारित उत्सर्जन मानकों को पूरा कर पाएगा। इस तरह के सर्टिफिकेट के बगैर वाहन पर मोटर वीइकल एक्ट के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

निकट भविष्य में भारत की सड़कों पर 'आम' हो जाएंगी कनेक्टेड कारें : रिपोर्ट

नयी दिल्ली। देश में निकट भविष्य में कनेक्टेड कारें (इंटरनेट से जुड़ी) काफी तेजी से बढ़ेंगी। परामर्शक कंपनी ईवाई की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहन कानूनों में सुधार और उद्योग का अनुपालन बढ़ने से देश में कनेक्टेड फीचर वाले वाहन 'आम' हो जाएंगे। ईवाई इंडिया की रिपोर्ट 'द कार इज कनेक्टेड नॉउ, बट आर वी सेफ? में कहा गया है कि जीपीएस ट्रैकिंग, डैश कैमरा, टेलीमैटिक्स-आधारित बीमा और एसओएस सेवाओं की वजह से कनेक्टेड कार समाधानों की मांग बढ़ेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कनेक्टेड कार उद्योग को साइबर सुरक्षा के लिए एक रूपरेखा बनानी होगी। उद्योग को अवधारणा से लेकर उत्पादन और परिचालन तक के लिए एक उचित प्रक्रिया विकसित करनी होगी। रिपोर्ट में कहा गया है, ''निकट भविष्य में भारत में कनेक्टेड कारें आम बात होंगी। अगले कुछ साल के दौरान व्यापक स्तर पर इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की वजह से ऐसी कारों की जरूरत बढ़ेगी। कनेक्टिविटी फीचर्स से वाहन मालिक निकट के और उनकी टेलीमैटिक्स डेटा तक पहुंच सुनिश्चित होगी।' चार्जिंग स्टेशनों की जानकारी पा सकेंगे और उनकी टेलीमैटिक्स डेटा तक पहुंच सुनिश्चित होगी।' चार्जिंग स्टेशनों की जानकारी पा सकेंगे और उनकी टेलीमैटिक्स डेटा तक पहुंच सुनिश्चित होगी।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि वाहना कानूनों में बढ़ोतरी और नेविगेशन, रीमोट डायग्नॉस्टिक्स जैसे सुविधाजनक फीचर्स को लेकर उद्योग के अनुपालन से कनेक्टेड कार बाजार आगे बढ़ेगा। ईवाई इंडिया के भागीदार और वाहन क्षेत्र के लीडर विनय रघुनाथ ने कहा कि अगले दौर की अत्याधुनिक कनेक्टेड प्रौद्योगिकी में निवेश के जरिये मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के पास ग्राहकों की बदलती पसंद को पूरा करने का अवसर होगा।

एमजी मोटर इंडिया सैकेंड हैंड कारों के बाजार में उतरी

नई दिल्ली। एमजी मोटर इंडिया पुरानी या सैकेंड हैंड कारों के बाजार में उतर गई है। एमजी मोटर इंडिया ने सोमवार को बयान में यह जानकारी दी। कंपनी ने प्रमाणीकृत पुरानी कारों का कारोबार 'एमजी रीएश्योर% के नाम से शुरू किया है। कंपनी ने कहा है कि उसकी डीलरशिप पर ग्राहकों को एमजी कारों के लिए सर्वश्रेष्ठ मूल्य मिलेगा। कंपनी ने कहा है कि सैकेंड हैंड कारों का आकलन 160 गुणवत्ता जांच के आधार पर किया जाएगा। इन कारों की पुनः बिक्री से पहले कंपनी उनमें सभी आवश्यक सुधार और मरम्मत करेगी। बयान में कहा गया है कि एमजी कारों के मालिक अपनी कारों को आसानी से बेच सकेंगे। उनके लिए पुरानी कार के बदले में नया कंपनी मॉडल लेने की बाध्यता नहीं होगी। एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) गौरव गुप्ता ने कहा, ''एमजी रीएश्योर कार्यक्रम के जरिए हम एमजी कारों के ग्राहकों को उनके वाहन की बिक्री पर सर्वश्रेष्ठ कीमत उपलब्ध कराएंगे। हम ऐसा मंच बनाना चाहते हैं जो पारदर्शी हो तथा ग्राहकों को उनके पुराने वाहन के लिए उचित दाम सुनिश्चित करता हो। कंपनी फिलहाल भारतीय बाजार में हेक्टर, हेक्टर प्लस और जेडएस इलेक्ट्रिक वाहन बेचती है।

सऊदी अरामको ने चीन के साथ खत्म की 75000 करोड़ की डील

नई दिल्ली। सऊदी अरब की सरकारी तेल कम्पनी सऊदी अरामको ने चीन के साथ 10 अरब डॉलर (करीब 75,000 करोड़) की एक डील खत्म करने का फैसला किया है। इस डील के तहत अरामको चीन के साथ मिलकर एक रिफाइनिंग और पैट्रोकैमिकल्स कॉम्प्लैक्स बनाने वाली थी। चीन के लिए यह बहुत बड़ा झटका माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक कोरोना काल में तेल काफी सस्ता हो गया है। तेल कम्पनियों को भारी नुक्सान हो रहा है। ऐसे में वर्तमान हालात को ध्यान में रखते हुए अरामको ने इस डील को खत्म करने का फैसला किया है। कोरोना के मामले जिस रफ्तार से बढ़ रहे हैं, उस रफ्तार पर वैक्सीन के बिना लगाम संभव नहीं है और वैक्सीन को लेकर अभी दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं दिख रही है। ऐसे में बाजार और औद्योगिक गतिविधि कब तक प्रभावित रहेगी इसका अनुमान लगाना कठिन है। अरामको के इस फैसले के बाद अब सरकार की नजर 44 अरब डॉलर की भारत के साथ डील पर है। अरामको ने महाराष्ट्र के रत्नागिरी मैगा रिफाइनरी प्रॉजैक्ट में 44 अरब डॉलर निवेश की घोषणा की थी। तेल की लगातार घट रही कीमत और डिमांड के बीच इस बात की संभावना दिखाई दे रही है कि अरामको भारत के साथ इस डील पर भी पीछे न हट जाए।

पूंजी के लिए सरकार के पास जाने की जरूरत नहीं, बाजार से धन जुटाएंगे: पीएनबी अधिकारी

नयी दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने सोमवार को कहा कि उसका पूंजी के लिए सरकार के पास जाने का विचार नहीं है और उसका इरादा बाजार से धन जुटाने का है। पीएनबी के प्रबंध निदेशक एस एस मल्लिकार्जुन राव ने वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बैंक के शेयरधारकों ने कोविड-19 के प्रभाव को कम करने और वृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए बाजार से 14,000 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दी है। इसमें 7,000 करोड़ रुपये इक्विटी के रूप में जुटाए जाएंगे। उन्होंने कहा, ''आज की तारीख में हमारा पूंजी के लिए सरकार के पास जाने का इरादा नहीं है। यदि आप बाजार के रुख का देखें, तो उसमें सार्वजनिक क्षेत्र को योगदान देने की इच्छा दिखती है।'' उन्होंने कहा कि इसका पता हाल में जारी बैंक ऑफ बड़ौदा और पीएनबी के टियर-2 बांड से चलता है। इसके लिए कूपन दर काफी उचित रखी गई थी। राव ने कहा, ''बाजार में इसको लेकर इच्छा दिखती है। ऐसे में जब तक हम बाजार को आजमा नहीं लेते, सरकार के पास जाना उचित नहीं होगा। हमें टियर दो और टियर एक बांड के लिए दूसरी और तीसरी तिमाही में बाजार में जाने को लेकर भरोसा है। तीसरी तिमाही में बाजार में जाने को लेकर भरोसा है। तीसरी तिमाही के अंत या चौथी तिमाही के दौरान हम पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) पर विचार कर रहे हैं।'' बैंक के शेयर के कम दाम के बारे में पूछे जाने पर राव ने कहा कि सरकार के पास पीएनबी के 85.5 प्रतिशत शेयर हैं। बाजार में सिर्फ 15 प्रतिशत शेयरों का कारोबार होता है। सोमवार को बीएसई में बैंक का शेयर 35.30 रुपये पर था। वहीं अगस्त, 2019 के अंतिम सप्ताह में बैंक का शेयर 65 रुपये पर था। राव ने कहा कि बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 85.5 प्रतिशत है। वहीं अगस्त, 2019 के अंतिम सप्ताह में बैंक का शेयर 65 रुपये पर था। राव ने कहा कि बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 85.5 प्रतिशत है। बेहतर प्रदर्शन के बावजूद बाजार में बैंक के काफी कम शेयर हैं। ऐसे में शेयर कीमतों में अक्रामक तरीके से तेजी की संभावना नहीं बनती है।

धन जुटाने के और तरीकों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि बैंक चालू वित्त वर्ष में रीयल एस्टेट की बिक्री से 500 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद कर रहा है। राव ने बताया कि बैंक को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में लंबित मामलों के समाधान से 6,000 से 8,000 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। राव ने कहा कि बैंक ने अपनी आवास ऋण इकाई पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस में तरजीही निर्गम या राइट्स इश्यू के जरिये 600 करोड़ रुपये डालने की योजना बनाई है। इसके लिए रिजर्व बैंक की अनुमति ली जाएगी।

सोना मामूली गिरावट के साथ 44 रुपये टूटा, चांदी भी 206 रुपये गिरी

नयी दिल्ली। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना भाव में सोमवार को उतार-चढ़ाव का दौर रहा। अंत में यह मामूली गिरावट के साथ 44 रुपये टूटकर 53,040 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। इसी तरह चांदी भाव भी 206 रुपये घटकर 68,202 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही। इससे पिछले सत्र के कारोबार में सोना भाव 53,084 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 68,408 रुपये प्रति किलोग्राम था। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, '' दिल्ली हाजिर बाजार में 24 कैरेट सोना भाव में उतार-चढ़ाव रहा। इसकी वजह डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में घट-बढ़ होना रही।'' मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के उपाध्यक्ष (जिंस अनुसंधान) नवनीत दमानी ने कहा कि की डालर मजबूती का बाजार सर्राफा बाजार पर असर पड़ा। इसके अलावा निवेशक अमेरिका की मौद्रिक नीति के बारे में कुछ स्पष्ट संकेत के लिए फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेराम पावेल के जैक्सन होल व्याख्यान का इंतजार कर रहे है। यह इसी सप्ताह होने वाला है। अस्थायी आंकड़ों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपया सोमवार को 52 पैसे टूटकर 74.32 पर बंद हुआ। हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ 1,950 डॉलर प्रति औंस और चांदी 26.80 डॉलर प्रति औंस पर रही।

ताइवान ने अलीबाबा को ई-वाणिज्य कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचने को कहा

ताइपे। ताइवान ने चीन के अलीबाबा समूह से स्थानीय ई-वाणिज्य इकाई ताओबाओ ताइवान में अपनी हिस्सेदारी बेचने को कहा है। ताइवान ने आशंका जताते हुए यह आदेश दिया है कि उपयोगकर्ताओं की व्यक्तिगत जानकारी चीन को हस्तांतरित की जा सकती है। ताइवान ने यह आदेश ऐसे समय दिया है, जब चीनी कंपनियों पर अमेरिका और भारत समेत कई देशों में सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। ताइवान और चीन गृहयुद्ध के बाद 1949 में अलग हुए। उनके बीच काई आधिकारिक संबंध नहीं है लेकिन व्यापार और निवेश रिश्तों को बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। ताइवान सुरक्षा नजरिए से चीनी निवेश पर नजर रखता है और उन चीजों से बचता है, जिससे उसके मजबूत पड़ोसी देश की स्थिति सुरक्षा दृष्टिकोण से और मजबूत हो। आर्थिक मामलों के मंत्रालय ने कहा कि ताओबाओ ताइवान का परिचालन ब्रिटिश कंपनी कर रही है, लेकिन अली बाबा समूह के पास कंपनी में हिस्सेदारी है जिससे उसे उपभोक्ताओं से जुड़े मंच के नियंत्रण की अनुमति है। यह ताइवान के नियम का उल्लंघन है। अलीबाबा समूह का मुख्यालय शंघाई के दक्षिण पश्चिम में स्थित हानझोऊ में है। यह कुल बिक्री मात्रा के हिसाब से दुनिया की सबसे बड़ी ई-वाणिज्य कंपनी है। मत्रालय के अनुसार ताओबाओ ताइवान के साथ हुए समझौते के तहत अलीबाबा समूह के चीन स्थित सर्वर पर सदस्यों के लेन-देन के आंकड़े जाते हैं। समूह के चीन स्थित सर्वर पर सदस्यों के लेन-देन के आंकड़े जाते हैं। उसने कहा कि कि इससे सुरक्षा को खतरा हो सकता है। अलीबाबा के पास ब्रिटिश क्लॉडाग वेंचर इनवेस्टमेंट लि. में 29 प्रतिशत हिस्सेदारी है जो कानूनी सीमा 30 प्रतिशत से कम है। मंत्रालय के अनुसार लेकिन शेयरधारकों का जो ढांचा है, उसमें अली बाबा के पास वीटो निर्णय के जरिये ब्रिटिश उद्यम पर नियंत्रण रखने की अनुमति मिल जाती है। आदेश में अलीबाबा को छह महीने के भीतर अपनी हिस्सेदारी बेचने को कहा गया है। इस बारे में फिलहाल अलीबाबा समूह की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं मिल पाई है। ताइवान उन देशों में शामिल है जिसने चीन की प्रौद्योगिकी कंपनी हुवावेई टेक्नोलॉजीज लि. के दूरसंचार उपकरणों के उपयोग पर पाबंदी लगाई है।

एप्सिलॉन कार्बन का बैटरी सामग्री कारोबार में प्रवेश, 2025 तक निवेश करेगी भाष500 करोड़ रुपये

मुंबई। कोलतार डेरिवेटिव कंपनी एप्सिलॉन कार्बन की अगले पांच साल में ग्रेफाइट एनोड विनिर्माण पर 500 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना है। ग्रेफाइट एनोड का उपयोग लीथियम आयन बैटरी बनाने में होता है। कंपनी ने सोमवार को बैटरी सामग्री कारोबार में उतरने की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए कंपनी एक नयी अनुषंगी 'एन्सिलॉन एडवांस मैटेरियल्स' बनाएगी। कंपनी के बयान के मुताबिक, ''इस अनुषंगी बनाने का मकसद दुनियाभर में ऊर्जा भंडारण उपकरण और मोबाइल फोन बनाने वाली कंपनियों के लिए सिंथेटिक ग्रेफाइट सामग्री का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता कनना है। कंपनी की योजना अगले पांच साल में 500 करोड़ रुपये निवेश की है। इससे कंपनी 2025 तक सालाना 50,000 टन एनोड सामग्री बनाने की क्षमता स्थापित करेगी।'' कंपनी ने सालाना 5,000 टन की क्षमता वाला एक नया संयंत्र कर्नाटक में शुरू किया है। उसकी योजना 2021 पनी के प्रबंध निदेशक विक्रम हांडा ने कहा, ''कोविड-19 ने 'आत्मनिर्भर भारत' के सिद्धांत पर आधारित भारत की आर्थिक वृद्धि में सुधार के महत्व को सामने रखा है।

कर्मचारियों पर कोरोना की मार, पिछले साल के मुकाबले इस बार वेतन में हुई कम बढ़ोतरी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के बीच कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष 2020-21 में अपने कर्मचारियों को औसतन 3.6 प्रतिशत की वेतनवृद्धि दी है। पिछले वित्त वर्ष में कर्मचारियों का वेतन औसतन 8.6 प्रतिशत बढ़ा था। प्रमुख परामर्शक कंपनी डेलॉयट टच तोहमात्सु इंडिया एलएलपी के एक सर्वे में यह तथ्य सामने आया है। सर्वे के अनुसार चालू वित्त वर्ष में कर्मचारियों की वेतनवृद्धि में दो चीजों 'समय और कोविड-19 के प्रभाव ने सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सोमवार को जारी इस सर्वे में कहा गया है, ''जिन संगठनों ने मार्च, 2020 में लॉकडाउन शुरू होने से पहले वेतनवृद्धि के बारे में फैसला कर लिया था, उन्होंने अन्य कंपनियों की तुलना में अपने कर्मचारियों को अधिक वेतनवृद्धि दी है। वहीं बड़ी संख्या में कंपनियों का मानना है कि कोविड-19 की वजह से 2020-21 में उनकी आमदनी में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आएगी।

ऐसी कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को कमोबेश कम वेतनवृद्धि दी है। कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए 25 मार्च को देश में राष्ट्रव्यापी बंद लागू किया गया था। मई के अंत में हालांकि अंकुशों में ढील दी गई लेकिन कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों की वजह से कुछ राज्यों में अंकुश जारी रहे। इससे आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुईं। वर्ष 2020 का दूसरे चरण का श्रमबल और वेतनवृद्धि सर्वे जून, 2020 में शुरू किया गया। इसमें 350 कंपनियों ने भाग लिया। सर्वे के अनुसार, ''10 में से सिर्फ चार कंपनियों ने 2020 में कर्मचारियों को वेतनवृद्धि दी है। 33 प्रतिशत कंपनियों ने कर्मचारियों के वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं करने का फैसला किया है। वहीं अन्य कंपनियों ने अभी इस पर फैसला नहीं किया है। इस हिसाब से 2020 में औसत वेतनवृद्धि 3.6 प्रतिशत बैठती है, जो पिछले साल से आधी से भी कम है। पिछले साल कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को 8.6 प्रतिशत की वेतनवृद्धि दी थी। सर्वे में कहा गया है कि वेतनवृद्धि का यह आंकड़ा दशकों में सबसे कम है। डेलॉयट ने कहा है कि यदि सर्वे में सिर्फ उन संगठनों को लिया जाए, जिन्होंने अपने कर्मचारियों का वेतन बढ़ाया है, तो औसत वेतनवृद्धि 7.5 प्रतिशत बैठती है।

घटे भाव पर आवक कमजोर पड़ने से सरसों, मूंगफली तेल, तिलहन में सुधार

नयी दिल्ली। घटे भाव पर सरसों और मूंगफली की आवक कमजोर रहने से स्थानीय तेल तिलहन बाजार में इनके तेल, तिलहन दोनों में हल्का सुधार देखने को मिला। वहीं कच्चे पाम तेल और रिफाइंड पामोलिन में भारी स्टॉक के बीच मांग कमजोर रही। बाजार सूत्रों का कहना है कि लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ने से घरेलू तेलों की मांग फिलहाल अच्छी बनी हुई है। रिफाइंड तेलों के बजाय सरसों और मूंगफली तेल की मांग बढ़ रही है। इसके साथ ही सरसों और मूंगफली की घटे भाव पर आवक भी कम हो रही है यही वजह है कि सरसों तेल तिलहन कीमतों में सुधार दखने को मिला है। सरसों के अच्छे दाम मिलने के कारण सरसों की अगली पैदावार बढ़ने की उम्मीद की जा रही है।

हाजिर बाजार के घटे भाव पर सोयाबीन की बिकवाली रोकने से सोयाबीन दाना और लूज की कीमतों में भी सुधार देखा गया। वायदा कारोबार में नवंबर डिलीवरी वाले अनुबंध का भाव 3,750 रुपये क्विन्टल (मंडी शुल्क, वारदाना और अन्य खर्चे सहित) है जबकि एक अक्टूबर से इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 3,880 रुपये क्विन्टल तय है। उधर, स्थानीय मांग से बिनौला मिल डिलीवरी (हरियाणा) तेल 170 रुपये सुधरकर 8,350 रुपये प्रति क्विन्टल पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों के मुताबिक विदेशों से सोयाबीन डीगम का आयात बढ़ने से स्थानीय सोयाबीन उत्पादक किसानों को इस बार अच्छी पैदावार का फायदा मिलता नहीं दिख रहा। उन्हें पहले के और इस बार की बम्पर पैदावार को बाजार में खपाने की चिंता है जो सस्ते आयातित तेलों से अटकी पड़ी लगती है। इस स्थिति के मद्देनजर सोयाबीन तेल कीमतें पूर्ववत बनी रहीं। अन्य तेल- तिलहनों के भाव अपरिवर्तित रहे। थोक तेल-तिलहन बाजार में सोमवार को बंद भाव इस प्रकार रहे- (भाव- रुपये प्रति क्विंटल) सरसों तिलहन - 5,175- 5,225 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये। मूंगफली दाना - 4,650- 4,700 रुपये। वनस्पति घी- 965 - 1,070 रुपये प्रति टिन। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात)- 12,100 रुपये। मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 1,780- 1,840 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 10,400 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 1,605 - 1,745 रुपये प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 1,715 - 1,835 रुपये प्रति टिन। तिल मिल डिलिवरी तेल- 11,000 - 15,000 रुपये।

कैट ने सरकार से चीनी सामान के आयात पर ड्यूटी बढ़ाने का किया आग्रह

बिजनेस डेस्क। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस साल की दिवाली को हिंदुस्तानी दिवाली के रूप में मनाने के लिए सरकार से समर्थन मांगा है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को भेजे गए एक पत्र में कैट ने उनसे चीन से आयात होने वाले विभिन्न सामानों पर कस्टम ड्यूटी में बढ़ोतरी करने का आग्रह किया है, वहीं चीन द्वारा अपने उत्पादों को भारत में भेजने हेतु वैकल्पिक मार्ग को बंद करने, विभिन्न ई-पोर्टल पर प्रत्येक वस्तु के साथ निर्माता देश का अनिवार्य उल्लेख को 1 सितंबर, 2020 से लागू करने तथा 30 अन्य चीनी ऐप्स जो देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं पर प्रतिबन्ध लगाने एवं भारत में 5त्र नेटवर्क में चीनी कम्पनी हुवावे एवं जेडटीई कारपोरेशन पर प्रतिबन्ध लगाने की मांग की है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री बी.सी.भरतिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि आगामी त्योहारों का मौसम जिसमें दिवाली भी शामिल है, निर्विवाद रूप से भारत का सबसे बड़ा त्योहारी उत्सव है। सितंबर से शुरू होने वाले अगले चार महीने हर साल महीने देश में %क्रय महीने% के रूप में जाने जाते हैं और इसलिए चीनी सामानों की खपत को कम करने और भारतीय सामानों की खरीद को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकल पर वोकल तथा आत्मनिर्भर भारत को पूरा करने की दिशा में स्थानीय सामान के उपयोग को महत्व देना आवश्यक है। पीयूष गोयल को लिखे अपने पत्र में कैट ने सुझाव दिया कि भगवान् की मूर्तियां और प्रतिमाएं, इलेक्ट्रिक गुड्स जैसे सजावटी इलेक्ट्रिक बल्ब श्रृंखला, सजावटी सामान, खिलौने, वस्त्र, घरेलू उपकरण, इलेक्ट्रिक और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, कैमरा जैसे उत्पादों पर आयात शुल्क में तार्किक वृद्धि बेहद आवश्यक हैं वहीं सौर ऊर्जा मॉड्यूल, बैटरी और सैल, इनवर्टर, सफाई उपकरण, फर्निशिंग फैब्रिक, फर्नीचर, एल्यूमीनियम के बर्तन और अन्य एल्यूमीनियम के सामान, कागज और स्टेशनरी, सौंदर्य उत्पाद, एफएम-सीजी सामान, उपभोक्ता वस्तुएं और खुदरा व्यापार के अन्य सामानों पर कस्टम ड्यूटी में वृद्धि आवश्यक है। कैट ने आगे कहा कि चूंकि केंद्र सरकार ने बुनियादी ढांचा, राजमार्ग, रेलवे आदि सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में चीनी कंपनियों की भागीदारी को प्रतिबंधित करने के लिए कई असाधारण और अनुकरणीय कदम उठाए हैं जो चीन के लिए एक बड़ा संकेत हैं। ÷हम मानते हैं कि चीन सीधे भारत को माल निर्यात नहीं करने की एक और रणनीति अपना कर आसियान और सार्क देशों के माध्यम से चीनी सामान भारत में भेज सकता है।

इसलिए ऐसे मार्गों से भारत में चीनी वस्तुओं के आयात को रोकने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने की तत्काल आवश्यकता है।

पीएनबी को चालू वित्त वर्ष में ऋण में 4-6 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) को चालू वित्त वर्ष में ऋण की वृद्धि दर चार से छह प्रतिशत रहने की उम्मीद है। बैंक का अनुमान है कि अक्टूबर से अर्थव्यवस्था की स्थिति सामान्य होना शुरू हो जाएगी। पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मल्लिकार्जुन राव ने सोमवार को वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमारा अब भी अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में हमारी ऋण की वृद्धि 4-6 प्रतिशत रहेगी। अक्टूबर से अर्थव्यवस्था की स्थिति सामान्य होगी। हालांकि, कुछ क्षेत्र प्रभावित रहेंगे। इन क्षेत्रों की स्थिति सुधरने में अधिक समय लगेगा।'' राव ने कहा कि कोविड-19 की वजह से बदलते सामाजिक व्यवहार की वजह से पर्यटन, होटल और विमानन क्षेत्रों को पटरी पर आने में अधिक समय लगेगा। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था के ज्यादातर क्षेत्रों की स्थिति अक्टूबर से सामान्य हो जाएगी। राव ने कहा, ''ऐसे में आज की तारीख में हम 4-6 प्रतिशत की वृद्धि के अनुमान पर कायम हैं। सिर्फ अक्टूबर के बाद हम इसकी स्थिति पर गौर करेंगे।'' इससे पहले जून में कोविड-19 संकट के मद्देनजर पीएनबी ने चालू वित्त वर्ष में अपने ऋण की वृद्धि के लक्ष्य को संशोधित कर छह प्रतिशत किया था। इस बीच, चालू वित्त वर्ष की जून में समाप्त पहली तिमाही में पीएनबी ने 308 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ कमाया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 1,018.63 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अर्जुन अवार्ड के लिए चुनी गई महिला ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का नाम अर्जुन अवार्ड के लिए नामित हुआ है और इस पर बात करते हुए दीप्ति ने कहा कि उसने हमे प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित होने का सपना देखा है। दीप्ति उन 27 एथलीटों में से हैं जिन्हें अर्जुन अवार्ड के लिए चुना गया है। ये अवार्ड 29 अगस्त को दिए जाएंगे। बीसीसीआई के आधिकारिक अकाउंट पर शेयर एक वीडियो में कहा कि मैं बहुत खुश हूं। ये मेरे लिए गर्व का पल है कि मुझे अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मेरे परिवार बहुत खुश हैं, मैंने शुरू से ही बहुत मेहनत की है, अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित होना हमेशा से एक सपना रहा है। दीप्ति ने कहा, मिताली दी, हरमनप्रीत दी, जुलन दी को पहले भी यह दिया जा चुका है। इसलिए उनकी कंपनी में होना बहुत बड़ी बात है। गौर हो कि दीप्ति ने 54 वनडे और 48 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। इस दौरान वनडे क्रिकेट में दीप्ति ने 64 वि और 38.29 की औसत के साथ 1417 रन बनाए जबकि टी20 में 53 विकेट्स और 18.39 की औसत के साथ 423 रन अपने नाम किए।

ऑनलाइन शतरंज

फीडे ओलंपियाड - प्रग्गानंधा और दिव्या के कमाल से चीन को हराकर भारत कांटर फाइनल में

नई दिल्ली ।

फीडे ऑनलाइन शतरंज ओलंपियाड मे भारतीय टीम नें बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ग्रुप ए मे शीर्ष स्थान हासिल करते हुए सीधे अंतिम आठ मतलब क्वाटर फाइनल मे जगह बना ली है । भारतीय टीम नें आज लीग चरण के तीसरे और अंतिम दिन गज़ब का प्रदर्शन करते हुए जॉर्जिया ,जर्मनी और चीन को मात देते हुए 17 अंको के साथ वर्ग ए मे चीन को पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल कर लिया । सबसे पहले भारत नें जॉर्जिया को 4-2 से हराकर दिन की शुरुआत की इसमें सीनियर खिलाड़ियों मे पेंटाला हरिकृष्णा नें जीत दर्ज की तो जूनियर बोर्ड से प्रग्गानंधा और दिव्या देशमुख के कमाल नें भारत को जीत दिलाई । इसके बाद भारत का प्ले ऑफ मे जाना तो तय हो गया पर लड़ाई थी की क्या हम पूल मे टॉप करेंगे । अगले मैच मे भारत नें जर्मनी के खलाफ कप्तान विदित गुजराती ,भक्ति कुलकर्णी और वन्तिका अग्रवाल की जीत के सहारे 4.5-1.5 की बड़ी जीत हासिल कर अपना दूसरा स्थान तय कर लिया । पर असली मुक़ाबला था मजबूत चीन के खिलाफ और इस बार टीम नें चीन के सभी दिग्गज खिलाड़ियों को पहले चार बोर्ड पर बराबरी पर रोककर स्कोर 2-2 कर दिया । विदित गुजराती नें डिंग लीरेन से ,हरिकृष्णा नें यू यांगी से ,कोनेरु हम्पी नें हाउ ईफ़ान से तो हरिका द्रोणावल्ली नें जु वेंजून से ड्रॉ खेला और ऐसे मे भारत के दोनों जूनियर खिलाड़ी प्रग्गानंधा नें लिउ यान को तो दिव्या देशमुख नें जू जिनर को मात देते हुए भारत को चीन के उपर इतिहासिक 4-2 से जीत दिला दी । तो भारतीय टीम अब सीधे क्वाटर फाइनल मे पहुँच गयी है जबकि वर्ग मे दूसरे और तीसरे स्थान पर रही चीन और जर्मनी को क्वाटर फाइनल मे जाने के लिए अब दूसरे वर्गो की टीम से एक प्ले ऑफ मुक़ाबला खेलना होगा ।

धोनी को लेकर पोंटिंग बोले- माही क भी भावनाओं में बहकर निर्णय नहीं ले

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी कप्तान के तौर पर कभी भावनाओं में बहकर निर्णय नहीं लेते थे। पोंटिंग और धोनी दोनों ही कप्तानों ने अपनी टीमों को उनकी कप्तानी में विश्व विजेता बनाया है। धोनी ने भारत को अपनी कप्तानी में 2007 टी-20 विश्वकप और 2011 में एकदिवसीय विश्वकप का खिताब जिताया जबकि 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी भी उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने जीती थी। पोंटिंग और धोनी ने एक दूसरे के खिलाफ 26 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले हैं। इसके अलावा पोंटिंग पहले मुंबई इंडियंस और अब दिल्ली कैपिटल्स टीम के कोच हैं और धोनी के नेतृत्व वाली चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ उन्होंने कोचिंग की है। पोंटिंग ने कहा, 'धोनी कप्तान के तौर पर कभी भावनाओं में बहकर निर्णय नहीं लेते थे जो एक अच्छे कप्तान की निशानी है और काबिले तारीफ है। लेकिन मैं चाहकर भी मैदान पर अपनी भावनाओं में नियंत्रण नहीं रख पाता था। पोंटिंग ने आगे कहा, 'धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम आगे बढ़ी। उन्हें हमेशा लगता था कि वह अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने में सफल होंगे। जब आपको पता है कि वह चीजों को नियंत्रण में कर सकते हैं तो टीम के साथी खिलाड़ी उनकी इस बात को पसंद

करते हैं। पोंटिंग ने कहा, ' भारत में काफी समय बित हूं तो मुझे पता है कि दुनिया हिस्से में वह कितने सम्मा जब आप दुनियाभर में यात्र हैं तो देखते हैं कि क्रिकेट प धोनी के नेतृत्व और मैद दबाव के बावजूद उनके शां की बात करते हैं।

ड्रैग फ्लिकिंग सीखना मेरे करियर का टर्निंग प्वाइंट : गुरजीत कौर

नयी दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी गुरजीत कौर ने कहा कि ड्रैग फ्लिक करने की कला सीखना उनके करियर का 'टर्निंग प्वाइंट' रहा क्योंकि इससे उन्हें राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए सफलता हासिल करने में मदद मिली। गुरजीत 2018 में एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थीं। उन्होंने पिछले साल महिला एफआईएच सीरीज फाइनल्स में भारत के विजय अभियान में सर्वाधिक गोल किये थे। गुरजीत ने कहा- ड्रैग फ्लिक करने की तकनीक की अच्छी तरह से सीख मेरे करियर का टर्निंग प्वाइंट रहा। हॉकी टीम में हर किसी की अपनी भूमिका होती है और मुझे खुशी है कि मैंने अपनी टीम के लिए एक अच्छी ड्रैग फ्लिकर बनने के लिए अच्छे प्रयास किए। उन्होंने कहा- मुझे मेरा करियर आगे बढने के साथ ड्रैग फ्लिक सीखने और उसमें अभ्यस्त बनने में अपनी साथियों और कोचों से काफी मदद मिली। यह 24 वर्षीय खिलाड़ी भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन गई है। उन्होंने कहा कि जूनियर राष्ट्रीय शिविर से जुडने से पहले वह ड्रैग फ्लिकिंग की कला से खास अवगत नहीं थी। गुरजीत ने कहा- मुझे 2012 में जूनियर राष्ट्रीय शिविर से जुडने से पहले ड्रैग फ्लिकिंग का अधिक ज्ञान नहीं था। मैंने शिविर से जुडने से पहले ड्रैग फ्लिक का अभ्यास किया था लेकिन मैंने इस तकनीक के बेसिक्स को अच्छी तरह से नहीं सीखा था। उन्होंने कहा- जब मैं शिविर से जुड़ी तभी मैं ड्रैग फ्लिकिंग के बेसिक्स को समझ पायी और फिर मैं इसमें महारत हासिल करने लगी।

खाली स्टेडियमों से आईपीएल में क्रिकेट की गुणवत्ता प्रभावित नहीं होगी : लक्ष्मण

दुबई ।

सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजी मेंटर वीवीएस लक्ष्मण को उम्मीद है कि कोविड-19 महामारी के बीच अगामी सत्र में दर्शकों के बिना स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आयोजन से क्रिकेट के स्तर में कमी नहीं आएगी। कोरोना वायरस महामारी से बने स्वास्थ्य संकट की वजह से दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 लीग का आयोजन 19 सितंबर से 10 नवंबर तक यूएई के दुबई, अबू धाबी और शारजाह में होगा। लक्ष्मण ने फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक वीडियो में कहा, 'मैं खेल के सभी प्रशंसकों को आश्वस्त कर सकता हूं कि स्टेडियम में दर्शकों की गैरमौजूदगी में भी वे वास्तव में प्रतियोगिता का आनंद लेंगे। उन्होंने कहा, 'यह मत सोचिए कि इससे क्रिकेट की ऊर्जा या गुणवत्ता में कमी आएगी। यह पूर्व भारतीय बल्लेबाज हालांकि यहां की पिचों को लेकर थोड़ा चिंतित जरूर है। उन्होंने कहा, 'शायद पिचें धीमी गति की हों लेकिन हमें अभी इंतजार करना होगा और देखना होगा। ऐसा हो सकता है कि हम, मैदानकर्मियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों से आश्चर्यचकित हो जाएं। उन्होंने कहा, 'आउटफील्ड शानदार होगी लेकिन मुझे उम्मीद है कि मैदानकर्मी पिच का अच्छी तरह से ध्यान रखेंगे। हैदराबाद की इस फ्रेंचाइजी टीम के भारतीय खिलाड़ी रविवार को यहां पहुंचे। सनराइजर्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीम सबसे देर से दुबई पहुंची। लक्ष्मण ने बताया कि टीम प्रबंधन

ने 2020 सत्र की नीलामी से पहले ही मध्य क्रम के लिए युवा भारतीय बल्लेबाजों को चुनने का मन बना लिया था। नीलामी से पहले ही मध्य क्रम के लिए युवा भारतीय बल्लेबाजों को चुनने का मन बना लिया था। यही वजह है कि टीम ने प्रियम गर्ग, विराट सिंह और बी संदीप जैसे होनहार खिलाड़ियों को चुना।

उन्होने कहा, 'नीलामी में युवा खिलाड़ियों को जानबूझकर टीम में शामिल करने की कोशिश की गयी। वे युवा हैं लेकिन सभी ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है।

संक्षिप्त समाचार

अजहर अली एंड कंपनी पर भड़के शोए अख्तर, क्या सिखाया जा रहा है पाकिस्तानी गेंदबाजों को

स्पोर्ट्स डेस्क। कप्तान अजहर अली ने कप्तानी की जिम्म के साथ खेलते हुए नाबाद 141 रन की शानदार पारी खेली ले पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट मै तीसरे दिन रविवार को 273 रन पर सिमट जाने के के व फॉलोआन करना पड़ा। पाकिस्तानी पारी सिमटते ही खराब रौशन कारण दिन का खेल समाप्त करना पड़ा जबकि अभी 14 ३ फेंके जाने शेष थे। दरअसल, अख्तर ने अपने यूटूब चैनल पर टीम के प्रदर्शन को लेकर कहा, मैंने आक्रामक गेंदबाजो एटिट्यूड देखा है। उनमें विकेट लेने की क्षमता है। मुझे समझ आ रहा मौजूदा पाकिस्तानी गेंदबाजों को क्या पढ़ाया गया है। न शाह एक ही एरिया में गेंदबाजी कर रहे हैं। वह कोई स्लोअ बाउंसर नहीं डाल रहे। उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान ने अपमानजनक प्रदर्शन किया है। मुझे उम्मीद थी कि टीम अ करेगी। पाकिस्तानी टीम क्लब टीम लग रही है। जैक क्राउले रन की तैयारी में थे, लेकिन दुर्भाग्य से वह आउट हो गए। शोए आगे कहा, मुझे समझ नहीं आता कि गेंदबाजों में आक्रामकता कम क्यों है। हम नेट पर अभ्यास नहीं कर रहे टेस्ट मैच खेल र जब आपका माइंडसेट नहीं होता तो आपको सफलता नहीं मि पाकिस्तान की टीम एकदम साधारण टीम लग रही है। जिस तरह खेल रहे हैं, लगता है कि विदेशी पिच पर 2006 के बाद की र बड़ी पराजय उनका इंतजार कर रही है

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का दावा, कोह में है सचिन के इस बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने का दम

स्पोर्ट्स डेस्क । पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान मानना है कि टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली के पास वह ह और फिटनेस है जिस कारण वह मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलक 100 अंतरराष्ट्रीय शतकों का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। पठान ने स्पोर्ट्स चैनल से शो के दौरान रिकॉर्ड्स के बारे में बात करते कहा, मुझे यकीन है कि 100 शतक लगा सकता है, वह (कोह इसके बारे में बात नहीं कर रहे होंगे, लेकिन आप जानते है सचिन तेंदुलकर के बाद कोई भी यह उपलब्धि हासिल कर स है, वह एक है। उन्होंने कहा, कोहली अगले कुछ वर्षों में तोड़ने सोच रहे होंगे। उन्होंने कहा, उन्होंने काफी कम समय में बहुत हासिल कर लिया है और मुझे आशा है कि अगर कोई 100 श का रिकॉर्ड तोड़े तो वह भारतीय हो और कोहली के पास पठ कहा, मुझे लगता है कि उसके (कोहली) 100 शतकों में से कम हैं, वह रिटायर होने से पहले इसे हासिल करने में सक्षम और मुझे उम्मीद है कि यह लक्ष्य उनके दिमाग में होगा। भारत अगला अंतरराष्ट्रीय दौरा ऑस्ट्रेलिया का होगा जहां दोनों टी वनडे, 4 टेस्ट और 3 टी20 मैच खेलेंगी।

मांकडिंग के विकल्प पर अश्विन ने दिया सुझाव, कहा- इस नियम को लागू करना चाहिए

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने सुझाव दिया कि अगर दूसरी छोर का बल्लेबाज (नॉन स्ट्राइकर) गेंद फेंकने से पहले क्रीज से काफी आगे निकल जाए तो गेंदबाजों के लिए 'फ्री बॉल जैसे नियम लागू करना चाहिए। वह हालांकि अपने रूख पर कायम है कि ऐसी स्थिति में बल्लेबाज को आउट करना गलत नहीं है। अश्विन ने पिछली बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में क्रिंग्स इलेवन पंजाब और राजस्थान रॉयल्स के मैच में जोस बटलर को इस तरह से आउट किया था जिसके बाद 'खेल भावना को लेकर सवाल उठने लगे थे। अश्विन के हालांकि जो किया था वह नियमों के मुताबिक था लेकिन उनकी नई आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग ने हाल में कहा था कि वह अश्विन से बात करेंगे और उन्हें बल्लेबाज को इस तरह से रन आउट नहीं करने के लिए कहेंगे। भारतीय विकेटकीपर और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी दिनेश कार्तिक ने 'मांकड़ रन आउट को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि नियमों के मुताबिक आउट होने के इस तरीके को 'खेल भावना या '(वीनू) मांकड़ के नाम से जोड़ना गलत है। अश्विन ने कार्तिक की बात का जवाब देते हुए ट्वीट किया, 'गेंदबाज के लिए फ्री बॉल लागू करें। अगर बल्लेबाज इस तरह की गेंद पर आउट होता है तो बल्लेबाजी टीम के पांच रन काटे जाने चाहिए। अगर रोमांच बढ़ने के लिए 'फ्री हिट हो सकता है तो गेंदबाजों को भी एक मौका मिलना चाहिए। इस ऑफ स्पिनर ने कहा, 'हर कोई अब इस उम्मीद के साथ मैच देखता है कि गेंदबाजों की आज धुनाई होगी। अश्विन का सुझाव फ्री हिट की अवधारणा की तरह है। जिसमें गेंद फेंकते समय अगर गेंदबाज का पैर पोपिंग क्रीज के बाहर निकल जाता तो पास आउट होने के डर के बिना अधिक्तम रन बनाने का मौका होता है। उसके बाद वाली गेंद पर बल्लेबाज के पास आउट होने के डर के बिना अधिक्तम रन बनाने का मौका होता है। अश्विन के ट्वीट के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर डब्ल्यूवी रमन, रोहन गावस्कर और कामेंटेटर हर्षा भोगले ने इस मुद्दे पर अपनी राय दी। रमन ने हॉलीवुड फिल्म 'द गुड, द बैड एंड द अग्ली के डायलॉग से इसे जोड़ते हुए कहा, 'एली वैलाच का प्रसिद्ध वाक्य, 'जब तुम्हें गोली मारना है, गोली मारो, बात मत करो की तरह ही 'जब आपको क्रीज में रहना है तो वही रहो, बाहर मत निकलो। सुनील गावस्कर 'मांकड़िंग शब्द के इतेमाल के विरोधी है और उनके बेटे रोहन गावस्कर ने कहा कि खेल भावना एक अस्पष्ट शब्द है। जूनियर गावस्कर ने कहा, 'मुझे लगता है कि 'खेल भावना एक अस्पष्ट शब्द है। क्या यह खेल भावना के तहत नहीं आता कि आउट होने के बारे में पता होने के बाद भी कोई बाहर निकले। भोगले चाहते हैं कि इसके नियम को सरल बनाया जाए जहां यह स्पष्ट रूप से कहा जाए कि बल्लेबाजों को क्रीज के अंदर रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि नियम सरल होना चाहिए। जब तक गेंदबाज के हाथ से गेंद नहीं निकलती है तब तक दूसरे छोर के बल्लेबाज को क्रीज के अंदर रहना चाहिए।

आनलाइन शतरंज ओलंपियाड के बाकी मैच खेलने के लिए गुजराती, हंपी को होटल के कमरों की पेशकश

चेन्नई। भारतीय खिलाड़ियों विदित गुजराती और कोनेरू हंपी को फिडे आनलाइन शतरंज ओलंपियाड के अपने बाकी बचे मैच खेलने के लिए उनके शहरों में होटल के कमरों की पेशकश की गई है क्योंकि मंगोलिया के खिलाफ छठे दौर में इंटरनेट जाने और बत्ती गुल होने से उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। भारत रविवार को शुरुआती चरण के नौवें और अंतिम दौर के मुकाबले में चीन की मजबूत टीम को 4-2 से हराकर डिविजन पूल 'ए' में शीर्ष पर रहते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बना। भारत को अब यूनान और आर्मेनिया के बीच होने वाले मैच के विजेता का इंतजार है जिससे 28 अगस्त को वह अंतिम आठ के मुकाबले में भिड़ेगा। गुजराती की अगुआई वाली भारतीय टीम अब तक टूर्नामेंट में अजेय है लेकिन छठे दौर में उसे कम रैंकिंग वाली मंगोलिया के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलना पड़ा क्योंकि गुजराती और हंपी को इंटरनेट जाने और बत्ती गुल होने के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस मुद्दे का हल निकालने के लिए अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने दोनों को बाकी मैच पांच सितारा होटल से खेलने की पेशकश की है। एआईसीएफ के सचिव भरत सिंह चौहान ने पीटीआई को बताया, ''हमने सभी खिलाड़ियों को हर संभव सहायता की पेशकश की है। हमने खिलाड़ियों को कहा है कि निर्बाध बिजली और इंटरनेट सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे और उनसे पूछा गया है कि क्या वे होटल से खेलना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, ''विदित और हंपी की परेशानियों को देखते हुए उनके शहरों में ही उनके पांच सितारा होटल से बाकी मैच खेलने के इंतजाम किए गए हैं। यह पेशकश बाकी खिलाड़ियों को भी की गई लेकिन उन्होंने कहा है कि वे अपने घरों से खेलने को प्राथमिकता देंगे।' हंपी ने कहा कि मौजूदा कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए वह होटल में रुकने से हिचक रही हैं जबकि गुजराती एक या दो दिन में अपने फैसले के बारे में सूचित करेंगे। गुजराती ने कहा, ''यहां तक कि आज भी दो बार बिजली गई और कुछ मिनट के लिए इंटरनेट भी कट गया। विश्व रेपिड चैंपियन हंपी ने कहा कि वह स्वास्थ्य संकट के बीच होटल से खेलने के विचार को लेकर सहज नहीं हैं ।

अर्जुन पुरस्कार पिछले 13 साल में मेरी कड़ी मेहनत का फल: इशांत

नई दिल्ली ।

भारतीय तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने कहा है कि इस साल अर्जुन पुरस्कार मिलना उनकी पिछले 13 साल की कड़ी मेहनत का फल है और उन्हें स्वयं पर गर्व है। दिल्ली के 31 साल के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि उनसे अधिक उनके परिवार विशेषकर उनकी पत्नी प्रतिमा सिंह को उनकी उपलब्धि पर गर्व है। इशांत और महिला क्रिकेटर दीप्ति शर्मा उन 27 खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें इस साल अर्जुन पुरस्कार के लिए चुना गया जबकि भारत के सीमित ओवरों के उप कप्तान रोहित शर्मा उन पांच खिलाड़ियों को शामिल हैं जिन्हें देश के सर्वोच्च खेल सम्मान खेल रत्न के लिए चुना गया है। बीसीसीआई के अपने ट्विटर हैंडल पर डाले संक्षिप्त वीडियो संदेश में इशांत ने कहा, 'जब मुझे पता चला कि मुझे अर्जुन पुरस्कार मिल रहा है तो मैं काफी खुश हुआ और अपने ऊपर गर्व महसूस किया। पिछले 13 साल में मैंने काफी कड़ी मेहनत की है इसलिए यह मेरे और मेरे परिवार के लिए गौरवपूर्ण लम्हा है। उन्होंने कहा, 'मेरे से अधिक मेरी पत्नी को मुझ पर गर्व है क्योंकि उसका मानना था कि मुझे पुरस्कार मिलना चाहिए। इशांत ने 2007 में भारत की ओर से पदार्पण करने के बाद 97 टेस्ट और 80 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। गेंदबाजी इकाई के रूप में मौजूदा भारतीय टीम की सफलता पर इशांत ने कहा कि व्यक्ति प्रदर्शन के बारे में सोचने की जगह प्राथमिकता हमेशा मैच जीतना होती है। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम की गेंदबाजी अभी मानसिकता यह है कि हम हमेशा सोचते हैं कि मैच कैसे जीता जाए, हमारे लिए यह सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता है । इशांत ने कहा, 'हम व्यक्तिगत प्रदर्शन के बारे में नहीं सोचते। हम प्रत्येक बल्लेबाज के हिसाब से योजना बनाते हैं। हम मैदान पर इन योजनाओं को अमलीजामा पहनाने की कोशिश करते हैं और हमारे लिए चीजें सही होती हैं।

केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बोले- रसेल से बहुत पीछे नहीं है सुनील नारायण

दुबई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर का कहना टीम के ऑलराउंडर सुनील नारायण साथी खिलाड़ी आंद्रे रसेल से ऑलराउंड क्षमता में ज्यादा पीछे न नारायण केकेआर के साथ 2012 से जुड़े हैं और उन्होंने एक गेंदबाज के रुप में शुरुआत की थी। उन्होंने टीम को 2012 तथा 2014 में खिताब जीताने में अहम भूमिका अदा की थी। हाल के वर्षों में केके उन्हें बल्लेबाजी में भी आजमाया है। 2017 के आईपीएल से लेकर 2018 और 2019 तक के सत्रों में न ने क्रमशः 172.30 के औसत से 224, 189.89 के औसत से 357 और 166.27 के औसत से 1 बनाए हैं। केकेआर ने कई बार उन्हें ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर भी खेलने उतारा है। मैसूर ने आरके कहा, 'कई लोग सोचते हैं कि रसेल सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर हैं जो कि वह हैं। हमारे कोच ब्रैंडन मैक्कुलम उनकी सराहना करते हैं। वह रसेल को टी-20 क्रिकेट का माइक जॉर्डन कहते हैं। उन्होंने कहा, ' नारायण के आंकड़ों पर नजर रखें तो कई लोग चौंक जाएंगे। वह अपनी ऑलराउंड क्षमता से रसेल से पीछे नहीं है। उन्होंने केकेआर की जीत में योदगान दिए हैं। उन्होंने गेंदबाजी में जो किया है सब जानते हैं बल्लेबाजी में भी उन्होंने अहम योगदान दिया है। यह दो खिलाड़ी शानदार हैं। रसेल ने 2019 में सभी क्रिकेट में 182.12 की स्ट्राइक रेट से 1080 रन बनाए थे जिसमें से 510 रन उन्होंने आईपीएल में ब और उनका स्ट्राइक रेट 204.81 का रहा है। उस साल 500 से ज्यादा रन बनाने वाले किसी भी बल्ले इतनी तेज गति से रन नहीं बनाए थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मीम बनाना एक मजाक की बात है लेकिन अगर मजाक के नाम पर अपशब्द और अश्लीलता आ गेये तो वो क्राइम हो जाता है। सोशल मीडिया पर एक ट्रोलर ने सोनाक्षी सिंहा पर बहुत की गंदी टिप्पणी की थी। जिसके बार उस आदमी के खिलाफ शिकायत भी की गयी थी।

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा को सोशल मीडिया पर गंदी-गंदी गालियां देने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

सोनाक्षी सिंहा जब से अमिताभ बच्चन के शो कौन बनेगा करोड़पति में आयी थी तब से उन्हें लेकर सोशल मीडिया पर मीम और जोक बनाए जा रहे हैं। सोनाक्षी शो में ये जवाब नहीं दे सकी थी कि हनुमान जी संजीवनी बूटी किसके लिए लाए थे। जिसके बाद से ही सोशल मीडिया पर उन्हें जबरदस्त तरीके से ट्रोल किया गया। हालांकि ये बाद पुरानी हो रगयी है लेकिन सोशल मीडिया पर सोनाक्षी को लेकर लगातार मीम आते रहे। मीम बनाना एक मजाक की बात है लेकिन अगर मजाक के नाम पर अपशब्द और अश्लीलता आ गेये तो वो क्राइम हो जाता है। सोशल मीडिया पर एक ट्रोलर ने सोनाक्षी सिंहा पर बहुत की गंदी टिप्पणी की थी। जिसके बार उस आदमी के खिलाफ शिकायत भी की गयी थी।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर के 26 वर्षीय एक व्यक्ति को बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा के इंस्टाग्राम अकाउंट पर अश्लील टिप्पणी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि अभिनेत्री ने मुंबई अपराध शाखा में इस बाबत सात अगस्त को शिकायत दर्ज कराई थी। सिन्हा ने महिला सुरक्षा और साइबर धौंस तथा उत्पीड़न के बारे में हाल ही में एक वीडियो बनाया था और उसे इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने वीडियो पर महिलाओं के बारे में अश्लील टिप्पणी की और कुछ बॉलीवुड हस्तियों के बारे में अभद्र का इस्तेमाल किया।

साइबर पुलिस थाने ने भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं और सूचना तकनीक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया। साइबर पुलिस इसके बाद आईपी एड्रेस तथा अन्य सुरागों की मदद से औरंगाबाद के तुलजी नगर के शशिकांत गुलाब जाधव तक पहुंची, जिसने कथित तौर पर यह टिप्पणी की थी। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को जाधव को एक अदालत में पेश किया गया जिसने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सुशांत के केस से कंगना रनौत का कोई लेना-देना नहीं, उनकी जंग नेपोटिज्म के खिलाफ है:वकील

रिया चक्रवर्ती के खिलाफ केस लड़ रहे सुशांत सिंह राजपूत के पिता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील विकास सिंह ने कहा है कि कंगना रनौत न तो सुशांत की दोस्त हैं और न ही प्रतिनिधि। उन्होंने कहा कि कंगना मूल रूप से सामान्य भेदभाव को उजागर कर रही हैं।

रिया चक्रवर्ती के खिलाफ केस लड़ रहे सुशांत सिंह राजपूत के पिता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील विकास सिंह ने कहा है कि कंगना रनौत न तो सुशांत की दोस्त हैं और न ही प्रतिनिधि। उन्होंने कहा कि कंगना मूल रूप से सामान्य भेदभाव को उजागर कर रही हैं। सुशांत के केस में वह किसी भी तरह शामिल नहीं है। वकील विकास सिंह ने कहा कि "कंगना सुशांत की दोस्त नहीं है। कंगना मूल रूप से मीडिया में सामान्य भेदभाव को उजागर कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, वह जो मुद्दा उठा रही है वह सही है, लेकिन वह सुशांत सिंह राजपूत मामले से जुड़ा हुआ नहीं है। वह फिल्म उद्योग में फैली एक सामान्य समस्या पर बात कर रही है। सुशांत भी एक भाई-भतीजावाद का शिकार का हो सकता है, लेकिन वह उसका प्रतिनिधित्व नहीं कर रही है। वह सुशांत के लिए कुछ भी नहीं कर रही है। वह केवल अपना काम कर रही है।इससे पहले, पिंकविला को दिए एक साक्षात्कार में, विकास सिंह ने कहा था, वह अपने स्वयं के एजेंडे को आगे बढ़ाने और उन लोगों पर हमला करने की कोशिश कर रही है जिनके पास अपने स्वयं के स्कोर का निपटान करने के लिए एक व्यक्तिगत मुद्दा है। वह अपनी यात्रा पर चल रही है।परिवार की एफआईआर का उसके दावों से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा, हर कोई जानता है कि उद्योग में भाई-भतीजावाद मौजूद है। सुशांत को भी भेदभाव का सामना करना पड़ा होगा। लेकिन वह इस मामले में जांच का प्राथमिक

कोर्स नहीं हो सकता है। वे अभी भी अंशदायी कारक हो सकते हैं। लेकिन मुख्य मामला यह है कि कैसे रिया और उसके गिरोह ने सुशांत का पूरी तरह से शोषण और खत्म करने की कोशिश की।जवाब में, कंगना, जो हाल ही में ट्विटर में शामिल हुईं, ने विकास सिंह के बारे में सकारात्मक रूप से बोलते हुए एक वीडियो साझा किया। उसने लिखा, स्स्क्के परिवार और उनके वकील ने हमेशा मेरे संघर्ष का समर्थन किया है।केके सिंह ने पटना में रिया के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है, जिसमें रिया पर आरोप है कि सुशांत को रिया ने आत्महत्या के लिए उकसाया और सुशांत के पैसे के साथ हेराफेरी की है। सुशांत के मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की जा रही है, जबकि प्रवर्तन निदेशालय रिया और उसके भाई, शोविक चक्रवर्ती के खिलाफ धन के दुरुपयोग के आरोपों की अपनी जांच कर रहा है।

सुशांत की मौत के दो महीने बार सोशल मीडिया पर लौटे करण जौहर, शेयर किया ऐसी पोस्ट जिस पर ट्रोल न हो सकें

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद सोशल मीडिया पर पर लगातार बॉलीवुड के कुछ बड़े निर्माता , स्टार किड्स, खान और कपूर खानदान को ट्रोल किया जा रहा था। माना जा रहा था कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत का जिम्मेदार बॉलीवुड में फैला नेपोटिस्म है।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद सोशल मीडिया पर पर लगातार बॉलीवुड के कुछ बड़े निर्माता , स्टार किड्स, खान और कपूर खानदान को ट्रोल किया जा रहा था। माना जा रहा था कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत का जिम्मेदार बॉलीवुड में फैला नेपोटिस्म है। बॉलीवुड की क्वीन कंगना रनौत ने करण जौहर पर सीधा हमला बोला था और सुशांत सिंह राजपूत की मौत का जिम्मेदार नेपोटिस्म की फैक्टरी चलाने वाले करण जौहर को कहा था। कंगना के सुशांत की मौत मामले में खुल कर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर स्टार किड्स, करण जौहर, महेश भट्ट की फिल्मों का बायकॉट किया गया।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत की लगभग 50 दिन बाद सुशांत के परिवार ने पूरे मामले को एक नया मोड़ दिया। परिवार ने सुशांत की मौत का जिम्मेदार उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती को कहा। अब जब सुशांत की मौत से नेपोटिस्म का रोल खत्म हो गया है तो सुशांत सिंह राजपूत की मौत के 2 महीने बाद फिल्म निर्माता करण जौहर ने सोशल मीडिया पर फिर से वापसी की हैं। ट्विटर पर करण जौहर ने 14 जून को सुशांत की तस्वीर के साथ आखिरी पोस्ट डाला था।

फिल्म निर्माता करण जौहर ने गणेश चतुर्थी पर अपने प्रशंसकों को बधाई देते हुए एक नया ट्वीट साझा किया है। माइक्रो-ब्लॉगिंग ऐप पर दो महीनों में करण की यह पहली पोस्ट है, जब उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से एक लंबा ब्रेक लिया। करण ने भगवान गणेश की एक तस्वीर साझा की और लिखा, "भगवान गणेश की शक्ति आपकी और आपके प्रियजनों की सभी बुराईयों से रक्षा कर सकती है .... शक्ति सभी सकारात्मकता को बढ़ा सकती है और केवल प्रेम फैला सकती है ... कृपया सुरक्षित रहें।" पोस्ट पर दो घंटे में 18 सो से ज्यादा कमेंट आ चुके हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर भी यही पोस्ट शेयर की। पिछले हफ्ते करण ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी थीं। "हमारे महान राष्ट्र के लिए .... संस्कृति, विरासत और इतिहास का खजाना है। 14 जून को सुशांत की मौत के बाद, उनके कई प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर करण को निशाना बनाना और उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। उन पर सुशांत के करियर में तोड़फोड़ करने और उनके जैसे नए लोगों और उद्योग के लोगों को उचित मौका नहीं देने का आरोप था।

खतरों के खिलाड़ी मेड इन इंडिया: रोहित ने शूट किया आखिरी एपिसोड, शेयर किया भावुक संदेश

टीवी का स्टंट शो खतरों के खिलाड़ी के हर सीजन को जनता का भरपूर प्यार मिला है। शो को महशूर निर्देशक रोहित शेट्टी होस्ट करते हैं। इस बार लॉकडाउन के बाद फिर से शो की शुरूआत की गयी है।

टीवी का स्टंट शो खतरों के खिलाड़ी के हर सीजन को जनता का भरपूर प्यार मिला है। शो को महशूर निर्देशक रोहित शेट्टी होस्ट करते हैं। इस बार लॉकडाउन के बाद फिर से शो की शुरूआत की गयी है। शो के इतिहास में पहली बार हुआ है कि खतरों के खिलाड़ी मेक इन इंडिया हुआ है। अब शो का आखिरी एपिसोड शूट किया गया है।

शो के होस्ट रोहित शेट्टी ने शो का आखिरी एपिसोड शूट किया है। शो की आखिरी यादों को रोहित ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। रोहित ने एक ब्लैक एंड वाइट फोटो शेयर की है। इसके साथ ही उन्होंने लिखा %खतरों के खिलाड़ी-मेड इन इंडिया' के इस सीज़न के आखिरी एपिसोड की शूटिंग कर रहे। थैंक्यू शो को इतना प्यार देने के लिए और टीवी के सबसे ज्यादा देखे जाने वाले शोज में से इसे एक बनाने के लिए।खतरों के खिलाड़ी मेड इन इंडिया का ये पहला सीजन था इससे पहले खतरों के खिलाड़ी सीजन 10 की विजेता करिश्मा तन्ना थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिलीपीन में विस्फोट में 11 लोगों की मौत, 40 घायल

मनीला।

दक्षिणी फिलीपीन में सोमवार को संदिग्ध इस्लामिक आतंकवादियों द्वारा किए गए बम विस्फोट में कम से कम 11 सैनिकों और नागरिकों की मौत हो गई। सैन्य और पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हमले में करीब 40 सैनिक, पुलिसकर्मी और नागरिक घायल हो गए । इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध आतंकवादियों ने पूर्व में हमले की चेतावनी दी थी। क्षेत्रीय सैन्य कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल कॉर्लेटो विनलुआन ने बताया कि सुलू प्रांत के जोलो कस्बे में हुए पहले बम विस्फोट में कम से कम पांच सैनिक और चार नागरिक मारे गए। दोपहर में सेना के दो ट्रकों और एक कंप्यूटर दुकान के नजदीक हुआ यह हमला मोटरसाइकिल में विस्फोटक लगाकर अंजाम दिया गया। विनलुआन ने संवाददाताओं से कहा कि वाहन में आईईडी लगाया गया था। वहीं निकट ही एक घंटे बाद एक दूसरा विस्फोट हुआ। इस विस्फोट को संभवतः एक महिला आत्मघाती हमलावर ने अंजाम दिया। इसमें आत्मघाती हमलावर और एक सैनिक की मौत हो गई। कुछ लोग घायल हो गए । क्षेत्र में सुरक्षा के लिए जवानों की तैनाती की गयी । घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। बाजार में एक बम भी मिला जो फटा नहीं था। सुरक्षाकर्मियों और पुलिसकर्मियों ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। इस साल हुआ यह सबसे भीषण हमला है। यह घटना ऐसे वक्त हुई है जब फिलीपीन और पूरा दक्षिण-पूर्व एशिया कोविड-19 महामारी का सामना कर रहा है । राष्ट्रपति के प्रवक्ता हेरी रोक्यू ने हमले की निंदा की। हमले की किसी ने भी जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन सेना ने अबू सयाफ कमांडर मुंडी सवदजान को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है । सैन्य अधिकारियों ने पिछले सप्ताह कहा था कि सवदजान ने सुलू में हमले के लिए दो महिला फिदायीन को तैनात किया है । सेना के जवान उनकी तलाश के लिए अभियान चला रहे थे ।

कश्मीर पर टिप्पणी से पहले अपना घर संभाले चीन, हांगकांग और उइगर मुद्दों पर करे बातः अशोक सज्जन

इंटरनेशनल डेस्क।

भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा और दक्षिण चीन सागर को लेकर तनाव बना हुआ है। पाकिस्तान और नेपाल को उकसा करचीन भारत के खिलाफ साजिशें रच रहा है। पाकिस्तान के जिस कश्मीर एजेंडे को वैश्विक मंचों ने खारिज कर दिया उसे चीन हवा दे रहा है। चीन का मकसद पाकिस्तान में आंतकवाद को बढ़ावा देकर जहां भारत को नुकसान पहुंचाना है वहीं पाक में अपने कब्जे को बढ़ाना भी है। कजाकिस्तान, स्वीडन और लात्विया में भारत के पूर्व राजदूत अशोक सज्जन ने चीन के दोहरे चरित्र पर निशाना साधते हुए कहा कि ड्रेगन जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर तो भारत पर उंगली उठाता है लेकिन हांगकांग और उइगर मुसलमानों पर अत्याचारों पर चुप्पी क्यों साध जाता है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ सवाल खड़े करने से पहले चीन अपने गिरेबां में झांके । उन्होंने कहा कि अगर हांगकांग और उइगरों का मसला चीन का आंतरिक मामला है तो जम्मू और कश्मीर भारत का आंतरिक मामला है। अपने ट्वीटर पर अशोक सज्जहार ने लिखा, चीन हांगकाग, ताइवान, तिब्बत, शिनजियांग मुद्दों पर टिप्पणी करने के बारे में भारत को चेतावनी देता है क्योंकि वे चीन के आंतरिक मामले हैं। लेकिन चीन स्वयं जम्मू-कश्मीर के बारे में बोलता है और ह्स्ट में भी इस मामले को उठाता है। ये कैसा पाखंड! भारत को वन चाइना पॉलिसी पर गंभीरता से पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी शुक्रवार को पाकिस्तान-चीन की दूसरी वार्षिक रणनीतिक वार्ता के जवाब में कि जिसमें दोनों देशों ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे और अफगान शांति प्रक्रिया के साथ कश्मीर मुद्दे पर चर्चा की। चीनी विदेश मंत्री वांग यी और उनके पाकिस्तानी समकक्ष शाह महमूद कुरैशी कश्मीर वार्ता में एक बार फिर स्पष्ट रूप से कहा कि कश्मीर द्विपक्षीय मुद्दा है जिसके खिलाफ दुनिया को साथ देना चाहिए । पाक-चीन के इस बयान पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर भारत का एक अभिन्न और अविभाज्य÷ हिस्सा है ।

अनूठा प्रयोगः भीड़ में कोरोना कैसे फैलता है, जानने के लिए रखा म्यूजिकल कॉन्सर्ट

इंटरनेशनल डेस्क।

कोरोना वायरस पर काबू पाने के लिए वैज्ञानिक इसकी वैक्सीन बनाने में लगे हैं । लेकिन कुछ देश कोरोना के खिलाफ जंग जीतने के लिए नित नए तरीके भी आजमा आ रहे हैं। इसकी मिसाल है जर्मनी का एक दावा जिसकी तस्वीरें वायरल हो रही है। यह तस्वीरे जर्मनी के लिपजिग के स्टेडियम की है। यहां पर कोरोना से जंग के बीच एक अनूठा प्रयोग हुआ। भीड़ में कोरोना का प्रसार कैसे होता है, यह जानने के लिए एक म्यूजिकल कॉन्सर्ट आयोजित किया गया। रिस्टार्ट-19 शीर्षक से आयोजित कॉन्सर्ट में 1500 लोग पहुंचे थे। कॉन्सर्ट में जर्मन गायक जर्मन सिंगर टिम बेन्जको ने प्रस्तुति दी। जर्मनी के यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल हैले द्वारा आयोजित कॉन्सर्ट में एंट्री के वक्त वॉलंटियर्स के तापमान की जांच की गई।

बीते 48 घंटे के दौरान उनका कोरोना टेस्ट भी किया गया था। वॉलेंटियर्स का टेस्ट में निगेटिव होना जरूरी था। कॉन्सर्ट में 400 हजार लोगों ने हिस्सा लिया। स्टडी का नतीजा 4 से 6 हफ्तों में जारी किया जा सकता है। कॉन्सर्ट में शामिल होने वाले लोगों गर्दन में पहनने के लिए एक डिवाइस भी दी गई। तीन स्तरों पर कॉन्सर्ट हुआ। पहली स्थिति में जरा भी सोशल डिस्टेंसिंग नहीं रखी गई। दूसरे में थोड़ी सोशल डिस्टेंसिंग और तीसरे में और भी ज्यादा डिस्टेंसिंग रखी गई।

अमेरिका ने कोविड-19 के मरीजों के लिए प्लाज्मा उपचार को मंजूरी दी

वाशिंगटन।

अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कोरोना वायरस के मरीजों के इलाज के लिए रक्त प्लाज्मा के उपयोग के लिए आपात मंजूरी दी है और कहा कि इस उपचार के फायदे किसी भी संभावित जोखिम से अधिक हैं। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने रविवार को कहा कि देश में कोन्वलसेंट प्लाज्मा से 70,000 से अधिक मरीजों का उपचार किया गया और यह प्लाज्मा कोरोना वायरस संक्रमण से उबर चुके लोगों के रक्त से लिया जाता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चार दिवसीय रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन की पूर्व संध्या पर एफडीए के इस कदम का स्वागत किया। इस सम्मेलन में राष्ट्रपति पद के लिए तीन नवंबर को होने वाले चुनाव में ट्रंप को फिर रिपब्लिकन उम्मीदवार नामित किया जाएगा ट्रंप ने व्हाइट हाऊस की ब्रीफिंग में कोरोना वायरस का जिक्र करते हुए कहा, ''आज मैं चाइना वायरस के खिलााफ अपनी लड़ाई में एक वाकई ऐतिहासिक घोषणा करने के लिए खुश हूं क्योंकि यह अनगिनत जिंदगियां बचाएगी।'' उन्होंने कहा, '' इस कदम से इस उपचार तक पहुंच बढ़ जाएगी। '' एक दिन पहले ही उन्होंने एफडीए पर इस बीमारी के लिए टीके और उपचार में राजनीतिक वजह से बाधा पहुंचाने का आरोप लगाया था। ट्रंप ने ट्वीट किया था, '' एफडीए में निहित स्वार्थी तत्व या जो भी है, वह दवा कंपनियों के लिए लोगों पर टीके या उपचार के परीक्षण में बाधा खड़ी कर रहा है।'' उन्होंने कहा, '' स्पष्टतः वे (अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के पूरा हो जाने तक) देरी की आस कर रहे है।'' एफडीए ने विज्ञप्ति में कहा कि कोविड-19 के खिलाफ संघर्ष में अपने प्रयास के तहत उसने अस्पताल में भर्ती कोविड-19 मरीजों पर प्लाज्मा के जांच संबंधी उद्देश्य के लिए।

संक्षिप्त समाचार

खुदाई के दौरान 1200 साल पुरानी गुल्लक मिली, इसमें सोने के सिक्के भरे थे

यरूशलम। इजराइल के पुरातत्वविदों ने सोमवार को घोषणा की कि हाल में उन्हें यवने शहर के पास रक्षित संपत्ति की खुदाई के दौरान शुरुआती इस्लामी काल के सोने के सिक्कों का खजाना मिला है। देश के पुरातत्वविदों-लियात नादाव-जिव और एली हद्दाद ने एक संयुक्त बयान में कहा कि खुदाई में 425 सिक्के मिले हैं जो पूरी तरह सोने से बने हैं। इनमें से अधिकतर लगभग 1,100 साल पहले अब्बासिद काल के सिक्के हैं। यह एक ''अत्यंत दुर्ल खोज है। उन्होंने कहा कि सिक्कों के इस खजाने की खोज युवा स्वयंसेवियों ने की है। खुदाई में सोने के सिक्कों की छोटी 'क्लिपिंग भी मिली हैं जिनका इस्तेमाल छोटी मुद्रा के रूप में किया जाता होगा। सिक्का विशेषज्ञ रॉबर्ट कूल ने कहा कि प्रारंभिक आकलन से पता चलता है कि सिक्के नौवीं शताब्दी के अंतिम काल से हैं जिसे अब्बासिद खलीफा के स्वर्णिम युग के रूप में माना जाता है और जिसका अधिकांश दक्षिण-पश्चिमी एशिया और उत्तरी अफ्रीका पर नियंत्रण था।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के 496 नए मामले सामने आए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में 496 लोगों के कोरोना से संक्रमित पाए जाने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 2,93,261 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने सोमवार को कहा, स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया है कि देश में कोरोना वायरस सक्रमण के 496 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या 2,93,261 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि नौ और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की संख्या 6,224 हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि देशभर में अब तक 2,76,829 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं। 686 रोगियों की हालत गंभीर है।

पाकिस्तानी राजदूत ने बिना इजाजत बेच दिया इंडोनेशिया का दूतावास

इंटरनेशनल डेस्क। पाकिस्तान के मंत्री जहां अपने विवादित बयानों और हरकतों के लिए सुर्खियों में रहते हैं वहीं इसके राजदूत भी कम नहीं हैं। हाल ही में पाक के एक राजदूत का अनोखा कारनामा सामने आया है। जानकारी के अनुसार पाक के एक पूर्व राजदूत ने इंडोनेशिया में तैनाती के दौरान जकार्ता स्थित दूतावास की बिल्डिंग को ही अवैध तरीके से बेच दिया। करीब 19 साल पुराने मामले में पाकिस्तान की शीर्ष भ्रष्टाचार निरोधी संस्था राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (नैब) ने जांच के बाद पूर्व राजदूत मेजर जनरल सईद मुस्तफा अनवर को दोषी ठहराया है। नैब ने बुधवार को जवाबदेही अदालत में सेवानिवृत्त मेजर जनरल अनवर के खिलाफ एक रेफ्रेंस दाखिल किया। नैब ने अदालत को बताया कि अनवर ने 2001-2002 के दौरान जकार्ता स्थित पाकिस्तानी दूतावास की बिल्डिंग को 'कौड़ियों के दाम' पर बेच दिया था। इससे पाकिस्तान को 13.20 लाख डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नैब की जांच में सामने आया है कि पूर्व राजदूत अनवर दूतावास बिल्डिंग को जकार्ता में अपनी तैनाती के तत्काल बाद ही बेचने पर आमादा थे। इसके लिए उन्होंने पाकिस्तान विदेश मंत्रालय से इजाजत लिए बिना एक विज्ञापन भी जारी कर दिया था। बिक्री की प्रक्रिया चालू होने के बाद अनवर ने इससे जुड़ा प्रस्ताव विदेश मंत्रालय को भेजा था। विदेश मंत्रालय ने हालांकि दूतावास की बिल्डिंग की बिक्री पर रोक लगा दी थी और अनवर को कई पत्र भेजकर इसकी जानकारी भी दे दी थी।

अरब गैस पाइपलाइन में विस्फोट; सीरिया में ब्लैकआऊट, ऊर्जा मंत्री को हमले का डर

दुबई। अरब गैस पाइपलाइन में विस्फोट से सीरिया में हड़कंप मच गया है। विस्फोट के बाद सीरिया में बिजली गुल हो गई है। विस्फोट से पाइपलाइन पर हमले का शक जताया जा रहा है। देश के ऊर्जा मंत्री ने सोमवार को राज्य द्वारा संचालित टेलीविजन को इसकी जानकारी दी है। एक टीवी चैनल ने विस्फोट की तस्वीरों को प्रसारित किया, जिसमें विस्फोट के बाद आग की लपटें उठ रही हैं। अधिकारियों ने कहा कि ये विस्फोट राजधानी दमिश्क के उत्तर पश्चिम में स्थित सीरियाई कस्बे एड डुमायर और आद्रा के बीच हुआ है। पेट्रोलियम और खनिज संसाधन मंत्री अली घनम ने बताया कि शुरुआती संकेतों से पता चला है कि पाइपलाइन पर हमला किया गया था। उन्होंने कहा कि दक्षिण में स्थित ऊर्जा स्टेशनों को इस पाइपलाइन के जरिए ईंधन पहुंचाया जाता है। फिलहाल इस विस्फोट के असल कारणों को जांचने के लिए एक टेक्निकल टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है। जांचने के लिए एक टेक्निकल टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है। वहीं, बिजली मंत्री ने पाइपलाइन विस्फोट को लेकर राज्य की समाचार एजेंसी सना के हवाले से कहा कि देश के प्रांतों में बिजली धीरे-धीरे बहाल होनी शुरू हो गई है। गौरतलब है कि 2013 में देश के गृहयुद्ध के दौरान विद्रोही गोलाबारी से गैस की पाइपलाइन में विस्फोट हो गया था और पूरे सीरिया की बिजली गुल हो गई थी। बता दें कि, अरब गैस पाइपलाइन प्रणाली मिस्र से जॉर्डन और सीरिया तक फैली हुई है।

ट्रंप की शीर्ष सहयोगी केलीएन कोनवे की व्हाइट हाउस से रुखसती

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सबसे प्रभावशाली एवं लंबे समय तक सेवा देने वाली सलाहकार केलीएन कोनवे ने रविवार को घोषणा की कि वह महीने के अंत में व्हाइट हाउस से रुखसत हो जाएंगी। कोनवे 2016 में राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में ट्रंप की अभियान प्रबंधक थीं। वह पहली महिला थीं जिन्होंने व्हाइट हाउस में अपनी जगह बनाई और फिर राष्ट्रपति की वरिष्ठ सलाहकार बनीं। उन्होंने अपने फैसले की सूचना ट्रंप को ओवल ऑफिस में दी। कोनवे ने रविवार रात पोस्ट किए अपने त्यागपत्र में कहा कि वह अपने चार बच्चों के साथ समय बिताना चाहती हैं। उनके पति, जॉर्ज कोनवे राष्ट्रपति ट्रंप के मुखर आलोचक बन गए हैं और उनका परिवार वाशिंगटन में अफवाहों के बाजार का विषय बन गया है। उन्होंने लिखा, हम बहुत सारे मुददों पर असहमत हैं लेकिन हम उस बात पर एकजुट हैं जो हमारे लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है-- हमारे बच्चे। उन्होंने लिखा, ''अभी के लिए और मेरे प्यारे बच्चों के लिए ड्रामा कम, ममा (मां) ज्यादा होगी। हालांकि, वह इस हफ्ते होने वाले रिपब्लिकन राष्ट्रीय सम्मेलन में बोलने वाली हैं। उनके पति, जो पेशे से वकील हैं और जिन्होंने 2016 अभियान के बाद ट्रंप को नापसंद करना शुरू कर दिया था।

अमेरिका में गतिरोध की भेंट चढ़ा पोस्टल विधेयक, आपात डाक सहायता रुकी

वाशिंगटन।

अमेरिकी डाक सेवा के लिए सहायता का प्रावधान रविवार को गतिरोध की भेंट चढ़ गया क्योंकि व्हाइड हाउस ने नवंबर चुनावों से पहले एजेंसी को मजबूत करने के लक्ष्य से लाए गए आपात वित्तपोषण विधेयक को खारिज कर दिया। सदन की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने सांसदों से इसपर त्वरित कार्रवाई करने की अपील की। पेलोसी ने कहा, जनता अब इस पर कार्रवाई की मांग कर रही है। उन्होंने कहा, मुझे समझ नहीं आता कि अगर संसद इसे खतरे में नहीं डालना चाहती तो इससे कैसे बच सकती है। व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मिडोज ने शनिवार को सदन द्वारा पारित विधेयक को खारिज कर दिया। इसके तहत डाक सेवा को 25 अरब डॉलर देने और पोस्टमास्टर जनरल लुई डीजॉय द्वारा किए गए संचालन संबंधी बदलावों को रोकना था। मिडोज ने इसे एक ÷राजनीतिक वक्तव्य÷ करार दिया और इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप किसी भी अतिरिक्त धन पर केवल विस्तृत कोरोना वायरस राहत पैकेज के हिस्से के तौर पर ही विचार करेंगे। उन्होंने कहा, यह कोई गंभीर विधेयक नहीं था। मिडोज ने कहा, आज कैपिटल हिल में कई डेमोक्रेट्स के साथ हुई बातचीत में मेरा कहना था, अगर आप इसे लेकर गंभीर हैं, तो यह राष्ट्रपति धन एवं सुधार सामने रखने के लिए तैयार है। साथ ही उन्होंने कहा कि वह रविवार को

पेलोसी के साथ बातचीत की योजना बना रहे हैं। यह विधेयक संसद में जाएगा, जहां बहुमत के नेता मिच मैककोनेल, 10 अरब डॉलर के डाक राहत को अगले कोविड-19 राहत पैकेज के तौर पर पारित कराने का प्रयास करेंगे।

दुनिया में कोरोना के 2.36 करोड़ केस; न्यूजीलैंड ने बढ़ाया लॉकडाउन, युएस में ब्लड प्लाज्मा से इलाज को मंजूरी

इंटरनेशनल डेस्क।

दुनिया में कोरोनावायरस संक्रमण के अब तक 2 करोड़ 36 लाख 8 हजार 795 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें 1 करोड़ 61 लाख 742 मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 8 लाख 12 हजार 812 की मौत हो चुकी है। जानकारी के अनुसार कोरोना के बढ़ते मामलों के मद्देनजर न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न ने सोमवार को ऑकलैंड में लॉकडाउन एक हफ्ते के लिए बढ़ा दिया। करीब दो हफ्ते पहले नए मामले सामने आने के बाद न्यूजीलैंड में लॉकडाउन लगाया गया था, जिसका समय 26 अगस्त को पूरा होने वाला था। जेसिंडा ने कहा कि यह लेवल टू का लॉकडाउन होगा। इसमें लोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर कर सकेंगे, लेकिन मास्क लगाना और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना जरूरी होगा। उधर अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) डिपार्टमेंट ने कोरोनावायरस मरीजों के इलाज के लिए ब्लड प्लाज्मा के इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। डिपार्टमेंट की ओर से इमरजेंसी में इसके इस्तेमाल की मंजूरी देने वाला आदेश जारी किया गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उनके कहने पर ही एफडीए ने यह फैसला किया है। हालांकि, एफडीए ने ट्रम्प के इस दावे को दरकिनार किया है। पाकिस्तान में 496 लोगों के कोरोना से संक्रमित पाए जाने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 2,93,261 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने सोमवार को कहा, स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया है कि देश में कोरोना वायरस संक्रमण के 496 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद संक्रमितों की संख्या 2,93,261 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि नौ और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की संख्या 6,224 हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि देशभर में अब तक 2,76,829 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं। 686 रोगियों की हालत गंभीर है। दक्षिण कोरिया में लगातार 11वें दिन भी सोमवार को तीन अंकों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले सामने आए। कोरिया रोग नियंत्रण एवं बचाव केंद्र (केसीडीसी) ने बताया कि 266 में से ज्यादातर मामले सियोल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र से सामने आए हैं। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां देश की कुल 5.1 करोड़ जनसंख्या की आधी आबादी रहती है, इसके अलावा बुसान, देजोंग और सेजोंग समेत अन्य बड़े शहरों से भी संक्रमण के मामले सामने आए हैं। देश में रविवार से बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने पर रोक लगा दी गई है, रात में खुले रहने वाले कई स्थल और गिरजाघरों को बंद करने के साथ ही पेशेवर खेलों के कार्यक्रमों में प्रशंसकों के शामिल होने पर रोक लगा दी गई है। कार्यक्रमों में प्रशंसकों के शामिल होने पर रोक लगा दी गई है। वहीं चीन में लगातार आठवां ऐसा दिन बीत गया जब यहां स्थानीय संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है। यहां बीजिंग अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम इस सप्ताह आयोजित होगा। इससे पहले यह अप्रैल में आयोजित होने वाला था। चीन में सोमवार को 16 नए मामले सामने आए हैं लेकिन ये सभी विदेश की यात्रा करने वाले यात्रियों से जुड़े हैं।

'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' के दौरान अमेरिकियों पर ध्यान केन्द्रित करेंगे ट्रम्पः मीडोज

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' (आरएनसी) में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिकी लोगों पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। आरएनसी में ट्रम्प को नवम्बर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन का आधिकारिक तौर पर उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। सोमवार से शुरू होने वाले इस सम्मेलन के अंतिम दिन बृहस्पतिवार को ट्रम्प व्हाइट हाउस के 'साउथ लॉन्स' से नामांकन स्वीकार करते हुए अपना भाषण देंगे। आरएनसी के 24 से 27 अगस्त के बीच आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में उप राष्ट्रपति माइक पेंस (61) को भी एक बार फिर उप राष्ट्रपति पद को रिपब्लिकन उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। व्हाइट हाउस चीफ ऑफ स्टाफ मार्क मीडोज ने 'फोक्स न्यूज' को रविवार को बताया, '' इस सप्ताह आरएनसी में राष्ट्रपति अमेरिकी लोगों पर ध्यान केन्द्रित करेंगे।''उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प को चुनौती देने वाले (डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार) जो बाइडेन के पास करने को कुछ नहीं है, जो हमने उनके कन्वेंशन के भाषण में भी देखा। मीडोज ने कहा, '' हम जब उसे देखते हैं....जो बाइडेन के भाषण को सुनते हैं। वह काफी हद तक 2008 में दिए उनके भाषण की तरह है। लेकिन यह भाषणों के बारे में नहीं है... बाइडेन 40 साल से राजनीति में हैं और राजनेता भाषण देते हैं।''उन्होंने कहा, '' हमें कुछ ठोस कदम चाहिए। जैसा राष्ट्रपति ट्रम्प ने हर एक दिन किया है। जो बाइडेन ने मुश्किल से दो विधेयक पारित किए होंगे.....''उन्होंने कहा कि जो बाइडेन ने 40 वर्ष के राजनीति करियर से अधिक ट्रम्प ने अपने पहले 100 दिन के कार्यकाल में हासिल किया है।

रूस-चीन की दोस्ती में आई दरार, पुतिन का भारत अमेरिका की तरफ बढ़ा झुकाव

इंटरनेशनल डेस्क।

दुनिया के दो सुपरपावर देश रूस और चीन एक-दूसरे के खास दोस्त समझते हैं और इस बात का खुलकर इजहार भी करते हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अब तक करीब 30 बार मिल चुके हैं लेकिन इस सबके बावजूद अब इन दोनों की दोस्ती में दरार पड़ रही है। इसका सबसे बड़ा कारण है चीन की दादागिरी और महत्वकांशी रवैया जिस कारण रूस अब भारत और अमेरिका के करीब आ रहा है। रूस और चीन के बीच गतिरोध के तीन प्रमुख कारण हैं रूस के सुदूरवर्ती शहर व्लादिवोस्तोक पर चीन का दावा, रूस की ओर से भारत को हथियारों की डिलीवरी और चीन को स-400 मिसाइलों की डिलिवरी में देरी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने शीतयुद्ध के दौरान सोवियत संघ को निपटाने के लिए जिस तरह चीन को अपने पक्ष लाया था, उसी तरह ट्रंप प्रशासन अब चीन पर काबू लिए रूस को अपने पाले में लाना चाह रहा है। अब तक इसे असंभव कहे जाने वाले सुझाव पर अमेरिका के रक्षा मंत्री माइक पोम्पियो से जब पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं नहीं समझता हूं कि वहां पर ऐसा कोई अवसर है। इशके अळावाभारत के साथ लद्दाख में सीमा विवाद बढ़ा रहे चीन ने अब रूस के शहर व्लादिवोस्तोक पर अपना दावा किया है। चीन के सरकारी समाचार चैनल सीजीटीएन के संपादक शेन सिवई ने दावा किया कि रूस का व्लादिवोस्तोक शहर 1860 से पहले चीन का हिस्सा था। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि इस शहर को पहले हैशेनवाई के नाम से जाना जाता था जिसे रूस से एकतरफा संधि के तहत चीन से छीन लिया था। चीन में सभी मीडिया संगठन सरकारी हैं। इसमें बैठे लोग चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के इशारे पर ही कुछ भी लिखते हैं। कहा जाता है कि चीनी मीडिया में लिखी गई कोई भी बात वहां के सरकार के सोच को दर्शाती है। बहरहाल, व्लादिवोस्तोक शहर पर चीन के दावे के बाद रूस के साथ उसके संबंधों में खटास आई है। रूस व्लादिवोस्तोक को रूलर ऑफ द ईस्ट कहता है जबकि चीन के सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स ने इसे हैशेनवाई बताया है। चीन में ऐसे कई पोस्टर लगाए गए हैं जिसमें सरकार से हैशेवाई पर स्थिति स्पष्ट करने और क्रीमिया के बारे में अपना रुख बदलने की मांग की गई है। रूस ने वर्ष 1904 में चीन पर कब्जा कर लिया था। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन में इस वर्चोरोध के बाद रूस को यह अहसास हो गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कटु सत्यः– नशे के अवैध व्यापार के लिए राजनीतिक संरक्षण जिम्मेदार...ज्योति बाबा

मित्र पुलिस का दूसरा रूपः– क्या पुलिस की मदद के बिना ड्रग्स का धंधा चल सकता है.?

संजय मौर्य,उत्तरप्रदेश ब्यूरो

कानपुर काकादेव शिक्षा मंडी में नशे का इतना बड़ा अवैध व्यापार का पकड़े जाना यह जाहिर करता है कि छात्रों को ड्रग्स का लती बनाकर उन्हें समाज विरोधी बनाया जा रहा है क्योंकि ज्ञानी नशे का सेवन करता बनकर बड़ी तबाही का कारण बन जाएगा उपरोक्त बात सोसाइटी योग ज्योति इंडिया व विमला नर्सिंग एंड फार्मेसी कॉलेज कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में कोरोना व नशा भारत छोड़ो कार्यक्रम के तहत नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मानव श्रृंखला का आयोजन हरदौली में करने के बाद हुई सोशल डिस्टेंसिंग सभा में अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्त अभियान के प्रमुख योग गुरु ज्योति बाबा ने कही ज्योति बाबा ने कहा कि कानपुर में जगह–जगह छोटे–छोटे बच्चे सिगरेट के छल्ले उड़ाते ,पान मसाला सेवन करते दिख जाएंगे जो बड़े होकर ड्रग्स एडिक्ट ही बनेंगे, इसीलिए स्वस्थ भारत ,गंदगी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए हमें क्रांतिकारियों सा उत्साह भरकर भारत के बच्चों का बचपन नशे के रोग से बचाने का महाअभियान सामूहिक रूप से चलाना ही होगा वरना यह नशे के रोग से बीमार युवा भारत की आर्थिक राजनीतिक और सामाजिक स्वतंत्रता को नष्ट कर विकास के पथ से विमुख कर देगा, ज्योति बाबा ने आगे कहा की एक ओर कोरोना मिटाने का गंभीर प्रयास सरकार कर रही है लेकिन पान मसाला तंबाकू का प्रचलन बढ़ाकर युवाओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता को खत्म कर बीमार भी बना रही है डॉ अजीत सिंह डायरेक्टर फैमिली हॉस्पिटल ने कहा कि जो लोग शिवजी के नाम से नशे के सेवनकर्ताओं कि बड़ी फौज साधु और संतों के साथ खड़ी रहती है हमें इन सभी कुरीति का सामाजिक बहिष्कार करना होगा वरना यह इसे यूं ही धर्म से जोड़कर अपनी दुकानें बढ़ाते रहेंगे। कोरोना काल में बढ़ी बेरोजगारी ने भी नशे के अवैध कारोबार को कई गुना बढ़ाया है, हमें समाज के उन लोगों को भी सम्मानित करना चाहिए जो ऊंचे ओहदे पर होने के बावजूद नशा व मांसाहार से कोसों दूर हैं। स्वामी गीता ने कहा कि शराब पर प्रतिबंध लगाकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति को दिखाकर दूसरे मुख्यमंत्रियों के सम्मुख ऐसा करने का उत्कृष्ट उदाहरण रखा है क्योंकि आज बिहार में दूध दही और दूसरे पौष्टिक पदार्थों की खपत के साथ महिला हिंसा शोषण और अत्याचार में भारी कमी हुई है

इसीलिए नीतीश कुमार जी नशा मुक्त भारत अभियान के आज जीवंत प्रेरणा पुरुष बन चुके हैं।मानव श्रृंखला में भाग लेने वाले अन्य प्रमुख राकेश चौरसिया, मुन्ना, रोली, स्वामी गीता ,पंखुड़ी, अनामिका, संजना, कविता आदि उपस्थित रहे।

पति ने पीटकर लगायी आग

गंभीर हालत में भीतरगांव अस्पताल से कानपुर रिफर

भीतरगाव। चौकी के रावतपुर चौधरियान में घर में अकेली रह रही विवाहिता संदिग्ध अवस्था में आग से जली पड़ी मिली। कुछ घंटे पहले ही पति की पिटाई के चलते पत्नी को चिल्लाते हुए सुना गया था। घटना के बाद से पति घर से भाग गया। पुलिस के मुताविक घर में केवल विवाहिता ही रहती है सास ससुर और पति नहीं रहते है। सूचना पाकर भीत. रगांव पुलिस ने जली युवती को भीतरगांव सीएससी में भर्ती किया जहां गंभीर हालत में उसे कानपुर रिफर किया गया है।

पुलिस चौकी भीतरगाव के रावतपुर गांव निवासी दिनेश मिश्रा का लड़का अनुराग मिश्रा जुआ और शराब का लती है । करीब 2 वर्ष पहले उसकी शादी ज्योति (28) निवासी बिनौर थाना सचेंडी के साथ हुई थी। शराबी पति अनुराग के मारपीट से परेशान पत्नी ज्योति के मायके वालों ने पति के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया था। जिसका मामला माती कोर्ट में लंबित है।

रविवार शाम को रावतपुर घर में पत्नी ज्योति के पास शराब के नशे धुत होकर पहुचे अनुराग ने पत्नी के साथ मारपीट की। बारिश बंद होने के बाद घर के अंदर चीख–पुकार मचाए ज्योति धू धू कर जल रही थी।

भीतरगांव चौकी इंचार्ज राजेश बाजपेई ने बताया कि ज्योति को आनन फानन भीतरगांव सीएससी लाया गया जहां उसका इलाज शुरू है उसे कानपुर रिफर किया

सार–समाचार

इलाज के दौरान नाबालिग से डॉक्टर ने चेकअप के बहाने की अश्लीलता ।

हंगामे की सूचना पर पहुंची किदवई नगर थाने की पुलिस, आरोप के आधार पर मामले की जाँच में जुटी ।

10 सूत्रीय मांगों का महामहिम राष्ट्रपति एवं राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा गया

कानपुर सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ भागीदारी संकल्प मोर्चा के आह्वान पर जन अधिकार पार्टी के संस्थ. ापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष बाबू सिंह कुशवाहा के निर्देशानुसार आज लगातार दसवीं सोमवार को जिला कानपुर नगर में 10 सूत्रीय मांगों का महामहिम राष्ट्रपति एवं राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के दौरान जिला अध्यक्ष नगर अमित सिंह कुशवाहा, जिला सलाहकार मनोज कुशवाहा, कल्यानपुर विधान सभा अध्यक्ष विमल कुशवाहा एवं संगठन मंत्री सुमित जी उपस्थित रहे।

50 लोगों ने ली राष्ट्रीय विकलांग पार्टी की सदस्यता

कानपुर नगर के बाबूपुरवा में राष्ट्रीय विकलांग पार्टी का सदस्यता ग्रहण समारोह आयोजित हुआ द्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार उप. स्थित थे। अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार वर्मा ने किया विशिष्ट अतिथि के रूप में मण्डल अध्यक्ष अशोक कुमार व जिला अध्यक्ष राहुल कुमार उपस्थित थे राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने राजेश कुमार नन्द किशोर प्रजापति,आरिफ खांन , आदित्य कुमार साहू,शाबिर हुसैन, कान्ति वर्मा, जय देवी वर्मा,मो.सिराज, संदीप कुमार , विजय गुप्ता, सचिन केसरवानी, ओम प्रकाश दुबे, मोहम्मद शब्लू सहित कुल 50 लोगों को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करायी इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव वीरेन्द्र कुमार ने कहा की विकलांग, विधवा, महिला, युवा व किन्नर समाज को राजनैतिक भागीदारी दिलाने के लिये राष्ट्रीय विकलांग पार्टी चुनाव मैदान में उतरेगीद्य समाज के सभी वर्गों को रोटी कपडा मकान दिलाने के लिये संकल्प लिया हैजिला अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा की राष्ट्रीय विकलांग पार्टी बूथ लेबिल कमेटी तैयार कर रही है द्य बूथ लेबल कमेटी तैयार करने के बाद समाज के सभी वर्गों को उनका अधिकार दिलाने के लिये संघर्ष शुरू किया जायेगा।

संजीत यादव के मामले को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी से मिला

कानपुर,**(संजय मौर्य,उत्तरप्रदेश ब्यूरो)** 2 माह पूर्व बर्रा निवासी संजीत यादव के अपहरण के बाद हत्या किये जाने से हताहत उनके परिजनों के साथ आज कांग्रेस का एक प्रतिनिधि मण्डल जिलाधिकारी ब्रह्मदेव राम तिवारीसे मिलकर 6 सूत्री मांग पत्र देकर अविलम्ब कार्यवाही सुनिश्चित कराने की मांग की।

कांग्रेस के प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी से कहा कि 22 जून को अपहरण के बाद हत्या किये जाने के बावजूद संजीत यादव की बॉडी पुलिस द्वारा आ. जतक ढूढ़ी नही जा सकी न ही दोषी पुलिस कर्मियो के खिलाफ हत्या का मुकदमा लिख करके कार्यवाही की गई तथा फिरौती मे जिस बैंग का इस्तेमाल किया गया था उसको भी ढूढ़ पाने मे पुलिस नाकाम रही हैं। हत्या मे प्रयोग की गई रस्सी आजतक बरामद नही की गई जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि पुलिस प्रशासन अपने पुलिस कर्मचारियों को बचाने की नियत से कार्यवाही मे हीला हवाली कर रही हैं।

कांग्रेस प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी का ध्यान इस ओर भी दिलाया की उपरोक्त प्रकरण की जांच सीबीआई से कराने के लिए परिवारी जनो को आश्वस्त किया गया था लेकिन आजतक कोई कार्यवाही नही हुई और ऐसा प्रतीत होता है कि उसे ठंडे बस्ते मे डाल दिया गया है ताकि घटना की सच्चाई सामने न आ सकें। क्योकि इसमे पुलिस अधीक्षक स्तर तक के अधिकारी भी संदिग्ध हैं।

कांग्रेस प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी से कहा कि मृतक परिवारीजनो के पास कोई आय का साधन नहीं है जिससे घर परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है मृतक संजीत यादव ही पूरे परिवार का भरण पोषण का एकमात्र सहारा था इन परिस्थितयों मे मृतक की बहन को सरकारी नौकरी दिलाई जाये जिसके लिए आपने भी आश्वस्त किया था जिलाधिकारी ने सभी बिन्दुओं पर विचार कर अविलम्ब कार्यवाही कराने के लिए प्रतिनिधि मण्डल को आश्वस्त किया।

र्प्रतिनिधि मण्डल मे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मह. ासचिव मनोज यादव, शहर अध्यक्ष हरप्रकाश अग्निहोत्री, पूर्व संसद राजाराम पाल, युवक कांग्रेस अध्यक्ष कनिष्क पाण्डेय, विधायक सोहिल अंसारी, विकास अवस्थी और संजीत यादव के पिता चमन लाल शामिल थें।

विकलांग उत्पीडन व जमीन को अवैध

कब्जेदारो से मुक्त कराने के लिए डी एम, एस एस पी को राष्ट्रीय विकलांग पार्टी ने दिया ज्ञापन

कानपुर(संजय मौर्य,उत्तरप्रदेश ब्यूरो) राष्ट्रीय विकलांग पार्टी ने विकलांग उत्पीडन को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिक्षक व जमीनो पर कब्जे को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा ।

राष्ट्रीय विकलांग पार्टी के जिलाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया की विकलांग प्रेम चन्द्र तिवारी, चन्द्र प्रकाश का उत्पीडन हो रहा है द्य पुलिस दिव्यांगजन अधि ानियम 2016 के तहत कार्यवाही नहीं कर रही है। भू माफियाओ द्वारा आम रास्ते पर कब्जा कर विकलांग रामकुमार गुप्ता को खेत पर आने जाने वाले रास्ते को रोक दिया है जिससे खेत पर आने जाने में दिक्कत हो रही है आज दिव्यांगजन अधिनियम 2016 के अनुपालन की भी मांग की गयी और विकलांग प्रेम चन्द्र तिवारी के मुकदमे में दिव्यांगजन अधिनियम की धारा बढाने की मांग की गयी । आज ज्ञापन देने वालो मे जिलाध्यक्ष राहुल कुमार के अलावा अरविन्द सिंह, दिलिप कुमार, पवन राने, प्रेम कुमार तिवारी, रामकुमार गुप्ता आदि शामिल थे।

नहाने गये युवक की डूबने से मौत

कानपुर(नारायण मिश्रा) (घाटमपुर)भीतरगांव चौकी क्षेत्र के पडरी लालपुर गांव मे सुबह 10 बजे दोस्तों के संग नहाने गये युवक की तालाब मे डूबकर मौत हो गई मौके पर पहुंची भीतरगांव चौकी पुलिस ने लगभग 2 घंटे की कडी मशक्कत के बाद शव को तालाब से निकाला गया

पडरी लालपुर गांव निवासी रोहित उर्फ दीपू (24) पुत्र मुन्ना शर्मा अपने दोस्तो के संग सुबह 10 बजे के लगभग गांव के पूर्वी छोर स्थित बिर्सिह ताला सार्वजनिक तालाब में कूदकर नहा रहा था कि अचानक एक गहरे गड्ढे मे चले जाने पर निकल नहीं सका कुछ देर बाद सहयोगी दोस्तों ने जब दीपू को गायब देखा तो तालाब मे खोजना शुरु किया काफी देर बाद डूबने की बात संज्ञान मे आई और पुलिस को सूचित किया ।

मौके पर पहुंची चौकी भीत. रगांव पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद डूबने के लगभग दो घंटे बाद शव को निकाला जा सका

मृतक दीपू का छोटा भाई मोनू की बीते वर्ष करंट की चपेट में आकर मौत हो गई थी पिता मुन्ना शर्मा की बीमारी के चलते कई वर्षों पहले मौत हो गई थी अब केवल मां राखी देवी ही परिवार मे बची है

थाना प्रभारी साढ प्रयाग नारायण बाजपेयी ने बताया कि चौकी इंचार्ज भीतरगांव राजेश कुमार बाजपेयी के कोर्ट मे होने के कारण चौकी इंचार्ज साढ कृष्णमोहन ने पंचनामा करके शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है

जनता पुलिस को पुलिस नही पुलिस मित्र समझे और इसकी मिशाल बने है शहर कोतवाल अतुल सिंह

क्रांति समय संवाददाता

रायबरेली आखिर पुलिस भी हम सब की तरह एक आम इंसान होती है लेकिन दिन रात केवल जनता चैन की नींद सो सके इसलिए अपनी ड्यूटी करती है अगर मारपीट होती है तो सबसे पहले पुलिस ही पहुचती है अगर कोई चोरी होती है तो भी लोग पुलिस को ही बुलाते है शहर में कोई भी घटना हो तो मौके पर पुलिस ही पहुचती है लेकिन लोग पुलिस को इस तरह से बादनाम करेंगे कि जैसे लगता है कि ये सारे काम पुलिस ही करवा रही है आखिर पुलिस है कोई जादू की मशीन नही जो किसी घटना से पहले ही घटना स्थल पर पहुच कर उस घटना को रोक ले पुलिस तभी रोक पाएगी जब जनता पुलिस को पुलिस नही पुलिस मित्र समझे और इसकी मिशाल बने है शहर कोतवाल अतुल सिंह जिन्होंने सबसे हटकर रायबरेली में एक अलग छवि बनाई और आज जनता अतुल सिंह को रियल हीरो मानने लगी है और यही कारण है कि शहर कोतवाल को भारत सरकार के द्वारा सम्मानित भी किया गया जहा एक ओर पुलिस के अधिकारी जनता से मिलते नही और सीधे मुह बात नही करते वही शहर कोतवाल जनता की समस्या सुनकर उसकी निष्पक्ष जांच करवा कर उचित कार्यवाही भी करते है अभी हाल ही में लॉक डाउन के दौरान अतुल सिंह के द्वारा न जाने कितने परिवारो को अपने पास से राशन उपलब्ध कराया तो किसी को दवा मंगा कर दी और तो और अगर कोई व्यक्ति अपनी परेशानी बताता था तो उसकी भी मदद की यही कारण है कि रायबरेली की जनता शहर कोतवाल अतुल सिंह की चारो ओर सराहना करती देखी जाती है ओर अब तक कोई शहर कोतवाल की कार्य शैली पर सवाल नही उठा सका जहा अतुल सिंह से शहर की जनता खुश रहती है वही विभाग के लोग भी अतुल सिंह से खुश रहते है एक पुलिस कर्मी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अतुल सिंह को कोई भी पुलिस कर्मी अगर काम सही से नही करता तो उन्हें बहुत गुस्सा भी आता है और उस पुलिस कर्मी को जमकर फटकार भी लगाते है और आगे के लिए हिदायत भी दे देते है कि काम के प्रति लाप. रवाही कतई बर्दाश्त नही की जाएगी वैसे अतुल सिंह को चार्ज संभाले एक साल से ऊपर हो गया है लेकिन चार्ज संभालने के बाद से ही रायबरेली के टॉप टेन हिस्ट्रीशीटर अनिल दुबे सुभाष कश्यप सचिन सोनकर सहित कई हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार करके जेल भेजा है वही टॉप 10 अपराधियों में से कई लोग अभी भी जेल में है जहां शहर कोतवाल अतुल सिंह किसी भी बेगुनाह को जेल न जाना पड़े इसकी लिए कभी कभी खुद ही विवेचना करने लगते है और अपने चौकी इंचार्ज से भी कह रख्खा है

कि आप सभी लोग पुलिस की छवि को साफ सुथरा रख्खे और किसी भी फरयादी को किसी भी प्रकार की दिक्कत न होने पाए तभी आप और हम सब की मेहनत रंग लाएगी लोग पुलिस को पुलिस मित्र समझे आप लोग इस तरह से काम करे और जनता का भरोसा जीते वही अतुल सिंह ने जनता से भी अपील की है

कि आप लोग पुलिस को पुलिस मित्र समझे क्योंकि पुलिस आपकी हर संभव मदद करेगी वही कहा कि किसी भी अपराधी को बक्सा नही जाएगा और मेरी कोशिश रहती है

कि रायबरेली अपराध मुक्त बने

दबंगो ने महिला और उसकी पुत्रियों को जमकर पीटा

क्रांति समय संवाददाता

रायबरेली हरचंदपुर थाना क्षेत्र के मुबारकपुर गाँव मे उस वक्त हड़कम्प मच गया जब एक ही परिवार के पांच से छ दबंग किस्म के लोगो ने आपसी रंजिश में एक महिला सहित उसकी पुत्री पर हमला कर दिया और लोहे की फुकनी सहित लोहे की राडो से जमकर मारा जिसमे चंद्रकली देवी पत्नी रामदत्त को गंभीर चोट आई वही तीन पुत्रियां जब माँ को बचाने पहुची तो दबंगो ने पुत्रियों को भी जमकर पीटा और जान से मारने की धमकी भी दी बताया जाता है कि मामला जमीन को लेकर है और बड़े भाई और उसके पुत्रो ने अपने छोटे चाचा की पत्नी व उसके बच्चो को जमीन के लिए मारा क्योंकि पिछले एक साल से जमीन को लेकर दोनों भाइयों में कहा सुनी होती रहती थी उसी बात से नाराज रामअवध और उसके पुत्रो ने देर शाम गाली गलौच करने लगे जिस बात को लेकर चंद्रकली बोली तो उसको मारना शुरू कर दिया वही ।

चंद्रकली पत्नी रामदत्त की माने तो आये दिन ये लोग गालीगलौज करते रहते है

और जब शाम को घर पहुचे तो गाली गलौज करने लगे जब मैंने बोला तो मुझे और मेरी बेटियों को मारना शुरू कर दिया वही पुलिस ने महिला को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल भेजा जहा महिला की चोट को देखते हुए भर्ती कर लिया गया अब देखना होगा कि आखिर इसमे क्या कार्यवाही करती है हरचंदपुर पुलिस सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या बेखौफ दबंगो को पुलिस का भी डर नही रहा

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रामविलास पासवान फोर्टिस एस्कॉर्ट अस्पताल में भर्ती, फेफड़ों और किडनी में परेशानी की शिकायत

नेशनल डेस्क।

केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उनको दिल्ली के फोर्टिस एस्कॉर्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि उनको फेफड़ों और किडनी में परेशानी की शिकायत के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 74 वर्षीय रामविलास पासवान की हालत स्थिर बनी हुई है। उनके इलाज में जुटे डॉक्टरों का कहना है कि पासवान कई तरह की परेशानियों से जूझ रहे हैं। उनका हृदय भी ठीक तरीके से काम नहीं कर रहा है लेकिन राहत की बात यह है कि उनकी हालत स्थिर है। बता दें कि रामविलास पासवान मोदी सरकार में उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय का पदभार संभाल रहे और साथ ही वे बिहार की लोक जन शक्ति पार्टी के प्रमुख भी हैं। बता दें कि रामविलास पासवान मोदी सरकार में उपभोक्ता मामले और खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय का पदभार संभाल रहे और साथ ही वे बिहार की लोक जन शक्ति पार्टी के प्रमुख भी हैं। पिछले 32 सालों में अब तक वे 11 चुनाव लड़ चुके हैं और 9 चुनाव जीत चुके हैं। रामविलास पासवान 6 बार केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। 16वीं लोकसभा में वो बिहार के हाजीपुर लोकसभा सीट से सांसद हैं।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी ने कांग्रेस नेताओं पर उठाए सवाल, पूछा- सोनिया गांधी को क्यों लिखा पत्र?

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पार्टी में नेतृत्व के मुद्दे पर सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले नेताओं पर निशाना साधा और कहा कि जब पार्टी राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में विरोधी ताकतों से लड़ रही थी और सोनिया गांधी अस्वस्थ थीं तो उस समय ऐसा पत्र क्यों लिखा गया। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में कहा कि जब हम राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में विरोधी ताकतों से लड़ रहे थे और सोनिया अस्वस्थ थीं तो उस समय यह पत्र क्यों लिखा गया । नेतृत्व के मुद्दे पर कांग्रेस के दो खेमों में नजर आने की स्थिति बनने के बीच पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारण इकाई सीडब्ल्यूसी की बैठक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से हो रही है। सीडब्ल्यूसी की बैठक से एक दिन पहले रविवार को पार्टी में उस वक्त नया सियासी तूफान आ गया जब पूर्णकालिक एवं जमीनी स्तर पर सक्रिय अध्यक्ष बनाने और संगठन में ऊपर से लेकर नीचे तक बदलाव की मांग को लेकर सोनिया गांधी को 23 वरिष्ठ नेताओं की ओर से पत्र लिखे जाने की जानकारी सामने आई। इस पत्र की खबर सामने आने के साथ ही पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ एवं युवा नेताओं ने सोनिया और राहुल गांधी के नेतृत्व में भरोसा जताया और इस बात पर जोर दिया कि गांधी परिवार ही पार्टी को एकजुट रख सकता है।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में कार के खाई में गिरने से दो लोगों की मौत

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में एक कार के गहरी खाई में गिरने से एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। वहीं महिला के पति और उनकी दो बेटियां जख्मी हो गईं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह घटना दग्गन टॉप पर हुई। रविवार शाम में गूल से जुड्डु अर्नास जाने के दौरान घने कोहरे की वजह से चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया। उन्होंने बताया कि कार 60 फुट गहरी खाई में जा गिरी, जिसकी वजह से 24 वर्षीय चालक रेयाज अहमद और 28 वर्षीय समीना अख्तर की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि अख्तर के पति मोहम्मद शकील, उनकी छह साल की बेटी मायरा और आठ महीने की बच्ची मेहर को घायल अवस्था में अस्पताल पहुंचाया गया।

पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में एलओसी के पास गोलाबारी की

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम इलाकों में पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को गोलीबारी की और मोर्टार से गोले दागे। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय सेना ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने बताया कि सुंदरबनी सेक्टर में सीमा पार से गोलीबारी और गोलाबारी अपराह्न डेढ़ बजे शुरू हुई और आखिरी रिपोर्ट मिलने तक जारी थी। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने बिना किसी उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार से गोले दागकर संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया। प्रवक्ता ने बताया कि भारत की ओर किसी के हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है।

मुंबई में अब तक 3716 पुलिसकर्मी कोरोना संक्रमित, जवानों की रिकवरी दर 80 फीसदी के पार

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र पुलिस पर कोरोना वायरस का कहर निरंतर जारी है और पिछले 24 घंटों में 102 और जवानों के संक्रमित होने से संक्रमितों की संख्या सोमवार को बढ़कर 13,716 हो गई तथा एक और की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 139 पहुंच गया लेकिन राहत की बात यह है कि जवानों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 80 फीसदी के पार हो गई है। महाराष्ट्र पुलिस के आज जारी आंकड़ों के अनुसार बल के अब तक हुए कुल कोरोना संक्रमित में 1426 अधिकारी और 12,260 जवान हैं। बल के कुल संक्रमितों में से 11,049 ने कोरोना को शिकस्त दे दी है। कोरोना को मात देने वालों में 1110 अधिकारी और 9939 कर्मी हैं। यानि कोरोना मरीज पुलिसकर्मियों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 80.55 फीसदी पहुंच गई है। कुल सक्रिय 2528 मामलों में 331 अधिकारी और 2297 जवान हैं। पुलिस बल के अब तक 139 कर्मियों की कोरोना से जान जा चुकी है जिनमें 15 अधिकारी शामिल हैं।

उच्च रक्तचाप की दवाओं से कोविड-19 से जीवित रहने की दर में हो सकता है सुधारः अध्ययन

नई दिल्ली। उच्च रक्तचाप की दवाओं से कोविड-19 से जीवित रहने की दर में सुधार हो सकता है। साथ ही इससे कोरोना वायरस संक्रमण की गंभीरता में भी कमी आ सकती है। यह बात एक अध्ययन में सामने आयी है। ब्रिटेन के यूनिवर्सिटी आफ ईस्ट एंगलिया के अध्ययनकर्ताओं ने उच्च रक्तचाप की दवाएं ले रहे 28,000 रोगियों पर अध्ययन किया है। करंट एथरोस्कलेरोसिस रिपोर्ट्स पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि उच्च रक्तचाप की दवाएं एंजियोटेंसिन-कन्वर्जिंग एंजाइम इनहिबिटर्स या एंजियोटेंसिन रिसेप्टर ब्लॉकर्स ले रहे उन रोगियों के गंभीर रूप से कोविड-19 की चपेट में आने या मौत का खतरा कम है जो उच्च रक्तचाप से पीड़ित हैं। यूनिवर्सिटी आफ ईस्ट एंगलिया के नोविक मेडिकल स्कूल की ओर से इस अध्ययन में शामिल प्रमुख अध्ययनकर्ता वैसिलियोस वैसिलिओऊ ने कहा, हमने पाया कि उच्च रक्तचाप से पीड़ित एक तिहाई कोविड-19 रोगी और कुल रोगियों के चौथाई रोगियों को एसीईआई या एआरबीएस दी जा रही हैं। हो सकता है हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और मधुमेह के मरीजों के संक्रमण की चपेटे में आने के खतरे को देखते हुए किया जा रहा हो।

प्रशांत भूषण ने न्यायालय से माफ़ी मांगने से फिर किया इनकार, बोले- मैं अपने विचार पर हूं कायम

नेशनल डेस्क।

कोर्ट की अवमानना मामले में वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह उनका विचार था और वह उस पर कायम हैं। भूषण ने न्यायालय से कहा कि अपने विचारों को व्यक्त करने पर सशर्त अथवा बिना किसी शर्त माफी मांगना ठीक नहीं होगा। दरअसल उच्चतम न्यायालय द्वारा अधिवक्ता प्रशांत भूषण को न्यायपालिका के प्रति अपमानजनक ट्वीट के लिये क्षमा याचना से इंकार करने संबंधी अपने बगावती बयान पर पुनर्विचार करने और बिना शर्त माफी मांगने के लिये दी गई डेडलाइन का आखिरी दिन था। प्रशांत भूषण ने कहा कि मेरा बयान सद्भावनापूर्ण था। अगर मैं इस कोर्ट के समक्ष अपने बयान वापस लेता हूं, तो मेरा मानना है कि अगर मैं एक ईमानदार माफी की पेशकश करता हूं, तो मेरी नजर में मेरी अंतरात्मा और उस संस्थान की अवमानना होगी, जिसमें मैं सर्वोच्च विश्वास रखता हूं। उन्होंने आगे कहा कि आज के परेशानी भरे दौर में, भारत के लोगों को अगर किसी से उम्मीद बंधती है तो वो सर्वोच्च न्यायालय है ताकि देश में क़ानून व्यवस्था और संविधान को स्थापित रखा जा सके, नाकि किसी निरंकुश व्यवस्था को। न्यायालय ने अवमानना के लिये दोषी ठहराये गये भूषण की सजा के मामले पर दूसरी पीठ द्वारा सुनवाई का उनका अनुरोध ठुकराया दिया था। न्यायालय ने इस मामले में भूषण को दी जाने वाली सजा के सवाल पर सुनवाई पूरी करते हुये उनका यह अनुरोध भी अस्वीकार कर दिया था कि इस फैसले के खिलाफ अभी दाखिल की जाने वाली पुनर्विचार याचिका पर निर्णय होने तक सुनवाई स्थगित कर दी जाये। न्यायमूर्ति अरूण मिश्रा, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा था कि अगर भूषण बिना शर्त माफीनामा दाखिल करते हैं तो वह 25 अगस्त को इसपर सुनवाई करेगी। भूषण को 'लक्ष्मण रेखा का ध्यान दिलाते हुये शीर्ष अदालत ने सवाल किया था कि इसे क्यों लांघा गया। पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि मुख्य मामले में सजा के सवाल पर दलीलें सुनी जा चुकी हैं। आदेश सुरक्षित रखा गया। हमने अवमाननाकर्ता (भूषण) को बिना शर्त क्षमायाचना करने के लिये।

केन्द्रिय पीएमओ राज्मंत्री का पीआरओ परिवार सहित कोरोना की चपेट में

साम्बा । जिले में कोरोना के नए मामले सामने आने का क्रम जारी है। रविवार को साम्बा जिले में कोरोना के 15 नए मामले दर्ज किए गए। नए मामले सामने आने से जिले में संक्रमितों का कुल आंकड़ा 630 को पार कर गया है। वहीं एक्टिव मामलों की संख्या 200 के पास पहुंच गई है जबकि 430 के करीब मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। रविवार को पाजिटिव पाए गए 15 लोगों में से 5 बाहरी राज्यों से आए यात्री भी शामिल हैं। इनमें विजयपुर के ब्री-कमीला (उत्तरवाहिनी) का एक सेना का जवान भी शामिल है, जो टैक्सी लेकर सडक् मार्ग से दिल्ली से लौटा था। इसके अलावा बड़ी-ब्राहमणा में मेडिकल स्टोर चलाने वाला सुचानी एक युवक भी कोरोना संक्रमित पाया गया। सनद रहे कि सुचानी गांव में अब तक करीब दो दर्जन लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। वहीं जिले के सुचानी के ही रहने वाले भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं केन्द्रिय पीएमओ राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह के पीआरओ (जनसंपर्क अधिकारी) संजीव शर्मा भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उनके साथ ही ही उनकी 80 वर्षीय माँ, पत्नी व बेटा भी संक्रमित पाए गए हैं। गत दिवस कोविड टेस्ट की रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि के बाद संजीव शर्मा व उनकी पत्नी को जम्मू के बत्तरा अस्पताल के कोविड केयर वार्ड में रखा गया है जबकि उनकी माता व बेटे को बड़ी-ब्राहमणा के इएसआई अस्पताल में दाखिल किया गया है।

दिल्ली:खतरे के निशान के करीब पहुंचा यमुना का जल स्तर, बाढ़ से निपटने की पूरी तरह तैयार सरकार

नई दिल्ली। यमुना नदी का जलस्तर दिल्ली में सोमवार को बढ़कर 204.38 मीटर तक पहुंच गया, जो खतरे के निशान के बेहद करीब है। राज्य के जल मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि सरकार बाढ़ जैसी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। एक अधिकारी ने कहा कि हरियाणा के यमुनानगर जिले में स्थित हथिनीकुंड बैराज से सुबह आठ बजे 5,883 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिससे जलस्तर में वृद्धि हुई। एक अधिकारी ने कहा कि जलस्तर सुबह आठ बजे दर्ज किया गया और यह खतरे के निशान 205.33 मीटर के करीब है। रविवार को रात आठ बजे जलस्तर 204.18 मीटर दर्ज किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को जलस्तर 204.32 मीटर दर्ज किया गया था। एक क्यूसेक का अर्थ है 28.317 लीटर पानी प्रति सेकन्ड। जैन ने कहा कि सरकार हालात पर नजर बनाए है और बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, बाढ़ को नियंत्रित करने की हमारी प्रणाली तैयार है और जब ऐसी स्थिति आएगी तब उसे शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यमुना के किनारे पल्ला गांव से लेकर ओखला तक सभी क्षेत्रों के लिए सरकार ने योजना बनाई है।

अतिक्रमण विरोधी अभियान को पैंथर्स का पूरा समर्थन, जमीनों व कालेधन के लिए बने विशेष जाँच कमेटी

साम्बा ।

जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान को पूरा समर्थन देते हुए पैंथर्स पार्टी के प्रांतीय प्रधान राजेश पडगोत्रा ने सरकार से मांग की है कि राजनेताओं और प्रभावशाली लोगों द्वारा कब्जाई गई सरकारी जमीनों को फौरन खाली करवाया जाए। साम्बा जिला प्रशासन की तारीफ करते हुए पडगोत्रा ने कहा कि जिस प्रकार कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ आप्रेशन ऑलआऊट चलाया जा रहा है, ठीक उसी प्रकार सरकारी जमीनें कब्जाने वाले भ्रष्ट नेताओं व रसूखदार लोगों के खिलाफ भी ऐसा ही अभियान छेड़ा जाए। पडगोत्रा ने कहा कि जिला प्रशासन ने बिना किसी दबाव और भेदभाव के जिस प्रकार पहले भाजपा के पूर्व मंत्री पर एफआईआर दर्ज की और गत दिवस जिस प्रकार नेकां के पूर्व मंत्री से सरकारी जमीन खाली करवाई है, वह सराहनीय है। पैंथर्स नेता ने कहा कि इन नेताओं ने सत्ता के दम पर सरकारों व भोले-भाले लोगों को चूना लगाया है और कालाधन इकट्ठा किया है लेकिन जिला प्रशासन ने इन्हें नंगा करने का जो साहस दिखाया है, उससे आम लोगों में उम्मीद की किरण जागी है। पडगोत्रा ने कहा कि चंद बरसों में ही इन नेताओं ने बीबी-बच्चों के नाम पर कई-कई फैक्टरियाँ, होटल व अन्य व्यापारिक संस्थान खड़े कर लिए गए हैं व दिल्ली-मुंबई में फ्लैट्स खरीदे हैं, इसलिए सरकार को चाहिए कि वह इन नेताओं द्वारा 1996 के चुनाव के दौरान हलफनामे में दर्शाई गई सम्पत्ति को सार्वजनिक करे और इस बात की जांच की जाए कि दो दशकों में इन्होंने इतनी प्रापर्टी कैसे एकत्र कर ली। पडगोत्रा ने कहा कि ऐसी ही सरकारी जमीनों पर कब्जे कर लोगों द्वारा बड़े-बड़े लोन भी ले लिए गए हैं जिसका उदाहरण नेशनल कांफ्रेंस के पूर्व मंत्री का बेटा है जिसने जेके बैंक को 177 करोड़ रूपए का चूना लगाया है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला सहित कई पूर्व मुख्यमंत्रियों द्वारा भठिंडी में वन विभाग की जमीन पर आलीशान कोठियाँ बनाई गई हैं जिन्हें सरकार अपने कब्जे में ले। कांग्रेस के पूर्व राजस्व मंत्री की आलीशान कोठी भी अवैध रूप से खड्डु में बनाई गई है। इसी प्रकार जिले में भी कई बड़े नेताओं द्वारा साम्बा में शमशान घाट, ठंडी खुई, बलोल नाले, बेई दरिया घगवाल, आदि।

दिल्ली के अस्पतालों में लंबी कतारों से अब मिलेगी मुक्ति, केजरीवाल ने की नई ऐप की शुरूआत

नेशनल डेस्क।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि दिल्ली सरकार के अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली पर काम चल रहा है और एक साल में यह पूरा हो जाएगा। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए दादा देव मातृ अस्पताल के लिए एक मोबाइल ऐप और एक वेब आधारित ओपीडी पंजीकरण प्रणाली की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य अस्पतालों को भी इस प्रणाली को अपनाना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि महिला मरीजों को लंबी कतारों में अब इंतजार करने की जरूरत नहीं है और अब वे पंजीकरण करा सकती हैं और इस ऐप के जरिए डॉक्टर से मिलने का समय ले सकती हैं। कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए भीड़भाड़ नहीं होनी चाहिए और सामाजिक दूरी का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) के जरिए अस्पतालों, मोहल्ला क्लीनिकों और पॉलीक्लीनिकों को एकीकृत कर रही है और यह प्रक्रिया एक साल के भीतर पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसे ही इस प्रणाली बन जाएगी, वैसे ही सरकारी अस्पतालों में लंबी कतारों और भीड़ से मुक्ति मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि दादा देव अस्पताल में बिस्तर क्षमताओं को 106 से बढ़ाकर 281 किया जा रहा है और इसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा।

कांग्रेस की बैठक में चिट्ठी को लेकर महाभारत, आहत गुलाम नबी आजाद इस्तीफा देने को तैयार

नई दिल्ली।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने सोमवार को कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में राहुल गांधी की एक कथित टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा होने के बाद कहा कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले नेताओं की भाजपा के साथ सांठगांठ होने जैसी कोई बात नहीं की। उन्होंने यह भी कहा कि सीडब्ल्यूसी से बाहर के कुछ नेताओं ने ऐसा आरोप लगाया था जिसको लेकर उनकी तरफ से कहा गया कि आरोप साबित होने पर इस्तीफा दे देंगे। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने ट्वीट किया, मीडिया के एक हिस्से में यह गलत कहा जा रहा है कि मैंने सीडब्ल्यूसी की बैठक में राहुल गांधी से कहा कि वह भाजपा के साथ सांठगांठ के जरिए हम लोगों की ओर से पत्र लिखे जाने की बात साबित करें। मैं स्पष्ट कर देता हूं कि राहुल गांधी ने न तो सीडब्ल्यूसी की बैठक के भीतर या बाहर ऐसा कहा कि यह पत्र भाजपा की शह पर लिखा गया है। आजाद के मुताबिक, मैंने सिर्फ यह कहा था कि कल कांग्रेस के कुछ लोगों ने कहा था कि हमने भाजपा की तरफ से ऐसा किया।

इस संदर्भ में मैंने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मेरे कुछ साथियों (सीडब्ल्यूसी के बाहर के) ने हम पर भाजपा के साथ सांठगांठ का आरोप लगाया और अगर वो लोग यह साबित कर दें तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। खबरों में कहा गया था कि सीडब्ल्यूसी की बैठक में राहुल ने कथित तौर पर यह कहा कि पत्र लिखने वाले नेता भाजपा के साथ साठगांठ कर रहे हैं।

अमीर बनने की चाहत ने अबु युसुफ को बना दिया खूखार आतंकी, भारत को दहलाने की थी साजिश

बलरामपुर।

देश की राजधानी दिल्ली में गिरफ्तार उत्तर प्रदेश के बलरामपुर का निवासी संदिग्ध आतंकी अबु युसुफ उर्फ मुस्तकीम को अमीर बनने की चाहत ने उसे आतंक का खूखार अपराधी बना दिया। उतरौला कोतवाली क्षेत्र के बढया भैसाही गांव निवासी संदिग्ध आतंकवादी अबु युसुफ उर्फ मुस्तकीम को दौलत की हवस ने एक आतंकी बना दिया। उतरौला बस्ती मार्ग पर बसा बढया भैसाही गाँव की आबादी करीब तीन हजार है। अबु युसुफ उर्फ मुस्तकीम के कृत्य ने इस गांव को एकाएक सुर्खियों मे ला दिया। उसके राष्ट्र विरोधी कारनामे को सुनकर पूरा गांव खौफजदा है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार चार भाई और चार बहनों में सबसे बड़ा अबु युसुफ है। जिसे गांव मे मुस्तकीम के नाम से जाना जाता है। उसके पिता मोहम्मद कफील के नाम गांव मे करीब 25 बीघा खेत है। उसका मन शुरू से खेती बाड़ी में नही रमा और अधिक दौलत कमाने की इच्छा उसको राष्ट्र विरोधी संगठनो का सदस्य बना दिया। अधिक धन कमाने की इच्छा लेकर अबु युसुफ 2006 में सऊदी अरब चला गया। जहां वह करीब चार वर्षो तक सऊदी में रहा। साल 2010 मे विदेश से वापस आने के बाद 2011 में अबु युसुफ का विवाह जिले के तैबापुर गांव की निवासी आयशा के साथ हुई। अबु युसुफ उर्फ मुस्तकीम के चार बच्चे है। उन्होंने बताया कि 2015 में वह कतर कमाने के लिए गया, लेकिन किन्ही कारणवश वह 15 दिन में ही कतर से स्वदेश वापस आ गया। पिता ने उसके परिवार का बोझ उठाने से मना कर दिया जिसके चलते वह करीब दो माह तक दिल्ली में रहा और फिर वही से उत्तराखंड चला गया। संदिग्ध आतंकी के पिता मोहम्मद कफील ने बताया कि उत्तराखंड में वह काफी दिनों तक प्लास्टर आफ पेरिस का काम करता रहा। इसी बीच अबु युसुफ काम के दौरान गंभीर चोट खा गया। पिता ने उत्तराखंड से उसे गांव लाकर इलाज कराया। सूत्रों ने बताया कि कमर में चोट के चलते उसे आज भी तकलीफ रहती है। जिसके चलते वह नमाज भी कुर्सी पर बैठकर पढता था। उन्होंने बताया कि अरसा करीब दो साल हो रहा है। गांव से करीब चार किलो मीटर दूर हाशिमपारा बाजार में किराए पर दुकान लेकर अबु युसुफ ने कास्मेटिक का कारोबाह शुरू किया। दुकान के मालिक मुजिबुल्ला ने बताया कि अबु युसुफ उर्फ मुस्तकीम कमर दर्द से परेशान रहता था। उसे झुक कर सामान उठाने मे भी तकलीफ होती थी। जिसके चलते वह दुकान सप्ताह में दो चार दिन ही खोल पाता था। कभी कभी अपने बड़े बेटे को मदद के लिए दुकान पर लाता था। पत्नी आयशा ने बताया कि करीब दो सालों से उसके पति की गतिविधिया संदिग्ध नजर आने लगी थी। कई बार उसने अबु युसुफ को गलत काम से परहेज करने की नसीहत दी थी। बच्चों के भविष्य का हवाला देकर गलत काम से दूर हो जाने की सलाह दी गई थी।बताया जाता है कि पिछले अपैल माह मे उसने परीक्षण के तौर पर गाँव में आबादी से बाहर कब्रिस्तान में विस्फोट भी किया था। उस वक्त उसके इस हरकत को लोग समझ नही सके और नजर अंदाज कर बैठे। दिल्ली एटीएस की गिरफ्तारी के बाद उसके मकान से बरामद विस्फोटक और आत्मघाती जैकेट हर किसी को उसके आतंकी होने का यकीन दिला रहा है।

24 घंटे में 57,469 मरीज हुए कोरोना से ठीक, 75प्रतिशत के पार पहुंचा रिकवरी रेट

नई दिल्ली। देशभर में पिछले 24 घंटों के दौरान 57,469 कोरोना संक्रमित स्वस्थ हुए हैं, जिससे देश की राष्ट्रीय औसत कोरोना रिकवरी दर बढ़कर 75 प्रतिशत के पार 75.27 प्रतिशत हो गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में देशभर में 57,469 कोरोना मरीज स्वस्थ हुए हैं जिससे अब तक संक्रमण को मात देने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या बढ़कर 23,38,035 हो गयी है। मंत्रालय ने आज कहा कि संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों तथा अब तक संक्रमण मुक्त हुए व्यक्तियों के बीच का फासला बढ़कर 16,27,264 हो गया है। मंत्रालय का कहना है कि जांच गति तेज करने, ट्रैकिंग करने और प्रभावी रूप से उपचार करने से देश में रिकवरी दर लगातार बढोतरी पर है। रिकवरी दर के मामले में दिल्ली अव्वल है। दिल्ली में रिकवरी दर 90 प्रतिशत है। इसके अलावा तमिलनाडु में रिकवरी दर 84 प्रतिशत, बिहार में 81 प्रतिशत और गुजरात में 80 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 61,408 नये मामले सामने आने से अब तक संक्रमण के शिकार हुए व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 31,06,348 हो गयी है। हालांकि, 23 अगस्त को 57,469संक्रमितों के रोगमुक्त होने और 836 मरीजों की मौत से संक्रमण के सक्रिय मामलों में 3,103 की तेजी आयी है। देश भर में इस समय कोरोना संक्रमण के 7,10,771 सक्रिय मामले हैं। आंध्रप्रदेश में 23 अगस्त को सबसे अधिक कोरोना संक्रमित स्वस्थ हुए हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान आंध्रप्रदेश में 8,593 कोरोना संक्रमित रोगमुक्त हुए हैं। महाराष्ट्र में 8,157,तमिलनाडु में 6,047, कर्नाटक में 4,996 , उत्तर प्रदेश में 4,318, बिहार में 3,467 , असम में 3,259,पश्चिम बंगाल में 3,048, पंजाब में 2,226, ओडिशा में 2,129, तेलंगाना में 1,825, दिल्ली में 1,250।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देशी कट्टा बनाने के कारखाने का पर्दाफाश, पिस्तौल समेत एक शख्स गिरफ्तार

सूरत पीसीबी ने शहर के पांडेसरा क्षेत्र में देशी कट्टा बनाने के कारखाने का पर्दाफाश करते हुए एक शख्स को 1 पिस्तौल और 1 कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लियाद्य जबकि उत्तर प्रदेश के एक अन्य शख्स की तलाश शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत पीसीबी को सूचना मिली थी कि शहर के पांडेसरा क्षेत्र के अपेक्षानगर के एक मकान में देशी कट्टा बनाने का गोरखधंधा चल रहा है। सूचना के आधार पर पीस. ीबी ने अपेक्षानगर के एक मकान में छापा मारकर 32 वर्षीय मनोज यादव नामक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल से 1 देशी पिस्तौल, 1 कारतूस, लोहे की पाइप, लड़की के टुकड़े, आरी, प्रेशर पक्कड़ और वेल्डींग मशीन इत्यादि जब्त कर लिया। पूछताछ में पता चला कि मनोज यादव सूरत के एक मसाज पार्लर में नौकरी करता था।

लेकिन लॉकडाउन के कारण नौकरी छूट जाने से आर्थिक आय बंद हो गई।

ऐसे में मनोज शोर्टकट से रुपए कमाने के उद्देश्य से गैरकानूनी हथियार बनाने का धंधा शुरू कर दिया।

मनोज के साथ रहनेवाला राजमणी विश्वकर्मा नामक शख्स उत्तर प्रदेश में फेब्रिकेशन के साथ ही बंदूक इत्यादि भी बनाता था। मनोज ने राजमणी से देशी कट्टा बनाने की जानकारी हासिल की और सूरत में गैरकानूनी धंधा शुरू कर दिया।

फिलहाल पुलिस मनोज यह जानने का प्रयास कर रही है कि वह अब तक किसने देशी कट्टे बना चुका है और शहर में किस किस को बेचा है

जल्द दौड़ेंगी सूरत की सड़कों पर इलेक्ट्रिक बसें, ट्रायल रन शुरू

सूरत शहर में जल्द ही इलेक्ट्रिक बसें दौड़ती दिखाई देंगीद्य सरकार ने सूरत को 150 इलेक्ट्रिक बसें आवंटित करने का फैसला किया है। इसके अंतर्गत शहर में इलेक्ट्रिक बस का ट्रायल शुरू हो गया है। दरअसल केन्द्र सरकार ने पर्यावरण के जतन के लिए देश के 64 शहरों में 5595 इलेक्ट्रिक बसें आवंटित करने का फैसला किया था। केन्द्र सरकार की इस योजना के तहत सूरत महानगर पालिका ने अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 300 इलेक्ट्रिक बसों की मांग की थी। हांलाकि सरकार ने इलेक्ट्रिक बस की सब्सिडी स्कीम के तहत गुजरात को 550 बसें आवंटित की हैं। जिसमें सूरत महानगर पालिका को 150 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध होंगीद्य एक बस की कीमत रु. 1.07 करोड़ है और इसमें केन्द्र सरकार रु. 45 लाख की सब्सिडी देगी।

इलेक्ट्रिक बस के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी सूरत महानगर पालिका की होगी। सूरत में आज से इलेक्ट्रिक बस ट्रायल शुरू हो गया। सूरत के रंग उपवन से मक्काई पुल के बीच इलेक्ट्रिक बस का ट्रायल हुआ। ट्रायल के दौरान सूरत के महापौर डॉ. जगदीश पंचाल, महानगर पालिका आयुक्त बंछानिधि पानी और नगर पार्षद समेत अधिकारी मौजूद रहे। कुछ दिनों के ट्रायल के बाद बस को परिवहन के लिए मंजूरी मिलने के बाद इलेक्ट्रिक बसें यात्रियों की सेवा में लगाई जाएंगी।

इलेक्ट्रिक बसें शुरू होने से लाखों लीटर ईंधन की बचत होगी और कार्बन डायोक्साइड का प्रमाण घटने से पर्यावरण का जतन होगां ।

जुआं खेलते 07 लोग गिरफ्तार

सूरत पांडेसरा पुलिस ने 7 लोगों के खिलाफ जुआ खेलने का मामला दर्ज किया गया है। थाने के पुलिस अधिकारी ने बताया उन्हें जानकारी मिली थी कि बमरौली आशापुरी इंडस्ट्रीज कारखाना नंबर 100 की प्रथम तल पर एक ऑफिस में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं जिसके बाद पुलिस ने वहां छापा मारा। जिसमें 07 लोगों को गिरफ्तार कर उनकी तलाशी ली गई जिसमें 58 हजार 900 रुपये तथा दांव पर लगे हुए 6600 को मिलाकर 65 हजार 500 रुपये का माल जब्त किया।

गुजरात में कई जिलों में लोगों के घर में घुसा पानी

अमदाबाद गुजरात में बीते कई दिनों से जारी बारिश के बाद होने वाले जलजमाव का पानी अब रिहाइशी इलाकों में पहुंचने लगा है। प्रदेश में बारिश के हालातों के बीच तमाम इलाकों की सड़कें बंद हैं। वहीं आम लोगों के घरों में बारिश का पानी घुसने से परेशानी की स्थितियां बनने लगी हैं। राज्य सरकार ने हालातों की समीक्षा के लिए अधिकारियों की टीम को लगातार स्थितियों की मॉनिटरिंग करने को कहा है। साथ ही किसी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रदेश में एनडीआरएफ की डेढ़ दर्जन टीमों को भी अलर्ट पर रखा गया है।

सौराष्ट्र मंडल के तमाम जिलों में बारिश के कारण स्थितियां खराब हो रही हैं। पाटण जिले के कुछ इलाकों में बारिश का पानी लोगों के घर में घुसने लगा है। वहीं सौराष्ट्र मंडल के सुरेंद्रनगर में भी ऐसी ही स्थितियां देखने को मिल रही हैं। इन इलाकों में सड़कों पर जलजमाव के कारण वाहनों को चलने में असुविधा हो रही है। इसके अलावा कई हिस्सों में बिजली और पीने के पानी की दिक्कतें भी हो रही हैं। सरकार ने आपात स्थिति के लिए इंतजाम किये हैं क्योंकि मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी दी है।

गुजरात में कोरोना के 1067 नए केस, 1021 हुए ठीक, 13 मरीजों की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में कोरोना संक्रमण की स्थिति गंभीर होती जा रही है। राज्य में दिन प्रति दिन कोरोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि हो रही है और 1067 नए केसों के साथ इस रोग का आंकड़ा 87846 पर पहुंच गया है। 24 घंटों में 1021 लोग ठीक हुए हैं और 13 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 159, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 1511, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 88, जामनगर कॉर्पोरेशन में 77, सूरत में 70, राजकोट कॉर्पोरेशन में 67, वडोदरा में 32, राजकोट में 31, भ. ावनगर कॉर्पोरेशन में 30, पंचमहल में 27, कच्छ में 25, गिर सोमनाथ में 20, भावनगर में 19, मोरबी में 17, अमरेली में 16, गांधीनगर में 16, अहमदाबाद में 14, बनासकांठा में 14, भरुच में 14, मेहसाणा में 14, देवभूमि द्वारका में 13, जूनागढ़ में 13, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 13, पाटन में 12, महीसागर में 11,

पोरबंदर में 11, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 10, नवसारी में 10, बोटाद में 9, जामनगर में 9, दाहोद में 8, नर्मदा में 8, तापी में 8, खेडा में 7, अरवल्ली में 6, साबरकांठा में 5, वलसाड में 5, आणंद में 4, छोटाउदेपुर में 2 और सुरेन्द्रनगर में 2 समेत कुल 1067 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए हैं, जबकि 1021 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया है। इस दौरान अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3, सूरत कॉर्पोरेशन में 3, रा. जकोट कॉर्पोरेशन में 2, सूरत में 2, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 2 और भावनगर में 1 समेत 13 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। राज्य में दिन प्रति दिन टेस्ट की संख्या बढ़ाई जा रही है। आज राज्य में 63065 टेस्ट समेत अब तक कुल 1819198 टेस्ट किए गए हैं। राज्य में अब तक 87846 कोरोना पॉजि. टिव केस सामने आए हैं, जिसमें 70250 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। जबकि राज्य में अब तक 2910 मरीजों की मौत हो गई। शेष 14686 एक्टिव केसों में 14611 मरीजों की हालत स्थिर है और 75 मरीज वेन्टीलेट पर हैं। राज्य में 473466 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। जिसमें 472951 होम कोरन्टाइन और 515 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

भावनगर की तलाजा नगर पा.लिका में 25 साल बाद कांग्रेस सत्तारुढ़

अहमदाबाद। भावनगर की तलाजा नगर पालिका में 25 साल बाद कांग्रेस के सत्तारूढ़ होने से भाजपा को बड़ा झटका लगा है। तलाजा ही नहीं उत्तरी गुजरात के खेडब्रह्मा नगर पालिका में भी कांग्रेस की जीत हुई है।

दरअसल राज्य की कई नगर पालिकाओं में ढाई साल की अवधि पूर्ण होने पर प्रमुख और उप प्रमुख का चुनाव कराया गया। जिसमें कांग्रेस ने दो नगर पालिकाएं भ. ाजपा से छीन ली हैं। कांग्रेस ने भाजपा के असंतुष्टों की मदद से भावनगर जिले की तलाजा नगरपा. लिका पर कब्जा कर लिया है। जिसमें बतौर प्रमुख विनुभाई वेगड और शक्तसिंह वाला उप प्रमुख चुने गए हैं। भाजपा ने जिनके नाम से मेंडेट जारी किया था, उन दोनों सदस्यों के एक–एक वोट से हार हो गई है।

वहीं जूनागढ़ जिले की विसावदर नगर पालिका में 22 साल बाद भाजपा काबिज हुई है। विसावदर नगर पालिका में कांग्रेस के 2 सदस्यों के समर्थन से भाजपा ने जीत दर्ज की। कौशिक वाघेला विसावदर नगर पालिका के प्रमुख चुने गए हैं। उत्तरी गुजरात के साबरकांठा जिले की खेडब्रह्मा नगर पालिका में कांग्रेस ने बाजी मार ली है। भाजपा सदस्य के विद्रोह करने से कांग्रेस खेडब्रह्मा नगर पालिका में सत्ता हासिल करने में सफल रही।

साबरकांठा की तीन नगर पालिकाओं में 2 भाजपा और 1 कांग्रेस के पास है।

मुख्यमंत्री से मिले गुजरात कैडर के 7 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी से सोमवार को गांध ीनगर में 2019 बैच के 7 प्रशिक्षु आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा) अधिकारियों ने मुलाकात की। इन 7 अधिकारियों को गुजरात कैडर आवंटित किया गया है। 2019 बैच के ये 7 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी वर्तमान में कराई पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। 1 सितंबर से वे उन्हें आवंटित जिलों भरुच, जूनागढ़, मोरबी, खेड़ा, वडा. `दरा ग्रामीण, अहमदाबाद ग्रामीण और भावनगर में बतौर परीविक्षाध ीन अधिकारी अपनी सेवाएं देने को नियुक्त होंगे। इन प्रशिक्षु युवा आईपीएस अधिकारियों के साथ संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून व्यवस्था के पहरेदार के रूप में उन्हें जनसेवा का जो अवसर मिला है, उसके अंतर्गत अपने सेवाकाल के दौरान वे अपना दायित्व कुछ इस तरह निभाएं कि समाज की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को भी यह अनुभूति हो कि पुलिस उसके साथ खड़ी है। इन प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों में से ज्यादातर के पास इंजीनियरिंग की डिग्री होने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने पुलिस बल में टेक्नोलॉजी का अधि कतम उपयोग कर 'मॉडर्न पुलिस फोर्स' की छवि बनाई है, जिसे ये युवा अपने ज्ञान–कौशल के योगदान के जरिए बेहतर निखार दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने इन युवा आईपीएस प्रशिक्षु अधिकारियों को समाज सुरक्षा की जिम्मेदारी पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से अदा करने की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन भी उपस्थित थे।

सौराष्ट्र, उत्तर और दक्षिण गुजरात में होगी भारी से अतिभारी बारिश

अहमदाबाद बंगाल की खाड़ी में एक और लो प्रेशर सक्रिय होने से सौराष्ट्र, उत्तरी गुजरात और दक्षिण गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश का मौसम विभाग का अनुमान हैं।

मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी गई हैं। पिछले कई दिनों से राज्यभर में बरसाती माहौल बरकरार है और कई जिलों में मूशलाधार बारिश ने हाल बेहाल कर दिया है।

भारी बारिश के चलते राज्य के कई जिलों में बाढ़ से हालात हैं। सौराष्ट्र–कच्छ, दक्षिण और मध्य गुजरात को पानी पानी करने के बाद अब मेघा ने उत्तरी गुजरात का रुख किया हैद्य आज मौसम विभाग ने फिर एक बार भारी से अतिभारी बारिश की संभावना जताई है। सौराष्ट्र और दक्षिण गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश का अनुमान हैं।

आगामी 24 घंटों के दौरान अहमदाबाद में भी भारी बारिश होने की संभावना हैद्य भारी बारिश की संभावनाओं के चलते मछुआरों को अगले दो दिन समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी गई हैं। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिम बंगाल में एक और लो प्रेशर सक्रिय हुआ है, जिसका असर 26 अगस्त बाद दिखेगा और भारी से अतिभारी बारिश होगी।

राज्य में हो रही भारी बारिश के कारण एनडीआरएफ की टीमें कार्यरत हैं।

फिलहाल एनडीआरएफ की 13 टीमें अलर्ट हैंद्य मोरबी में हुई भारी बारिश में फंसे लोगों को रेस्क्यू किया जा रहा है और इसके लिए एनडीआरएफ की एक और टीम को भेजा गया है।

वहीं धोलका में फंसे करीब 150 जितने लोगों के रेस्क्यु के लिए एसडीआरएफ की टीम भेजी गई है।

गुजरात में मौसम की अब तक 102.73 प्रतिशत औसत बारिश दर्ज हुई हैद्य जिसमें सबसे अधिक कच्छ में 188.02 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 134.81 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 90.21 प्रतिशत, उत्तरी गुजरात में 87.44 प्रतिशत और मध्य गुजरात में 78.98 प्रतिशत औसत बारिश दर्ज हुई। राज्यभर में अच्छी बारिश के चलते राज्य के 76 जलाशय 100 प्रतिशत पानी से लबालब हो गए हैंद्य जबकि 78 जलाशय 70 से 100 प्रतिशत, नर्मदा बांध समेत 20 जलाशयों में 50 से 70 फीसदी, 16 जलाशयों में 25 से 50 प्रतिशत और 15 जलाशयों में 25 प्रतिशत भी कम पानी का संग्रह हुआ हैं।

गुजरात में कोरोना के आए 1,101 नये मरीज

अहमदाबाद । गुजरात में का. `रोन वायरस के 1,101 नये मरीज सामने आए हैं। इसके साथ राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 86,779 हो गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि इस अवधि में अहमदाबाद–सूरत में पांच–पांच मौतों सहित 14 और कोविड–19 मरीजों की मौत हुई है जिन्हें मिलाकर अब तक राज्य में 2,897 लोग इस महामारी में अपनी जान गंवा चुके हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राज्य के विभिन्न अस्पतालों से 972 मरीजों को ठीक होने के बाद छुट्टी दी गई।

इसके साथ ही अब तक राज्य में 69,229 लोग इस महामारी को मात दे चुके हैं। वहीं 14,653 मरीज उपचाराधीन हैं। विभाग ने बताया कि राज्य में मरीजों के ठीक होने की दर 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

विज्ञप्ति के अनुसार गत 24 घंटे में 60,808 नमूनों की जांच की गई है। इस प्रकार रोजाना प्रति दस लाख आबादी पर 935.50 नमूनों की जांच की जा रही है। गुजरात में अब तक 17,56,133 नमूनों की जांच की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सबसे अधिक 248 नये कोविड–19 मरीज सूरत में सामने आए।

वहीं अहमदाबाद में 177, वडोदरा में 119, राजकोट में 99, जामनगर में 85, भावनगर में 41, कच्छ–पंचमहल में 32–32, गांधीनगर में 28, भरुच में 27, दाहोद–गिर सोमनाथ में 18–18, बनासकांठा में 17, अमरेली–जूनागढ़ में 15–15 और मेहसाणा में 14 और लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि अहमदाबाद जिले में 177 नये मामलों के साथ अब तक 30,197 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हो चुकी है। अहमदाबाद में पांच और मरीजों की मौत कोविड–19 की वजह से हुई। जिले में अब तक 1,685 कोविड–19 मरीजों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि जिले में सामने आए 177 नये मामलों में 153 संक्रमित

अहमदाबाद शहर के हैं जबकि 24 मामले जिले के ग्रामीण इलाकों से सामने आए हैं। वहीं, अहमद. ाबाद में दर्ज सभी पांच मौतें शहरी इलाके से हैं। स्वाथ्य विभाग ने बताया कि अहमदाबाद ग्रामीण में अबतक 1,650 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है जिनमें से 1,502 लोग ठीक हो चुके हैं।

इस प्रकार जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में मरीजों की ठीक होने की दर 91 प्रतिशत है। विभाग ने बताया कि राज्य में जिन 14 मरीजों की मौत हुई उनमें अहमदाबाद–सूरत के पांच–पांच, जूनागढ़ के दो और राजकोट–वडोदरा का एक–एक मरीज शामिल है।

विख्यात शक्तिपीठ अंबाजी 4 सितंबर तक श्रद्धालुओं के बंद

अहमदाबाद । उत्तरी गुजरात के अरवल्ली जिला स्थित विख्यात शक्तिपीठ अंबाजी में इस वर्ष भादौ पूर्णिमा का मेला नहीं होगा। हर साल इस मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालु अंबाजी के दर्शन करने आते हैं, लेकिन इस वर्ष कोरोना संकट को देखते हुए मेला रद्द कर दिया गया है। साथ ही आज से 4 सितंबर तक अंबाजी मंदिर श्रद्धालुओं के लिए बंद रहेगा। हांलाकि श्रद्धालु घर बैठे अंबाजी का पूजन–अर्चन कर सकें, ऐसी व्यवस्था श्री आरासुरी अंबाजी माता देवस्थान ट्रस्ट की ओर से की गई है। भादौ पूर्णिमा की समयावधि के दौरान ऑनलाइन विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। जिसमें अंबाजी मंदिर के गर्भगृह की आरती–दर्शन लाइव प्रसारण, गब्बर दर्शन, सहस्त्र चंडी महायज्ञ का लाइव प्रसारण किया जाएगा। सभी श्रद्धालु 27 अगस्त से 2 सितंबर के दौरान ट्रस्ट की वेबसाइट, फेसबुक, यू ट्यूब, ट्वीटर और लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए अंबाजी का दर्शन कर सकेंगे।

कवि नर्मद की जयंती पर सुतरंजनली

कोविद –19 अस्पताल में लगभग 350 सफाईकर्मी और सिविल अस्पताल में लगभग 450 सफाईकर्मी हैं कोरोना के खिलाफ लड़ाई में जमीनी स्तर पर योगदान रहा

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डीएम विकास व निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक करते हुए

विकास व निर्माण कार्यो की प्रगति संतोषजनक न पाये जाने पर डीएम ने सीएमओं सहित कई अधिकारियों का लगाई फटकार व मांगा स्पष्टीकरण

विकास व निर्माण कार्यो को गुणवत्ता व मानक के अनुरूप युद्ध स्तर पर करे पूर्ण: वैभव

रायबरेली जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने विकास व निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी को जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता सभी अस्पतालों में बनाये रखने के साथ ही निरीक्षण आदि करें। निरीक्षण कम पाये जाने पर सीएमओं का स्पष्टीकरण भी प्राप्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने सीएमाओं को निर्देश दिये एम्बुलेंस भी पूरी तरह से सक्रिय रहे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की कार्यो की प्रगति लक्ष्य के अनुरूप करें। कितना खर्च किया कितना मदों में प्राप्त हुआ इसी रिपोर्ट उपलब्ध करायें। संस्थागत प्रस्व तथा आशाओं के मानदेय का भुगतान समय से करायें। टीकाकरण वेक्टर जनित रोगा उपचार आदि सभी स्वास्थ्य सेवाओं को समय से कराये तथा रिपोर्ट दें। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने विकास व निर्माण एवं कई कार्यदायी संस्थाओ, एवं योजाओं की प्रगति में लापरवाही व ठेकेदारों विरूद्ध कार्यवाही न किये जाने पर भी स्पष्टीकरण मागां।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिये कि कायाकल्प योजना के तहत कार्यो में गति लाये। उन्होंन डीपीआरओं को निर्देश दिये कि पीडब्ल्यूडी के शासनादेश मदर जीओं कहलाते है कही कोई दिक्कत हो तो सम्पर्क कर निर्माण व विकास कार्यो को गति दें। ग्राम्य स्वास्थ्य पोषण दिवस में लक्ष्य के अनुरूप कार्य कराये तथा मण्डल में प्रगति रिपोर्ट में स्थिति ठीक करायें।

उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देश दियें कि तो कार्य किये जा रहे है उन्हें समय रहते पूरा करें तथा उसकी रिपोर्ट भी उपलब्ध करायें। जो भी कार्य किये जा रहे उन्हें कोविड–19 कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुए कार्यो को गुणवत्ता व मानक एवं नियामानुसार युद्ध स्तर पर पूर्ण कराया जायें। समग्र ग्राम विकास से आच्छादित विद्यालयों के कम्पुटीकृत कार्यो के साथ ही अन्य योजनाओं से लाभान्वित करें। उच्च गुणवत्ता के बीज व उर्वरकों की उपलब्धता को जिला कृषि अधिकारी आदि बनाये रखें। बैठक में अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उचित दिशा निर्देश भी दिये गये।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक गोयल, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 संजय कुमार शर्मा, पीडब्ल्यूडी अधिकारी, विद्युत विभाग, डीपीआरओ आदि अधिकारी उपस्थित थे

अपराध चरम पर पुलिस हुई नाक़ाम।

कानपुर महानगर एक के बाद एक बड़ी घटनाओं को लेकर सुर्खियों में, गोविन्द नगर थाना क्षेत्र में दबंगों ने दिल दहला देने वाली घटना को दिया अंजाम, खुलेआम धारदार हथियार से लैस फाइनेंस कंपनी के मालिक जय गोपाल पुरी पर किया जानलेवा हमला, लहूलुहान फाइनेंस कंपनी के मालिक को आनन–फानन में हैलट अस्पताल भेजा गया जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया,

गर्भवती महिला की मौत के बाद जागा स्वास्थ्य विभाग

शवगढ़ (रायबरेली) शिवगढ़ क्षेत्र के भवानीगढ़ चौराहे पर वर्षो से अवैध रूप से संचालित नर्सिंग होम को बंद करने का स्वास्थ्य विभाग ने फरमान जारी किया है। गर्भवती महिला की मौत के बाद शिवगढ़ सीएचसी अधीक्षक डॉ. एलपी सोनकर ने स्वयं पंकज पॉलीक्लिनिक एवं नर्सिंग होम की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। डॉक्टर एलपी सोनकर ने बताया कि जांच में नर्सिंग होम संचालक एक भी दस्तावेज नही दिखा पाया जिससे साफ साबित होता है कि अस्पताल पंजीकृत है। सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर एलपी सोनकर ने बताया मेडिकल स्टोर की आड़ में नर्सिंग होम चलाया जा रहा था। अवैध रूप से नर्सिंग होम चला रहे पंकज श्रीवास्तव को नोटिस दे दी गई है। दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहां गया है। हिदायत दी गई है कि पंजीकरण से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद ही अस्पताल से संबंधित स्वास्थ्य सुविधाएं शुरू करें अन्यथा विधिक कार्यवाही की जाएगी। गौरतलब हो कि 3 दिन पूर्व शिवगढ तो पंकज पॉलीक्लिनिक एवं नर्सिंग होम के संचालक पंकज श्रीवास्तव ने गर्भवती महिला के पति राजेश से 14000 रुपए ले लिए और अपनी निजी गाड़ी से गर्भवती महिला को अपने नर्सिंग होम से दूसरे अस्पताल लेकर जा रहे थे तभी रास्ते में महिला की मौत हो गई थी। जिसकी मौत की खबर से क्षेत्र में हड़कम्प मच गया था। गर्भवती महिला के पति ने नर्सिंग होम संचालक पंकज श्रीवास्तव पर आरोप लगाया है कि उनके गलत इलाज से उसकी पत्नी की मौत हुई है। जिसकी खबर मीडिया में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद पंकज पॉलीक्लीनिक के संचालक पंकज श्रीवास्तव ने समझौते के तौर पर मृतका के पति राजेश को 40 हजार रुपये दिए थे। उधार पंकज पॉलीक्लिनिक के संचालक पंकज श्रीवास्तव का कहना है कि उन्होने किसी को रुपये नही दिए हैं आरोप बेबुनियाद है। सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर एलपी सोनकर का कहना है कि पंकज पॉलीक्लिनिक एवं नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन नही है। सिर्फ मेडिकल स्टोर

अवैध रूप से संचालित नर्सिंग होम की जांच जारी

40000 में हुआ गर्भवती महिला की मौत का सौदा

क्षेत्र के नेरथुआ गांव के रहने वाले राजेश ने अपनी गर्भवती पत्नी को पंकज पॉलीक्लिनिक एवं नर्सिंग होम में भर्ती किया था। आरोप है कि पंकज श्रीवास्तव द्वारा गर्भवती महिला के इंजेक्शन लगाये जाने के कुछ ही देर बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी। महिला की हालत अत्यधिक नाजुक हो गई का रजिस्ट्रेशन है, जांच जारी है बात पूरी होने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी। सवाल उठता है कि आखिर किसकी मिली भगत से क्षेत्र में अवैध रूप से नर्सिंग होम संचालित हो रहे हैं।

और कब तक यूं ही लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ होता रहेगा।

प्रशासन ने खाली कराया 300 बीघा सरकारी जमीन से अवैध कब्जा

वन विभाग की 300 बीघे भूमि पर हो रही थी खेती

उपजिलाधिकारी महराजगंज ने की कार्यवाही 11 सदस्ययीय टीम ने किया जमीन की पैमाइश प्रशासन ने जोतवा दिया धान की खड़ी फसल

बछरावां रायबरेली महाराजगंज तहसील के राजस्व गांव उमरपुर में वन विभाग की 300 बीघे जमीन पर बोई गई धान की फसल को प्रशासन ने जोतवा दिया है जिलाधिकारी के आदेश पर उपजिलाधिकारी महराजगंज ने सरकारी जमीन को भू माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराया प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है जिलाधिकारी के आदेश पर बड़ी कार्यवाही से भू–माफिया और वन विभाग के जिम्मेदार लोगों में हड़कंप मच गया और उनके हाथ–पैर फूल गए पैमाइस के लिए गठित टीम में कानूनगो श्री कांत पांडेय प्रदीप श्रीवास्तव के अलावा शिव कण्ठ गुप्ता विकास कुशवाहा गंभीर सिंह राकेश यादव रामकिशोर वर्मा संदीप पटेल राजेंद्र भारती राघवेंद्र सिंह अभिषेक पटेल और राजेंद्र सिंह शामिल रहे यह कार्रवाई स्थानीय लोगों द्वारा जिलाधिकारी से दर्ज कराई गई शिकायत पर की गई है

अनजान बना रहा वन विभाग होती रही खेती

महराजगंज रायबरेली क्षेत्रीय लोगो को माने तो उमर बन ब्लाक की सुरक्षित वन भूमि पर करीब दो दशक से अधिक समय से खेती होती चली आ रही है जो बछरावां रेंज में तैनात लोगों के संज्ञान में है अब लोग अनभिगा बन रहे है यह तो एक नमूना है

इसके अलावा खैरहनी अतरे. हटा सहित कई अन्य वन ब्लाकों की वन भूमि पर भू माफियो का कब्जा है

मजे की बात तो यह है कि शासन प्रशासन को हर माह भेजी जा रही रिपोर्ट में सुरक्षित वन विभाग की अवैध कब्जे दारी की बात छुपाकर रिपोर्ट शून्य भेजता रहा जबकि वन विभाग की सुरक्षित जमीन पर तमाम भूमाफिया का कब्जा है क्षेत्रीय वन अधिकारी बछरावां प्रभात कुमार श्रीवास्तव का कहना है

कि वन भूमि पर कब्जा नहीं है पट्टेदारों की जमीन की पैमाइस हो रही है

उपजिलाधिकारी महराजगंज विनय कुमार मिश्रा द्वारा गठित की गई 11 सदस्यीय टीम द्वारा राजस्व गांव उमरपुर में भूमि पैमाइश का काम शुरू होने पर क्षेत्र में हड़कंप मच गया बताया जाता है कि बछ. रावां रेंज के वन ब्लाक की उमर पुर की 300 बीघे जमीन पर अवैध तरीके से धान की फसल खड़ी पाई गई जिसे प्रशासन ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ट्रैक्टर से जोतवा दिया प्रशासन की इस

एडीएम राना बेनी माधव बख्श सिंह प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए व कोरोना जागरूकता पोस्टर के माध्यम संदेश देते हुए

सोशल डिस्टेसिंग व मास्क का प्रयोग करते हुए रचनात्मक व सकारात्मक कार्यो के साथ आगे बढ़े

रायबरेली

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने जनपद सहित सभी स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए बताया कि राना बेनी माधव बख्श सिंह भारत माता के महान सपूत तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे उनका जीवन देश की आजादी एवं स्वाधीन भारत की एकता, अखण्डता एवं सामाजिक समरसता को बनाए रखने के लिए समर्पित था। राना बेनी माधव बख्श सिंह जनपद, देश प्रदेश की संतान है जिसने देश व समाज के लिए, स्वाधीनता के लिए अपना सबकुछ न्योछावर किया था। प्रदेश सरकार व जिला प्रशासन द्वारा सोशल डिस्टेसिंग व मास्क का प्रयोग व जागरूकता के माध्यम से कोविड–19 कोरोना वायरस के संक्रमण में नियंत्रण अग्रसर है। हम सभी को सोशल डिस्टेसिंग व मास्क का प्रयोग एवं स्वास्थ्य व शासन द्वारा दिये गये निर्देशों का पालन करना जरूरी है। सरकार व प्रशासन के प्रयासों एवं लोगों के जागरूकता के कारण प्रदेश व जनपद में कोरोना से ठीक होने की दर बढ़ रही है बड़ी संख्या में लोग कोरोना संक्रमण से मुक्त हो रहे है। हमे अपने रचनात्मक सकारात्मक कार्यो से देश, प्रदेश व समाज को आगे बढ़ाकर देश के महानपुरूषों स्वतंत्रता संग्राम सैनानियों के आदि महानपुरूषों के सपनों को साकार कर सकते है।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन राम अभिलाष, नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीवास्तव व पतिश्री मुकेश श्रीवास्तव, सभासद एस0पी0 सिंह, पूर्व विधायक इन्द्रेश विक्रम सिंह, मनीष सिंह, गजाधर सिंह पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राघवेन्द्र प्र. ताप सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष आर0बी0 सिंह, समाज सेवी जय सिंह सैगर, रीना सिंह आदि गणमान्यजनों द्वारा जनपद में राना बेनी माधव बख्श सिंह स्मारक समिति द्वारा आयोजित 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के अमर नायक राना बेनी माधव बख्श सिंह की 216वीं जयन्ती पर नेहरू नगर स्थित राना बेनी माधव बख्श सिंह की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए व्यक्त किये। आये हुए सभी अतिथिगणों द्वारा सूचना विभाग के कोरोना से बचना है आसान बातो का रखे ध्यान के पोस्टर के माध्यम से भी लोगों को का. रोना के संक्रमण से बचाव व रोकथाम पर जोर दिया। सभासद एस0पी0 सिंह व उपेन्द्र सिंह, जय सिंह सैगर ने कहा कि हमसभी को मानवजाति को जिन्दा रखने के लिए कोरोना की चैन को प्रत्येक दशा में तोड़ना है। इसके लिए सभी कार्यो को सोशल डिस्टेसिंग व मास्क का प्रयोग करते हुए कराना है।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन राम अभिलाष व सभासद एस0पी0 सिंह, उपेन्द्र सिंह, जय सिंह सैगर ने राना बेनी माधव बख्श सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि राना बेनी माधव किसी परिवार की गुलामी के लिए नही थे। जब उन्होंने जनपद को 1857 में स्वाधीन घोषित किया तथा तब उनकी उम्र 52–53 वर्ष की थी जिन्होंने अंग्रेजों को जनपद में घुसने नही दिया तथा स्वाधीनता की लड़ाई में अपनी अलग पहचान बनाई सरकार स्वतंत्रता संग्राम के अमर नायक राना बेनी माधव बख्श सिंह सहित अन्य स्वतंत्रता संग्राम ज्ञात व अज्ञात सैनानियों की स्मृतियों को संजोने व उनके सपनों के अनुरूप देश व समाज को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। जिससे पूरे देश को आनन्द की अनुभूति महसूस कर रहा है। केन्द्र सरकार मोदी जी व प्रदेश में योगी जी के नेतृत्व में एतिहासिक निर्णय लेकर कार्य कर रही है। राना बेनी माधव बख्श सिंह की जयन्ती पर भाग लेकर हम सभी लोग निरन्तर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों के नजदीक आ रहे है। सामाजिक, आर्थिक समाज की चिन्तन व सोच भी निरन्तर परिवर्तित हो रही है। भारत एक युवा राष्ट्र है और हमारे विकास के केन्द्र में युवा वर्ग है जिनकी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग कर हम निरन्तर विकास की ओर अग्रसर हैं। आजादी का असली अर्थ जोश, और कुछ कर गुजरने की इच्छा रखते हुए कार्य करना है। जनपद, प्रदेश व देश के अनेक ज्ञात, अज्ञात स्वतन्त्रता सेनानियों व महापुरुषों को याद करते हुए कहा कि महान पुरुषों की कुर्बानियां, त्याग, बलिदान, प्रेरणा तथा रचनात्मक, सकारात्मक कार्यो से देश व समाज प्रगति की ओर बढ़ रहा है जिसे निरन्तर बनाये रखना है। सूचना विभाग द्वारा सुशासन के 3 वर्ष नामक पुस्तकों को भी आये हुए सभी गणमान्यजनों में वितरित की गई। इस मौके पर एडी सूचना प्रमोद कुमार, ज्ञान प्रकाश तिवारी, उमेश सिंह, संजय सिंह, कमलेन्द्र, सुनील सिंह, डा0 मनीष सिंह, डा0 राजिव सिंह, विजय रस्तोगी, इमरान, राजेन्द्र सिंह, विनोद कुमार गौड आदि लोगों ने भी स्वतंत्रता संग्राम सेनी राना बेनी माधव बख्श सिंह के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अप्रित किये।

राना बेनी माधव बख्श सिंह भारत माता के महान सपूत तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे

सार–समाचार

कानपुर महानगर एक के बाद एक बड़ी घटनाओं को लेकर सुर्खियों में, अपराध चरम पर पुलिस हुई नाक़ाम।

गोविन्द नगर थाना क्षेत्र में दबंगों ने दिल दहला देने वाली घटना को दिया अंजाम, खुलेआम धारदार हथियार से लैस फाइनेंस कंपनी के मालिक जय गोपाल पुरी पर किया जानलेवा हमला, लहूलुहान फाइनेंस कंपनी के मालिक को आनन–फानन में हैलट अस्पताल भेजा गया जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया,

उन्नाव मे सुबह सुबह अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

उन्नाव ब्यूरो रिपोर्ट:प्रकाश शुक्ला

दही चौकी क्षेत्र मिर्जा फैक्ट्री के सामने अज्ञात वाहन की टक्कर से 2 लोग जख्मी एक कि हालत गंभीर दोनों को अस्पताल भेजा गया जिसमें घायल का नाम है रामनारायण सराय कटियान दूसरे घायल का नाम है खुशीराम संराय कटियान बसीरत गंज दोनों को चिकित्सालय भेज दिया गया मिर्जा फैक्टरी के सामने का हादसा।

उन्नाव जिला बना हत्या एवं अपराध का बहुत बड़ा हब

उन्नाव ब्यूरो रिपोर्ट: प्रकाश शुक्ला

जिले के सत्तासीन छः विधायक व सांसद अपराध रोकने वाले कानून को प्रभावी करने में नाकामयाब।चारों तरफ हत्या, लूट, डकैती जैसे आपराधिक वारदातों से आम जनमानस में दहशत का माहौल।

जिले की ही विधानसभा से निर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष भी पुलिस की लचर कार्यशैली पर साबित हुये निस्प्रभावी। आमजनता पर पुलिस द्वारा ट्रैफिक रूल्स के नाम पर हो रहे शोषण पर सारे जनप्रतिनिधि मौन। कलम और तलवार की धनी उन्नाव की धरती पर आखिर कहां से आ गए इतने अकर्मन्य जनप्रतिनिधि। अपराध के कारण दहशत में जी रही उन्नाव की जनता से कौन सी परीक्षा ले रहे नकारा जनप्रतिनिधि।

हकीकत में सत्तासीन सभी नेता काली कमाई में ब्यस्त, अपराध व भ्रष्टाचार की बाढ़ से आम जनमानस त्रस्त।

कटीले तारों से हुई,ग्रामीण की हत्या

उन्नाव ब्यूरो रिपोर्ट:प्रकाश शुक्ला सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लोहार खेड़ा के चौकीदार राजेश द्वारा सूचना दी गई कि उनके गांव के सुरेश पासी पुत्र श्री पाल निवासी लोहार खेड़ा थाना कोतवाली उन्नाव उम्र 36 वर्ष का शव गांव के बाहर धान के खेत में लगे कटीले तारों के पास औंधे मुंह पड़ा हुआ है । प्रभारी निरीक्षक मौके पर। शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा जा रहा है।

मृतक की पत्नी द्वारा गांव के ही बीडीसी और उनके पुत्र पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि इनसे ही मेरा विवाद चल रहा था दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।